RNI No.: MPHIN/2022/82783

हमारा देश हमारा अभिमान

।। हर हर महादेव ।।

ISO 9001:2015 CERTIFIED

28 अप्रैल 2025

PAHALGAM TERROR ATTACK

PAK TERROR STRIKES AGAIN!

देशभर में गुस्सा

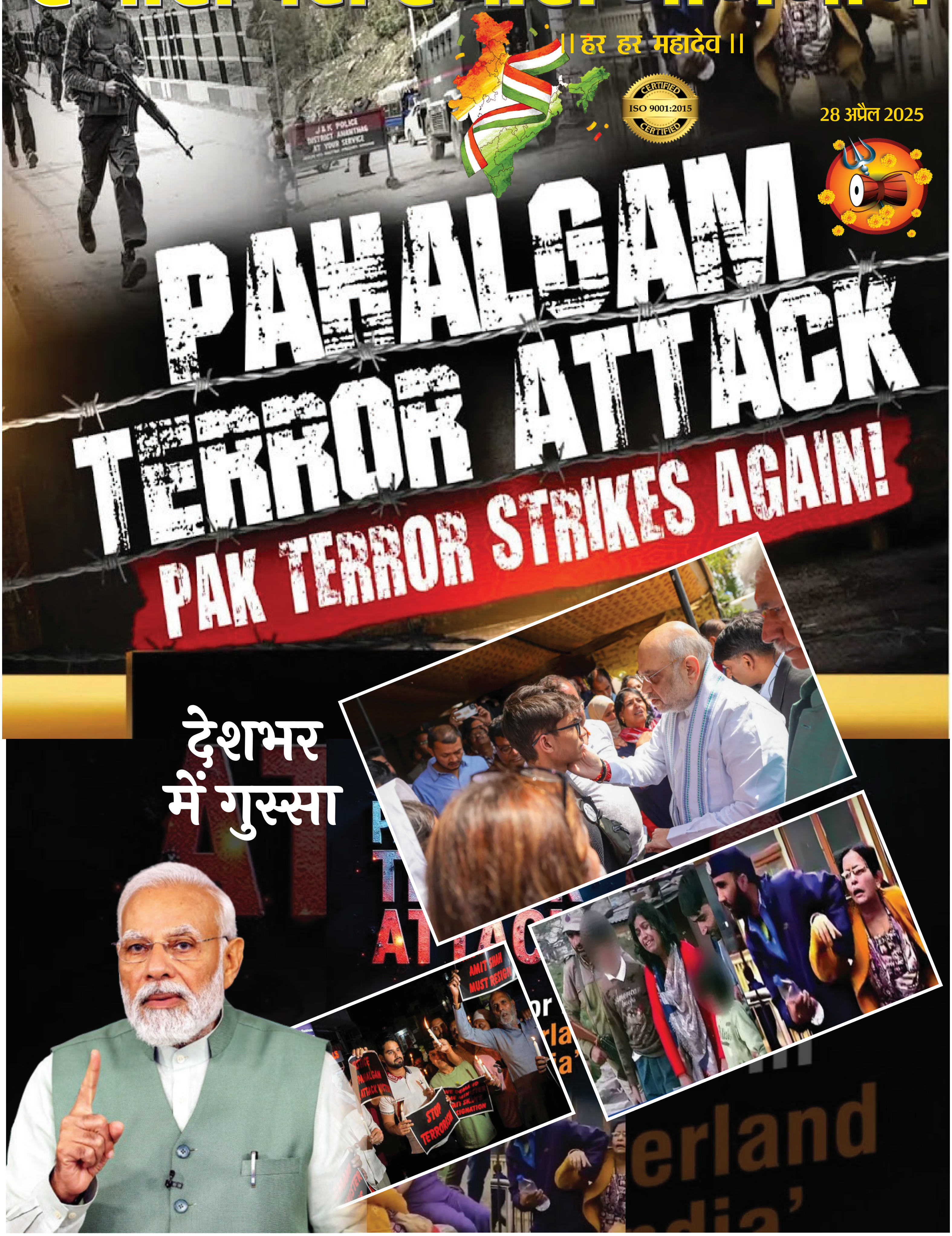

पहले पाकिस्तान के पानी पर लगाई लगाम!

अब विदेश मंत्रालय में US-चीन के राजदूत संग बैठक, क्या है प्लान?

पहलगाम आतंकी हमले पर भारत की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ सख्त निर्णय लिए गए हैं. विदेश मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा गया कि भारत सिंधु जल समझौते से पीछे हट रहा है. भारत पाकिस्तान में मौजूद अपने दूतावास कर्मियों की संख्या घटा रहा है. पाकिस्तान को भी भारत से अपने कर्मचारी कम करने के लिए कहा है. कुल पांच फैसले पाकिस्तान के खिलाफ लिए गए हैं.

सीसीएस की बैठक के बाद पाकिस्तान के खिलाफ लिए गए पांच फैसले

1) 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जा रहा है, जब तक कि पाकिस्तान सीमापार आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं कर देता.

2) इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट अटारी को तत्काल प्रभाव से बंद किया जा रहा है. वैध अनुमति के साथ जो लोग इस रास्ते से भारत आए हैं, वे 1 मई से पहले इसी रास्ते से वापस जा सकते हैं.

3) पाकिस्तानी नागरिकों को अब SAARC वीज़ा छूट योजना (SVES) के तहत भारत यात्रा की इजाजत नहीं दी जाएगी. पहले से जारी सभी SVES वीज़ा निरस्त माने जाएंगे. अभी SVES वीज़ा पर भारत में रह रहे किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को 48 घंटों के भीतर भारत छोड़ना होगा.

4) नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा/सेना, नौसेना और वायुसेना सलाहकारों को "पर्सोना नॉन ग्राटा" घोषित किया गया है. उन्हें भारत छोड़ने के लिए एक हफ्ते का वक्त दिया गया है. भारत इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग से भी रक्षा/नौसेना/वायुसेना सलाहकारों को वापस बुलाएगा. दोनों उच्चायोगों में ये पद अब निरस्त माने जाएंगे. सेवा सलाहकारों के पांच सहायक कर्मचारी भी दोनों उच्चायोगों से वापस बुलाए जाएंगे.

5) दोनों उच्चायोगों में कर्मचारियों की कुल संख्या को मौजूदा 55 से घटाकर 30 किया जाएगा, जिसकी प्रक्रिया 1 मई तक पूरी कर ली जाएगी.

पहलगाम आतंकी हमले के बाद दिल्ली में हुई सीसीएस की बैठक के बाद पाकिस्तान को लेकर पांच बड़े फैसले लिए गए हैं. विदेश मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि भारत अब सिंधु जल समझौते से पीछे हट रहा है. अटारी पर इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट को तत्काल प्रभाव से बंद किया जा रहा है. पाकिस्तानी नागरिकों को अब SAARC वीज़ा छूट योजना (SVES) के तहत भारत यात्रा की इजाजत नहीं दी जाएगी. पाकिस्तानी नागरिक को 48 घंटों के भीतर भारत छोड़ना होगा. नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा/सेना, नौसेना और वायुसेना सलाहकारों को भारत छोड़ने के लिए एक हफ्ते का वक्त दिया गया है. भारत इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग से भी रक्षा/नौसेना/वायुसेना सलाहकारों को वापस बुलाएगा. दोनों उच्चायोगों में कर्मचारियों की कुल संख्या को मौजूदा 55 से घटाकर 30 किया जाएगा, जिसकी प्रक्रिया 1 मई तक पूरी कर ली जाएगी.

भारत सरकार ने आधी रात को दिल्ली में पाकिस्तान के राजदूत को तलब किया है। उन्हें भारत सरकार के निर्णय से अवगत कराया गया है। भारत के सख्त स्टैंड को देखते हुए पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने अहम बैठक बुलाई है. उधर, इस वक्त सेना और सुरक्षा एजेंसियां 1,500 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेकर जम्मू-कश्मीर में पूछताछ कर रही हैं. श्रीनगर और पहलगाम का दौरा करने के बाद गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली पहुंच गए हैं. वो इस वक्त पीएम नरेंद्र मोदी के घर पर हैं. पीएम आवास पर कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक हो रही है, जिसमें पाकिस्तान पर हमले को लेकर एक्शन प्लान तैयार हो सकता है. इस पूरे घटनाक्रम पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि पर्दे के पीछे जो भी लोग छुपे हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा. सेना ने उरी में भारत-पाकिस्तान सीमा पर दो आतंकियों को मार गिराया है.पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए सैयद आदिल हुसैन शाह को अंतिम श्रद्धांजलि देने के बाद जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा, "हम इसकी निंदा करते हैं और इस सदमे से पीड़ित लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं. हमारे मेहमान छुट्टियां मनाने के लिए बाहर से आए थे. दुर्भाग्य से, उन्हें ताबूत में घर वापस भेज दिया गया है. जैसा कि मैंने सुना है, आदिल ने हमले को रोकने की कोशिश की और शायद बंदूक छीनने की भी कोशिश की, और तभी उसे निशाना बनाया गया. हमें इस परिवार का ख्याल रखना है. हमें इस परिवार का ख्याल रखना होगा." उनकी मदद करें और मैं उन सभी को आश्वस्त करने के लिए यहां हूं कि सरकार उनके साथ खड़ी है और हम उनके लिए जो कुछ भी कर सकते हैं वह करेंगे.उधर, कांग्रेस नेता रॉबर्ट वाड्रा ने एक विवादित बयान दिया है. इतने बड़े आतंकी हमले पर भी वो माइनॉरिटी पॉलिटिक्स करने में लगे हैं. इस वक्त गृह मंत्री अमित शाह पहलगाम में हैं और घटना में मारे गए लोगों के परिजनों से मिल रहे हैं. वो अस्पताल में घायलों से भी मिले. पीएम नरेंद्र मोदी आज शाम छह बजे नई दिल्ली में कैबिनेट की बैठक करने जा रहे हैं. इस दौरान सभी केंद्रीय मंत्री मौजूद रहेंगे. प्रधानमंत्री पाकिस्तान की नापाक हरकत का जवाब देने की योजना बना रहे हैं. इतनी बड़ी घटना के बाद पीएम मोदी अपना सऊदी अरब का दौरा बीच में ही छोड़कर दिल्ली लौट आए हैं. यहां उन्होंने एयरपोर्ट ही पहलगाम टेरर अटैक को लेकर बैठक की. वहीं थोड़ी ही देर में वह कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक करेंगे.भारत सरकार ने बुधवार रात को सीसीएस की बैठक के बाद पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को सस्पेंड करने का निर्णय लिया था. आज एक कदम और आगे जाते हुए विदेश मंत्रालय अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, जापान सहित कई देशों के राजदूतों के साथ साउथ ब्लॉक में बैठक कर रहा है. सभी देशों को पाकिस्तान की नापाक हरकत के बारे में जानकारी दी जा रही है.

पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े फैसले लेने के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने आधी रात को पाकिस्तान के भारत में राजदूत साद अहमद वराइच को तलब किया. साउथ ब्लॉक में विदेश मंत्रालय के दफ्तर में बुलाया गया और पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान को खरी-खरी सुनाई गई.पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार पहलगाम आतंकी हमले के बाद गुरुवार को सर्वदलीय बैठक करने जा रही है. आज सीसीएस की बैठक में पाकिस्तान को लेकर अहम निर्णय लिए गए. माना जा रहा है कि भारत सरकार पाकिस्तान पर कोई नई स्ट्राइक भी कर सकती है. इसी बीच अब कल शाम को मोदी सरकार ने सर्वदलीय बैठक करने जा रही है. पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का निर्णय लिया है. मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद ने आज उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को जम्मू-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र 28 अप्रैल 2025 को जम्मू में सुबह 10:30 बजे बुलाने की सलाह देने का फैसला किया. पहलगाम आतंकी हमले के बाद अपने घर जाने की जुगत में लगे 16,730 पर्यटकों को विशेष व्यवस्था कर भारत सरकार ने अपने घरों तक पहुंचाया है। आज श्रीनगर से बड़ी संख्या में अतिरिक्त फ्लाइट चलाई गई और लोगों को वापस उनके घर पहुंचाया गया. फंसे हुए यात्रियों की भीड़ को दूर करने के लिए आज श्रीनगर हवाई अड्डे से 52 अनुसूचित और 7 अतिरिक्त उड़ानें संचालित की गईं.

हमारा देश हमारा अभिमान परिवार मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

हमारा देश
हमारा अभिमान

28 अप्रैल 2025

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन • श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- कमांडों कमल किशोर (पूर्व सांसद)
- श्री के. कान्याल • श्री मधु सुदन मिश्रा
- राजेश कुमार त्रिपाठी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

कानूनी सलाहकार -एडवोकेट रिचा पांडे (सुप्रीमकोर्ट)
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट , रजत रघुवंशी, एडवोकेट इंदौर हाइकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
- दीपेंद्र कुमार पाण्डेय, एडवोकेट, उच्च न्यायालय

ब्यूरो : अविनाश जाजपुरा (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- श्री डॉ सुनील शर्मा (नेत्र रोग विशेषज्ञ)
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ.दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायण गुप्ता
- श्री पीयुष श्रीवास्तव
- श्री पंडित चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह
- श्री प्रदीप यादव
- श्री निरंजन शर्मा
- श्री विनीत गोयल
- श्री डॉ. सुधीर राजौरिया हड्डी रोग विशेषज्ञ
- श्री आशीष त्रिवेदी
- श्री डॉक्टर अशोक राजौरिया हेमाटोजिस्ट और बोन नेरो ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट
- श्री शरद मंगल (गहना ज्वैलर्स)
- श्री विजय शर्मा
- श्री डॉ. कमल कटारिया
- श्री यशवंत गोयल
- दीपक भार्गव
- श्री अमित जैन इंदौर
- श्री सुरजित परमार
- श्री संजू जादौन
- श्री डॉक्टर हिमांशु डेंटिस्ट
- श्री रागिनी चतुर्वेदी
- प्रवेश चतुर्वेदी
- श्री प्रखर चतुर्वेदी
- श्री प्रवेश चतुर्वेदी
- श्री प्रखर सिंह
- श्री प्रदीप भदौरिया
- श्री डॉ दिव्य दर्शन शर्मा
- श्री कुंज बिहारी शर्मा

सह सलाहकार

- श्री विजय महाजन
- श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (जोधपुर मिष्ठान भंडार),
- श्री आर एन नार्वे (सीनियर ऑडिटर),
- श्री विनीत त्रिपाठी जी. एम. लैंडमार्क एनएक्स,
- श्री अतेंद्र रावत • श्री आर.एन. नार्वे (सीनियर ऑडिटर)
- श्री विनीत त्रिपाठी (जी.एम. लैंडमार्क एन एक्स) मंगला चतुर्वेदी, सोनीष वसिष्ठ,
- श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (प्रो.जोधपुर मिष्ठान भंडार), रुचि चतुर्वेदी,कमल वर्मा अजय चतुर्वेदी,चंचल शर्मा, अनिल शर्मा

विशेष सह सलाहकार - श्री अतेंद्र सिंह रावत

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
• सुनील • हरशूल

सह मार्केटिंग ब्यूरो ग्वालियर एवं सह संवाद दाता: सुनिता कुशवाह, अर्जना खन्ना, अजय चतुर्वेदी (आशु)

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी । (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

सुविचार

"कठिन समय के दौरान लिए गए सही निर्णय ही आपको परिपक्व बनाते हैं।"

संपादकीय	04-05
दिल्ली इलेक्शन	06-07
ग्वालियर	08-11
मध्य प्रदेश	12-28
फैशन	29
कैरियर	30
पर्यटन	31-32
ऑटोमोबाइल	33
सायबर अवेयनेस	34
बिजनेस आईडिया	35
रोजगार	36
कृषि जगत	37-38
खेल जगत	39
वास्तु	40
स्वास्थ्य	41-43
अंतराष्ट्रीय	44
वेल्थ मैनेजमेंट	45-46
बॉलिवुड	47
फैशन	48-49
रैसिपी	50
ट्रेडिंग जॉब	51

क्या आनेवाले दिनों में हैंड पेंटेड साड़ियां ट्रेंड करेंगी?

हाल के दिनों में कई अभिनेत्रियों को हैंड पेन्टेड साड़ी में स्पॉट किया गया और अब यह एक ट्रेंड बनता दिख रहा है. सबसे पहले हमने शिल्पा शेट्टी कुन्द्रा को हैंड पेंटेड साड़ी में देखा था, जिसमें वह बहुत ही शालीन नज़र आ रही थीं.

यदि आप से कोई रिश्वत मांगता हो या आपके के एरिये में कोई प्रशासनिक समस्या हो तो हमें इस नम्बर पर सम्पर्क करें। आप का नाम गुप्त रखा जाएगा और आप की बात उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी।
हमारा देश हमारा अभिमान सम्पादक
98266 36922

हमारा देश हमारा अभिमान
मासिक पत्रिका के लिए म.प्र. एवं राजस्थान में संवाददाता नियुक्त करना है। इच्छुक व्यक्ति निम्न नम्बर पर सम्पर्क
हमारा देश हमारा अभिमान सम्पादक
98266 36922

संपादक
मनोज चतुर्वेदी

पहलगाम आतंकी हमले से अमरनाथ यात्रियों के उत्साह में कोई कमी नहीं...

3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगी यात्रा,देश भर में जारी है यात्रियों के रजिस्ट्रेशन का काम,पहलगाम हमले के बाद बहुत खास रहेंगे इंतजाम

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी अमरनाथ यात्रियों की उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। उत्साही श्रद्धालु आतंकवादियों और उनके पोषकों को जवाब देने के लिए तीन जुलाई से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा को लेकर उत्साहित हैं। पिछले 24 वर्षों से श्रद्धालुओं को गाइड बनकर यात्रा कराने वाले मध्य प्रदेश के ग्वालियर के प्रोफेसर डॉ. संजय पांडे का कहना है कि आतंकी हमले के बाद बड़ी संख्या में युवाओं ने उनसे संपर्क किया है। इससे पहले अमरनाथ यात्रा कर चुके श्रद्धालुओं को भारतीय सेना के सुरक्षा इंतजामों पर पूर्ण भरोसा है। क्योंकि वहां के सुरक्षा इंतजामों को पहले देख चुके हैं।अब लोग जत्थों में यात्रा की प्लानिंग कर रहे हैं। इसके साथ बाबा बर्फानी समिति व अमरनाथ सेवा समिति के पदाधिकारियों का दावा है कि उनका भंडारा निश्चित समय पर निर्धारित स्थान पर लगेगा।

श्रद्धालु अब और उत्साह के साथ खाद्य सामग्री का दान कर रहे हैं। मोहना निवासी विवेक शर्मा का कहना है कि पहली बार अमरनाथ यात्रा पर जाने की प्लानिंग की थी। पहले परिवार के एक-दो लोग भी साथ जा रहे थे।पहलगाम हुए आतंकी हमले के बाद अब उनका विचार अकेले ही जाने का है। कोशिश है कि अब किसी जत्थे के साथ यात्रा के लिए जायें। क्योंकि पूर्व यात्रा कर चुके श्रद्धालु को भौगोलिक स्थिति के साथ सुरक्षा इंतजामों की जानकारी होती है।प्रोफेसर डॉ. संजय पांडे ने बताया कि हमले के बाद से युवा यात्रा के लिए अधिक जानकारी ले रहे हैं और बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए उत्साह दिखा रहे हैं। पहली बार यात्रा पर जाने वाले उनसे जरूर सवाल कर रहे हैं कि.यात्रा के दौरान किस तरीके की सुरक्षा व्यवस्था होती है।जो पूर्व में यात्रा कर चुके हैं, उन्हें पता है कि हर यात्री पर सेना के जवान की नजर होती है और सुरक्षा मापदंड अपनाते हुए यात्रा कराई जाती है। उन्होंने बताया कि 500 से अधिक यात्रियों का जत्था ले जाने की योजना थी। अब तक 150 लोगों के रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं।उनका जत्था दो जुलाई को अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना होना हैं, अगर रजिस्ट्रेशन में कोई परेशानी आई, तो एक-दो दिन कार्यक्रम आगे पीछे हो सकता है।शुक्रवार से दानदाताओं ने खाद्य सामग्री देने का सिलसिला शुरू कर दिया है। लोगों के उत्साह में कोई कमी नजर नहीं आ रही है। नया बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किये जा रहे हैं। गुरुवार को 170 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।बैंक कर्मचारी पप्पू वर्मा ने बताया कि आतंकी हमले के बाद लोग पहलगाम से यात्रा शुरू करने के लिए अधिक रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं, क्योंकि यहां से यात्रा ज्यादा सुगम है।

अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू, जानिए स्टेप-बाय-स्टेप ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रोसेस

इस साल की अमरनाथ यात्रा के लिए 14 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन (Amarnath Yatra 2025 Registration) शुरू हो गए हैं। यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगी। श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने रजिस्ट्रेशन से जुड़ी पूरी जानकारी उपलब्ध करवाई है।

बोर्ड ने एडवांस पंजीकरण (Amarnath Yatra Registration) के लिए देश भर में 4 बैंकों की 533 शाखाओं में व्यवस्था की है। हालांकि, सोमवार को अंबेडकर जयंती का अवकाश होने के कारण पंजीकरण मंगलवार से ही शुरू हो पाएगा।

श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर, 'ऑनलाइन सेवाएं' टैब पर क्लिक करें। 'यात्रा परमिट पंजीकरण' चुनें

दिए गए निर्देशों को अच्छी तरह पढ़ने के बाद जारी रखने के लिए 'मैं सहमत हूं' पर क्लिक करें

'पंजीकरण करें' पर क्लिक करें जो पेज खुलेगा उस पर आवेदक को अपना नाम, पसंदीदा यात्रा तिथि, आधार संख्या, मोबाइल नंबर सहित अन्य जानकारी दर्ज करना होगी। साथ ही स्कैन किए गए अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाणपत्र (CHC) के साथ पासपोर्ट आकार की तस्वीर अपलोड करनी होगी।

इसके बाद मोबाइल नंबर को OTP के जरिए वेरिफिकेशन किया जाएगा। सबमिट करने के बाद दो घंटे के भीतर एक पेमेंट लिंक भेजा जाएगा। पंजीकरण शुल्क का भुगतान ऑनलाइन करना होगा।

डॉ. श्रीमन
नारायण मिश्रा
वरिष्ठ संरक्षक

बड़ी कीमत चुकाएगा पाकिस्तान, भारत सरकार ने शुरू की कार्रवाई

पहलगाम आतंकी हमले के बाद उपजे आक्रोश को देखते हुए भारत सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में कुछ कूटनीतिक कदम उठाए गए हैं। इनमें सबसे अहम है सिंधु जल संधि को स्थगित करना। इसके अतिरिक्त, राजनयिक उपस्थिति न्यूनतम करने, पाकिस्तानियों के वीजा रद करने और अटारी-वाघा सीमा बंद करने का निर्णय भी लिया गया है। पाकिस्तान का गठन ही भारत से नफरत के आधार पर हुआ और अपने अस्तित्व में आने के बाद से उसने भारत के साथ अपने संबंध तल्ख बनाए रखे। तल्खी के इस लंबे अध्याय के बीच प्रत्यक्ष एवं परोक्ष युद्धों और निरंतर प्रायोजित आतंकवाद के बावजूद भारत ने 1960 में अस्तित्व में आए सिंधु जल समझौते को कभी स्थगित नहीं किया, लेकिन पहलगाम के बाद ऐसा करने में कोई संकोच नहीं किया। इस स्थगन के कार्यान्वयन और इस मामले के अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठने से जुड़े किंतु-परंतु के बीच यह तय है कि यदि इसे अपेक्षित रूप से अमल में लाया जा सका तो पहले से मुश्किलें झेल रहा पाकिस्तान त्राहिमाम करने लगेगा।

पाकिस्तान की खेती-किसानी का एक बड़ा हिस्सा इस समझौते से मिलने वाले पानी पर निर्भर है। पानी रुकने से कृषि उत्पादन घटने और खाद्य सुरक्षा का नया संकट पैदा हो सकता है। कई पाकिस्तानी शहर भी इसी पानी के भरोसे चलते हैं तो जाहिर है कि उनकी रफ्तार थम जाएगी। सिंधु जल समझौते को विश्व के सबसे उदार एवं एकतरफा फायदा पहुंचाने वाले करारों में से एक माना जाता है, जिसका लगभग पूरा लाभ पाकिस्तान ही उठाता आया है।

अतीत में भी कई बार इसे स्थगित करने की बात आई, लेकिन वह आई-गई ही रही, क्योंकि भारत की कभी ऐसी मंशा नहीं रही कि पाकिस्तानी सेना और शासकों की करतूतों की कीमत वहां की जनता चुकाए। यहां तक कि 2016 में उड़ी हमले के बाद भी सिर्फ इस अनुबंध का स्वरूप थोड़ा बदला गया, जिससे भारत को भी कुछ लाभ मिले, पर इसे ठंडे बस्ते में डालने का कदम तब भी नहीं उठाया गया। तब प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, मगर पहलगाम के बाद लगता है कि भारत का धैर्य अपनी सीमा को पार कर गया, जिसके बाद यह कड़ा कदम उठाना पड़ा।

कूटनीतिक कदम यही संकेत करते हैं कि भारत कोई कोर-कसर नहीं छोड़ने वाला। इसके बाद सैन्य मोर्चे पर किसी गतिविधि के जरिये पाकिस्तान को सबक सिखाए जाने की सूरत से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भी है कि आतंकियों को उनकी कल्पना से भी परे सजा दी जाएगी। गुरुवार को कई देशों के राजनयिकों के साथ बैठक में भारत ने वैश्विक समुदाय को वस्तुस्थिति से अवगत भी कराया। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा करते हुए भारत को हरसंभव सहयोग के लिए आश्वस्त भी किया है। भारत की प्रतिक्रिया और गतिविधियों से पाकिस्तान में डर का माहौल स्पष्ट दिख रहा है। वहां सर्जिकल या एयर स्ट्राइक जैसी किसी कार्रवाई की अटकलें लगाई जा रही हैं।

भारतीय कदमों की प्रतिक्रिया में पाकिस्तान ने शिमला समझौता रद करने और सिंधु जल समझौते को 'युद्धक कार्रवाई' करार देते हुए जवाब देने की धमकी दी है। इस सबके बीच सवाल उठता है कि जब पाकिस्तान खस्ताहाल आर्थिकी से लेकर अलगाववाद जैसी तमाम चुनौतियों से जूझ रहा है, तब उसने पहलगाम हमले जैसा दुस्साहस क्यों किया? यहां इसकी अनदेखी न की जाए कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के हालिया जहरीले भाषण के हफ्ते भर के भीतर पहलगाम में वीभत्स हमले को अंजाम दिया गया। इसके कारणों की पड़ताल करें तो पाएंगे कि पाकिस्तान इस समय अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। एक समय अमेरिकी उपयोगिता के केंद्र में रहा पाकिस्तान अब अमेरिकी नीतियों में हाशिए पर पहुंच गया है।

इस्लामिक पहचान और एकजुटता को लेकर खाड़ी देशों के दम पर कूदने वाले पाकिस्तान को पश्चिम एशिया में भारत की निरंतर बढ़ती पैठ से भी बड़ा झटका लगा है। ऐसे में इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के अत्यंत महत्वपूर्ण भारत दौरे और प्रधानमंत्री मोदी की सऊदी अरब यात्रा के बीच पाकिस्तान ने भारत को गहरा घाव देने का काम किया। स्पष्ट है कि एक समय अपने संरक्षक रहे इन पक्षों का भारत के पाले में झुकना उस पाकिस्तानी फौज को कतई नहीं पच रहा होगा, जो खुद भारत के प्रति अपने देश की नीति को निर्धारित करती आई है।

पाकिस्तान में बढ़ते अलगाववाद ने भी फौज की चुनौतियां बढ़ाई हैं, जिससे उसकी अहमियत एवं सक्षमता पर सवाल उठ रहे हैं। पिछले महीने ही बलूचिस्तान में सैन्यकर्मियों को ले जा रही ट्रेन के अपहरण को लेकर फौज को शर्मसार होना पड़ा था। ऐसे में भारत विरोधी कार्ड को नए सिरे से खेलना उसकी मजबूरी हो गई थी। जनरल मुनीर का हालिया भाषण इसका स्पष्ट उदाहरण है, जिसमें उन्होंने हिंदू-मुस्लिम पहचान, द्विराष्ट्रवाद का समर्थन और कश्मीर का राग फिर से छेड़ा था।

पहलगाम हमला उनके इस सैद्धांतिक दृष्टिकोण की मूर्त अभिव्यक्ति है। यह हमला इस लिहाज से भी अलग है कि पूर्व में पाकिस्तान समर्थक आतंकियों ने भारतीय सरकारी या सैन्य प्रतिष्ठानों को ही निशाना बनाया था कि उनकी लड़ाई भारतीय राज्य एवं उसकी व्यवस्था से है, लेकिन इस बार निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया। इसीलिए भारत ने भी सिंधु जल समझौता स्थगित करके यही संदेश दिया कि अब यह लड़ाई नागरिकों के स्तर पर भी पहुंच गई है और पाकिस्तानी शासकों की करतूतों की तपिश जनता को भी झेलनी पड़ेगी। भारत का संदेश स्पष्ट है कि यदि पाकिस्तानी जनता जहरीली जिहादी लड़ाई में अपने सैन्य एवं राजनीतिक नेतृत्व द्वारा बरगलाई जाती रहेगी तो उसकी कीमत वह भी चुकाएगी। पहलगाम हमले के पीड़ितों में विभिन्न राज्यों के नागरिकों के शामिल होने के कारण इससे उपजे आक्रोश ने समूचे भारत को और एकजुट करने का काम किया है। इसके अतिरिक्त, व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहयोग ने भी भारत के लिए सभी विकल्पों को खोल दिया है।

ग्वालियर बनेगा टेलीकॉम हब, साडा ग्वालियर की 271 हेक्टेयर भूमि उद्योग विभाग को दी जाएगी

12,000 हजार करोड़ का निवेश, 5,000 नौकरियां

ग्वालियर मध्य प्रदेश दूरसंचार विनिर्माण जोन (टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन यानी टीएमजेड) की स्थापना करने वाला देश का पहला राज्य बनने जा रहा है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक के बाद जानकारी दी कि इस संबंध में प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार को अपनी सहमति प्रदान कर दी है। उन्होंने कहा कि करीब 350 एकड़ क्षेत्र में बनने वाले इस जोन के निर्माण से करीब 12,000 करोड़ रुपये का निवेश आएगा और 5,000 से अधिक रोजगार तैयार होंगे।

यह टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग हब ग्वालियर के स्पेशल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी यानी साडा क्षेत्र में बनेगा जहां दूरसंचार क्षेत्र से बने उपकरण और ऐससरीज मसलन सिम कार्ड, चिप, एंटीना, मोबाइल फोन आदि बनेंगे तथा 6जी तकनीक से जुड़े शोध एवं विकास कार्य होंगे। प्रदेश सरकार के उच्चाधिकारी ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि टीएमजेड के लिए साडा की 271 एकड़ और ग्वालियर आईटी पार्क की 70 एकड़ जमीन मध्य प्रदेश औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग (एमपीआईडीसी) को स्थानांतरित की जाएगी। इससे पहले सोमवार को इस विषय में मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया था जिसमें डिक्सन, एरिक्सन, वॉयकॉन, वीवीडीएन, तेजस जैसी कई कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 27 अप्रैल को इंदौर में आयोजित होने जा रहे आईटी कॉन्क्लेव में टेलीकॉम क्षेत्र के उद्योगपतियों और निवेशकों को टीएमजेड से जुड़े निवेश के लिए औपाचारिक आमंत्रण दिया गया है। बैठक में शामिल एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ग्वालियर की भौगोलिक स्थिति उसे इस परियोजना के लिए उपयुक्त बनाती है। अधिकारी ने कहा कि यहां से गुजर रहा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे आगरा और ग्वालियर के बीच की दूरी को 50 मिनट में तय करने लायक बना देगा।वहीं नोएडा के जेवर में बन रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंचने में करीब ढाई घंटे लगेंगे। उन्होंने कहा कि इससे कंपनियों की लॉजिस्टिक संबंधी जरूरतें किफायती ढंग से पूरी हो सकेंगी।ग्वालियर में मोबाइल में यूज होने वाले सिम कार्ड, कम्पोनेंटस, वाइफाई, ऑप्टिकल्स, मोबाइल डिवाइसेस, सिमकार्ड, एंटीना, टेलीकॉम चिप्स सहित तमाम मोबाइल एसेसरीज बनाई जाएगी। ग्वालियर में करीब 350 एकड़ जमीन पर टेलीकॉम मेन्युफेक्चरिंग जोन (TMZ) बनाया जाएगा। भोपाल में सीएम डॉ मोहन यादव ने मंत्रालय में TMZ की समीक्षा के दौरान यह बात कही।सीएम ने कहा- मध्यप्रदेश में टेलीकॉम सेक्टर के विकास के लिए यहां आने वाले हर उद्यमी, हर निवेशक का स्वागत है। टेलीकम्यूनिकेशन फेसिलिटीज को बेहतर बनाकर हम प्रदेश के हर क्षेत्र व केन्द्रीय दुर्गम इलाकों में कनेक्टिविटी बढ़ाना चाहते हैं। सीएम ने मंत्रालय में प्रदेश में दूरसंचार उत्पादन क्षेत्र (टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन - टीएमजेड) की स्थापना एवं इसके क्रियान्वयन की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में ग्वालियर, जबलपुर जैसे क्षेत्रों में टेलीकॉम सेक्टर के विकास की संभावनाएं हैं।सीएम ने बताया कि 27 अप्रैल को इंदौर में आईटी कॉन्क्लेव होने जा रही है। इच्छुक निवेशक इसमें अपना प्रस्ताव दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन के निर्माण के लिए बड़े लैंड बैंक की जरूरत होगी।सीएम ने निवेशकों से कहा कि कम जमीन में ज्यादा निर्माण इकाइयां स्थापित करने से लागत भी कम होगी और प्रबंधन में भी आसानी होगी। निवेशक इसी दिशा में आगे बढ़ें। निवेशकों ने सीएम से कहा कि वे विचार-विमर्श कर जल्द ही अपना निर्णय लेंगे और सरकार को अवगत कराएंगे।बैठक में अफसरों ने बताया कि ग्वालियर जिले में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन (टीएमजेड) बनाया जाना प्रस्तावित है। यह टीएमजेड करीब 350 एकड़ जमीन पर बनेगा। इस टीएमजेड में टेलीकॉम सेक्टर से जुड़े सभी सिस्टम्स, कम्पोनेंटस, वाइफाई, ऑप्टिकल्स, मोबाइल डिवाइसेस, सिमकार्ड, एंटीना, टेलीकॉम चिप्स सहित मोबाइल एसेसरीज (सहायक उपकरण) बनाए जाएंगे।

350 एकड़ में बनेगा टीएमजेड

बैठक में बताया गया कि ग्वालियर जिले में 350 एकड़ क्षेत्र में प्रस्तावित टीएमजेड में मोबाइल डिवाइसेस, सिम कार्ड, एंटीना, टेलीकॉम चिप्स, वाई-फाई सिस्टम और 6जी तकनीक से जुड़े अनुसंधान कार्य होंगे। प्रमुख कंपनियों जैसे डिक्सन, एरिक्सन, वॉयकॉन, आईबीएम, और निक्सन ने निवेश में रुचि दिखाई है।

271 हेक्टेयर भूमि औद्योगिक विभाग को देंगे

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर साडा, ग्वालियर की 271 हेक्टेयर भूमि औद्योगिक विभाग को हस्तांतरित की जाएगी। यहां आईटी पार्क और ग्रीन कॉरिडोर जैसी आधारभूत संरचनाओं का विकास भी प्रस्तावित है, जिससे इस क्षेत्र को दिल्ली, आगरा और मुंबई जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ने वाली कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी।

केंद्र सरकार की है योजना

बैठक में यह भी बताया गया कि वैश्विक टेलीकॉम बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए विशेष टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन की अवधारणा केंद्र सरकार द्वारा लाई गई है। इसमें प्लग एंड प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर, टेस्टिंग लैब्स, डिजाइन सेंटर और वित्तीय प्रोत्साहनों की व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 27 अप्रैल को इंदौर में आईटी कॉन्क्लेव आयोजित किया जाएगा, जिसमें निवेशक अपनी योजनाएं प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रदेश की नई औद्योगिक प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत सरकार ने निवेशकों के लिए फिस्कल और नॉन-फिस्कल पैकेज तैयार किए हैं, ताकि मध्य प्रदेश को देश के टेलीकॉम निर्माण का प्रमुख केंद्र बनाया जा सके।

स्ट्रीट डॉग को बेहोश होने तक सरिए से पीटा

ग्वालियर में एक युवक ने स्ट्रीट डॉग को लोहे के सरिए से बेहोश होने तक पीटा। युवक इस बात से नाराज था कि स्ट्रीट डॉग ने उसके पालतू डॉग के सामने भौंका था। स्ट्रीट डॉग को बचाने आई महिला से युवक ने झगड़ा कर मारपीट की, जिससे उसकी पसली टूट गई। वहां मौजूद बच्चे उसका वीडियो बनाने लगे, तो सरिए के साथ कैमरे के सामने आकर खड़ा हो गया और कहने लगा- जाओ थाने में कह देना कि मैंने मारा है। फिलहाल स्ट्रीट डॉग की हालत नाजुक बनी हुई है और उसे पशु चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। महिला ने युवक शिकायत माधौगंज थाने में दर्ज कराई है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। हेमसिंह की परेड इलाके में रहने वाली मीरा देवी (60) ने बताया, पति भागीरथ जाटव चॉकलेट फैक्ट्री में काम करते हैं और बेटा भी बाहर नौकरी करता है। घर पर वह अकेली रहती हैं। लॉकडाउन के दौरान उन्होंने एक स्ट्रीट डॉग को खाना खिलाना शुरू किया था, जो अब उनके घर के पास ही रहता है। हालांकि, पड़ोसियों की शिकायत पर एक साल पहले नगर निगम उसे पकड़कर ले गया था, लेकिन कुछ महीने पहले वह फिर लौट आया। मीरा देवी ने बताया कि पास ही रहने वाला नानू राठौर इस स्ट्रीट डॉग से नफरत करता है। उसके पास भी एक पालतू डॉग है। वह अपने पालतू डॉग की लड़ाई स्ट्रीट डॉग से कराता है। हमेशा स्ट्रीट डॉग ही भारी पड़ता। इसलिए नानू इससे नफरत करता था। सोमवार शाम को नानू किसी बात पर नाराज होकर मीरा देवी के घर में घुसा और जातिसूचक गालियां देने लगा। जब मीरा देवी ने स्ट्रीट डॉग को घर से निकालने से मना किया, तो नानू ने सरिए से डॉग के पेट और गर्दन पर ताबड़तोड़ वार किए, जिससे वह बेहोश हो गया। इसके बाद उसने मीरा देवी के साथ भी मारपीट की, जिसमें उनकी पसली टूट गई।

28 को ग्वालियर में कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली

महू की तर्ज पर अब कांग्रेस 28 अप्रैल को ग्वालियर में एक बड़ी रैली करेगी। इस रैली में मप्र कांग्रेस के सभी नेता शामिल होंगे। इस संविधान बचाओ रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी को बुलाया जाएगा। भोपाल में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में हुई एमपी कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी और प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में यह तय हुआ कि ग्वालियर की प्रदेश स्तरीय रैली के बाद जिला और ब्लॉक स्तर पर संविधान बचाओ रैलियां की जाएंगी।

प्रदेश प्रभारी बोले- आज अर्जुन सिंह जैसे नेता की जरूरत

प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा- सबको साथ मिलकर कांग्रेस को मजबूत करने में जुटना चाहिए। आज कांग्रेस को अर्जुन सिंह जैसे नेताओं की जरूरत है। जिस तरह अर्जुन सिंह सबको साथ लेकर चलते थे। उस तरह हर स्तर के नेता को काम करना चाहिए। अपने जिले के नेताओं और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने की कोशिश सबको करना चाहिए। बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, कमलेश्वर पटेल, ओमकार सिंह मरकाम सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विशेष रूप से मौजूद थे। बैठक में कांग्रेस के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, जिला अध्यक्षों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी द्वारा की गई नियुक्ति की घोषणा

अखिल भारतीय हिंदू सेवादल के इंदौर जिला अध्यक्ष बने मनीष पांडे

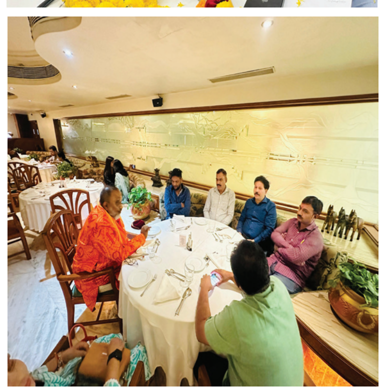

अखिल भारतीय हिंदू सेवादल इंदौर के जिला अध्यक्ष बने मनीष पांडे । अखिल भारतीय हिंदू सेवादल के राष्ट्रीय महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी इंदौर दौरे के दौरान श्री मनोज चतुर्वेदी द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष की सहमति एवं विचार विमर्श कर अखिल भारतीय हिंदू सेवादल के इंदौर इकाई की श्रीमाया होटल इंदौर में बैठक एवं संगठन के कार्यक्रम में युवा कार्यकर्ता श्री मनीष पांडे को जिला इकाई का अध्यक्ष बनाने की घोषणा की एवं नियुक्त करते हुए नियुक्ति पत्र भी दिया गया । कार्यक्रम में वरिष्ठ हिंदू नेता डॉ अजय शुक्ला द्वारा अखिल भारतीय हिंदू सेवादल के कार्यक्रम को संबोधित किया। एवं इस कार्यक्रम में प्रदेश स्तर से श्री ए एस रावत चिकित्सा प्रकोष्ठ समिति के उपाध्यक्ष एवं अमित जैन वरिष्ठ वी एच पी नेता एवं पंकज मिश्रा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं अन्य पदा अधिकारी उपस्थित थे। अखिल भारतीय हिंदू सेवादल के राष्ट्रीय महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी श्री मनोज चतुर्वेदी द्वारा निजी प्रतिष्ठित होटल श्री माया में कार्यक्रम के दौरान अखिल भारतीय हिंदू सेवादल के इंदौर इकाई में युवा कार्यकर्ता श्री मनीष पांडे को जिला इकाई का अध्यक्ष बनाने की घोषणा करने के बाद नए जिला अध्यक्ष श्री मनीष पांडे को फूल माला पहना कर स्वागत किया एवं हार्दिक बधाई दी। इसके उपरांत इंदौर के संगठन कार्यकर्ताओं द्वारा नव नियुक्त जिला अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया। स्वागत करने वालो में मुख्यत कुंदन मीणा,विकाश पटेल,शैलेंद्र,अंकित तिवारी,संदीप त्यागी, अंकित चौरसिया, शिवम् चौहान, मयंक चंद्रावत उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान श्री चतुर्वेदी जी ने संगठन को हिन्दू एवं समाज के हितैषी कार्यों में कार्य करने के लिए कहा गया। कार्यक्रम के अंत में नव नियुक्त जिला अध्यक्ष बने मनीष पांडे द्वारा सभी पधारे महानुभावों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए अपना आभार व्यक्त किया।

बड़ी धूम धाम से मना मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्राजी का जन्मदिन

शहर में जगह-जगह राहगीरों के लिये शुद्ध एवं शीतल पेयजल प्याऊ शुरू

ग्वालियर। गर्मी के मौसम में राहगीरों की प्यास बुझाने के लिये शहर के व्यापारिक व सामाजिक संगठन भी आगे आ रहे हैं। जिला प्रशासन की पहल पर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एवं कैट जैसे व्यापारिक संगठनों द्वारा शहर में जगह-जगह शुद्ध एवं शीतल पेयजल की प्याऊ स्थापित की जा रही हैं। इस कड़ी में रामनवमी के पावन अवसर पर इंदरगंज व दाल बाजार क्षेत्र में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की मौजूदगी में शीतल पेयजल की प्याऊ शुरू हुईं। इन प्याऊ का शुभारंभ राहगीरों के माध्यम से कराया गया। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने भी इस प्याऊ पर पानी पीकर अपनी प्यास बुझाई। ग्वालियर शहर के साथ-साथ प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जिले के ग्रामीण अंचल में भी जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय ग्राम पंचायत के सहयोग से प्याऊ स्थापित कराई जा रही हैं। ग्वालियर शहर में अब तक चेम्बर ऑफ कॉमर्स एवं कैट जैसे संगठनों द्वारा कुल मिलाकर 19 प्याऊ स्थल चयनित किए गए हैं। इनमें से बहुत सी प्याऊ शुरू भी हो चुकी हैं। इसके अलावा नगर निगम द्वारा भी शहर के व्यस्ततम बाजारों में प्याऊ शुरू की गई हैं। इसी प्रकार डबरा सहित जिले के अन्य नगरीय निकायों व ग्रामीण क्षेत्र में भी प्याऊ स्थापित की गई हैं। चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों द्वारा चेम्बर के संयुक्त अध्यक्ष श्री हेमंत गुप्ता के निवास लक्ष्मीगंज मार्ग पर, हनुमान चौराहा स्थित पेट्रोल पंप पर, छत्री बाजार, दाल बाजार हॉस्पिटल रोड, दाल बाजार व्यापार समिति द्वारा दाल बाजार में, दलाल समिति द्वारा दाल बाजार में एवं व्यवसाई श्री सुरेश खत्री द्वारा दाल बाजार में प्याऊ स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। कैट संगठन द्वारा दाल बाजार, नया बाजार, लोहिया बाजार, दौलतगंज, सुभाष मार्केट, नेहरू मार्केट, नजरबाग मार्केट, अग्रवाल मार्केट, गांधी मार्केट, सराफा बाजार, उप नगर ग्वालियर सराफा एवं मुरार में विभिन्न स्थानों पर प्याऊ शुरू की जा रही हैं।

अर्चना बाजपई की रिपोर्ट,ग्वालियर स्टेशन के प्लेटफार्म न 1 पर बने व्ही आई पी लाउंज मै लगी आग

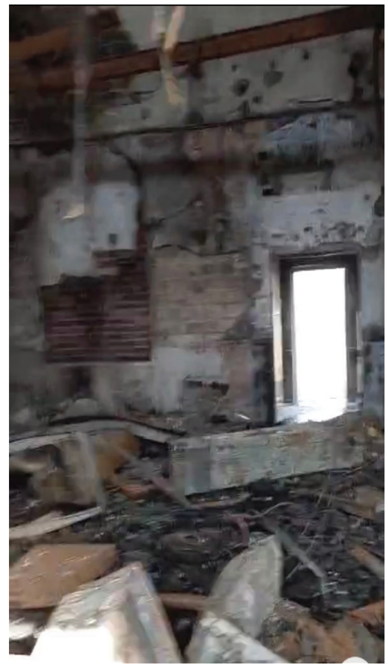

ग्वालियर प्लेट फॉर्म न0 1 पर बने व्ही आई पी रिजर्व लाउंज मै आग लग गई जिससे रुम मै आग से पूरी तरह खाक हो गया। कुछ ही समय मै फायर बिग्रेड ओर अग्नि बुझाने वाले उपकरणों का उपयोग किया गया ओर आग को बुझा दिया गया।झांसी रेलवे मंडल के pro मनोज सिंह ने भीयही जानकारी दी

आर टी आई के तहत जानकारी नहीं दे रहे बीसीएम एवं ग्वालियर डीसीएम

सिविल अस्पताल डबरा में वर्तमान प्रभारी बीसीएम अभी आशा नियुक्ति की जांच लंबित होने के साथ साथ आशा भुगतान में संबंधित खबर भी मासिक पत्रिका हमारा देश हमारा अभिमान के संवादाता द्वारा प्रकाशित की थी । अभी तक जांच पूरी भी नहीं हुई इसके पहले ही आशा भुगतान में भी कुछ गड़बड़ी करने का अंदेशा जताया जा रहा है।इसकी वजह है प्रदीप हेमंत प्रभारी बीसीएम होते हुए भी आशा नियुक्ति में नियम विरुद्ध भर्ती जांच कलेक्टर महोदय के आदेश के बाद भी पिछले तीन माह से लगातार कार्य कर रहे है। एवं अपात्र आशा कार्यकर्ता एवं आशा सहयोगी के भुगतान कार्य एवं उनके टूर प्रोग्रामों की जानकारी जिनके आधार पर भुगतान किया जाता हैं। नहीं दे रहे। जिसमें कहीं न कहीं जिला कम्युनिटी मोबाइलाइजर डी सी एम की भी संलिप्तता दर्शाती हैं। कही कुछ बढ़ा घोटाले के और इशारा करता है। क्योंकि आर टी आई के तहत पूछे जाने वाली सार्वजनिक जानकारी जो कार्यालय के पटल पर हर माह चासपा होनी चाहिए जिसे प्रतिलिपि उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। वहीं हर बार गोल मोल जवाब दे कर गुमराह किया जा रहे है। हमारा

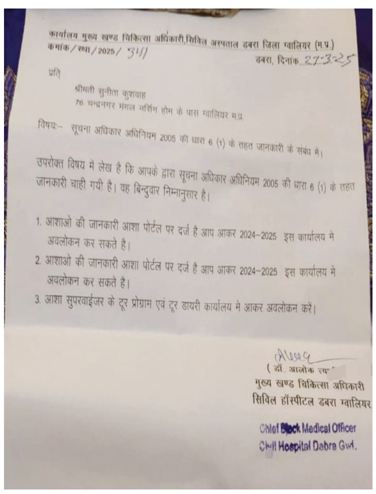
कार्यालय मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी,सिविल अस्पताल डबरा जिला ग्वालियर (म.प्र.)
क्रमांक/स्था/2025/ 341
डबरा, दिनांक 27-3-25

प्रति
श्रीमती सुनीता कुशवाह
76 चन्द्रनगर मंगल नर्सिंग होम के पास ग्वालियर म.प्र.

विषयः- सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 6 (1) के तहत जानकारी के संबंध में।

उपरोक्त विषय में लेख है कि आपके द्वारा सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 6 (1) के तहत जानकारी चाही गयी है। वह बिन्दुवार निम्नानुसार है।

1. आशाओ की जानकारी आशा पोर्टल पर दर्ज है आप आकर 2024-2025 इस कार्यालय मे अवलोकन कर सकते है।
2. आशाओ की जानकारी आशा पोर्टल पर दर्ज है आप आकर 2024-2025 इस कार्यालय मे अवलोकन कर सकते है।
3. आशा सुपरवाईजर के टूर प्रोग्राम एवं टूर डायरी कार्यालय मे आकर अवलोकन करें।

(डॉ. आलोक ...)
मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सिविल हॉसपीटल डबरा ग्वालियर
Chief Block Medical Officer
Civil Hospital Dabra Gwl.

देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका के मध्यम से अनियमितताओं के खिलाफ कार्यवाही होने तक सच्चाई की आवाज अधिकारियों तक भले ही ना पहुंचे । लेकिन हम यशस्वी प्रदेश के मुखिया माननीय मुख्यमंत्री महोदय के कानों तक आवाज अवश्य पहुंचा के रहने की कोशिश जारी रहेगी। न्याय तो होके रहेगा। क्रमश .....

समय से पहले महाविद्यालय छोड़ने वाले प्राध्यापक व सहायक प्राध्यापकों का कटेगा वेतन

ग्वालियर शासकीय महाविद्यालयों में पदस्थ जो प्राध्यापक व सहायक प्राध्यापक एवं अन्य स्टाफ समय से पहले चले विद्यालय छोड़ देते हैं, उनका वेतन कटेगा। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा लागू सार्थक एप पर दर्ज होने वाली उपस्थिति के आधार पर यह कार्रवाई की जायेगी। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त निर्देशों के पालन में इस सिलसिले में जिले के महाविद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक लेकर उन्हें साफ तौर पर आगाह किया। सोमवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने सभी प्राचार्यों से कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि महाविद्यालय का स्टाफ कॉलेज में सार्थक एप पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के बाद पूरे समय तक उपस्थित रहे। इसके विपरीत स्थिति निर्मित हुई तो प्राचार्य भी जवाबदेह होंगे। इसलिए प्राचार्य इस बात का खास ध्यान रखें कि जो आचार्य महाविद्यालय में केवल खानापूर्ति के लिये आते हैं उनका वेतन काटें। साथ ही अनुशासनात्मक कार्रवाई भी करें।

बाल कल्याण समिति व आईसीपीएस टीम के प्रयासों से बालक को जैविक माता-पिता मिले

दतिया बालक अनुराग (परिवर्त्तित नाम) को 15 दिन बाद बाल कल्याण समिति व आईसीपीएस के अनेक प्रयासों से जैविक माता के सुपुर्द किया गया। माँ व छोटे भाई से मिलकर हुआ अनुराग अति प्रसन्न। दतिया बाल कल्याण समिति की टीम द्वारा बालक के परिजनों बारे में जानकारी जुटाने हेतु सतत प्रयास करते हुए जनपद इटावा के विभागीय अधिकारियों, सीडब्ल्यूसी, जीआरपी, चाइल्ड लाइन के साथ ही जनपद कानपुर देहात कलेक्टर, डीपीओ व प्रधान ग्रामपंचायत से सम्पर्क कर आवश्यक जानकारी जुटाने के उपरांत व पहचान की पुष्टि होने पर शिशुगृह को बालक के निर्मुक्त सह स्थापन आदेश देकर जैविक माँ के सुपुर्द किया।इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी अरविंद उपाध्याय, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष श्रीमती कल्पना राजे बैस, सदस्य श्री रामजीशरण राय, श्री संतोष तिवारी, श्रीमती कृष्णा कुशवाहा, श्री वैभव खरे, रोशनी शिशुगृह प्रबंधक श्री संदेश शर्मा व आईसीपीएस से श्री बृजेन्द्र कौरव, श्री धीरसिंह कुशवाहा, श्री कुश मिश्रा, श्री मनीष शर्मा, श्री आकाश श्रीवास्तव, शिवम गुप्ता, एसजेपीयू से जंडेल सिंह तोमर, अनीता शर्मा, हेमलता रावत आदि उपस्थित रहे। उक्त जानकारी श्री रामजीशरण राय सदस्य बाल कल्याण समिति दतिया ने दी।

जलगंगा अभियान के तहत ग्राम नीवरी में चौपाल लगाकर लोगों को किया जागरूक एवं अन्य ग्रामों में प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

दतिया जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम नीवरी में उद्यानिकी विभाग दतिया द्वारा जल चौपाल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही ग्रामीणजनों को जल बचाने की शपथ दिलाई गई। जलगंगा अभियान के तहत ग्राम कुसौली के शासकीय हाईस्कूल में जल संरक्षण पर बच्चों द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इसीप्रकार शासकीय हाईस्कूल पंडोखर में जलगंगा अभियान संवर्धन की थीम पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राऐं एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जिले के दो ग्रामों में हुई आगजनी घटना का मौके पर पहुंचकर किया औचक निरीक्षण

किसानों की फसल के नुकसान को बताया दुखद घटना

दतिया कलेक्टर श्री संदीप कुमार माकिन ने राजस्व अमले के साथ जिले के दो ग्रामों में हुई आगजनी की घटना का मौके पर पहुंचकर किया औचक निरीक्षण कर किसान भाइयों को हुए उनके नुकसान पर जताया अफसोस। उन्होंने जिले के दो ग्रामों में ग्राम डंगराकुआ के आठ किसानों एवं ग्राम हिनोतिया के आठ किसानों की हुई फसल हानि घटना को दुखद बताया एवं सभी किसान भाईयों से कहा कि जिले का पूरा प्रशासनिक अमला एवं मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आप लोगों के साथ है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि घटित फसल हानि घटना की पूरी बारीकी से जांच की जाएगी यथा संभव जिन किसान भाइयों का नुकसान हुआ है उन किसान भाईयों को पूर्ण रूप से मदद की जाएगी।

डॉ.श्रीमन नारायण मिश्रा जी वरिष्ठ संरक्षक हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका और संपादक मनोज चतुर्वेदी।

कविता

अतेंद्र रावत

कभी ना कहो की दिन अपने
ख़राब हैं
समझ लो की हमकांटो से घिरे
हुए गुलाब हैं“
रखो हौंसला वो मंज़र भी
आयेगाःप्यासे के पास चलकर
समंदर भी आयेगा..
थक कर ना बैठो, ऐ मंजिल
के मुसाफिर, मंजिल भी
मिलेगा और जीने का मजा भी
आयेगा...।।

यह कविता हमारे संपादक जी ईमानदारी ,मेहनत और व्यवहार कुशलता की शैली को समर्पित।

नरवाई मै आग लगाना किसानों का यह कार्य कृषि भूमि पर्यावरण ही नहीं अन्य लोगों के लिए भी घातक हैं

नरवाई मै आग लगाना किसानों का यह कार्य कृषि भूमि , पर्यावरण ही नहीं अन्य लोगों के लिए भी घातक है।ऐसी ही घटना भीतरवार तहसील के एक गांव मै आई सामने। नरवाई मै लगी आग भीतरवार के ग्राम खेड़ा टांका तक पहुंची। **भीतरवार तहसीलदार ,**

भीतरवार के ग्राम खेड़ा टांका में लगी आग पर काबू कर लिया है। नरवाई मै आग लगा दी थी जो फैलती हुई आग खेड़ा टांका गांव तक फैल गए । सूचना मिलते ही भीतरवार तहसीलदार गांव पहुंचे और फायर बिग्रेड गाड़ियों ओर गांव बालों के सहयोग से आग पर काबू कर लिया अन्यथा बहुत बड़ी छती पहुंच जाती ।चर्चा मै भीतरवार तहसील दार विजय महाजन ने बताया कि ग्रामीणों को समझाया कि फसल काटने के बाद खेत मै आग लगाना पर्यावरण और खेत की भूमि को नुकसान दायक है साथ मै यह प्रतिबंधित भी है ।

गो माता ही नहीं, गो माता संजीवनी है ओर धर्म मै प्रथम स्थान कामधेनु है गो माता

यह बात कही गोंदिया गोशाला कमेटी के उपाध्यक्ष श्री नागेंद नाथ चौबे । गायपुरी मै अतुल जी महाराज की रामकथा का आयोजन हुआ। यह गोंदिया महाराष्ट्र मै आता। इस धर्म कार्य मै पूर्व केंद्रीय मंत्री और वर्तमान मै राज्य सभा सदस्य श्री प्रफुल्ल भाई पटेल जी की पत्नी श्रीमती वर्षा पटेल ने पहुंचकर भागवत कथा का पुण्य प्राप्त किया। तथा गो सेवा को पुण्य का कार्य बताया। साथ मै श्री नागेंद्र नाथ उपाध्यक्ष श्रीकृष्णा गो रक्षा सभा गोंदिया, इसमें दामोदर अग्रवाल एन सी पी, वरिष्ठ नेता श्री राजेंद जी भी उपस्थित हुए साथ ही अन्य भक्तगण उपस्थित थे। ज्ञात हो श्री नागेंद्र नाथ चौबे हमारा देश हमारा अभिमान के वरिष्ठ संरक्षक भी है।

मध्य प्रदेश पुलिस कर्मियों के यूपीएससी में चयनित बच्चों को डीजीपी सर ने किया सम्मानित

सिविल सर्विसेस परीक्षा 2024 (यूपीएससी) के हाल ही में घोषित परिणाम में मध्यप्रदेश पुलिस परिवार के बच्चों ने सफलता अर्जित की है। छतरपुर जिले में पदस्थ प्रधान आरक्षक श्री उमाशंकर मिश्रा के पुत्र आशुतोष मिश्रा (AIR 198) ग्वालियर में पदस्थ सउनि श्री नरेश रघुवंशी के पुत्र आशीष रघुवंशी (AIR 202), जबलपुर में पदस्थ आरक्षक श्री सतीश तिवारी की पुत्री शिवानी तिवारी (AIR 294), नर्मदापुरम में पदस्थ प्र. आर. श्री जगदीश सिंह राजपूत के पुत्र तनिश सिंह राजपूत (AIR 611) और टीकमगढ़ में एएसआई के पद पर पदस्थ श्री राजेश कौशल के पुत्र सिद्धार्थ कौशल (AIR 749) का यूपीएससी में चयन हुआ है। इन सभी प्रतिभाशाली होनहारों को श्री डीजीपी ने सम्मानित किया निश्चित ही ये युवा दूसरों के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत का काम करेंगें । सफल उम्मीदवारों एवं उनके परिवारजनों को असीम शुभकामनाएँ

ओ मेरे दिल के चेन गीत की तर्ज पर . ओ जाने वालो गीत के माध्यम से यातायात नियमों का पालन करने का दिया संदेश अपने अंदाज मैं।

डीसीपी क्राइम एवं डीसीपी ट्रैफिक इंदौर श्री राजेश त्रिपाठी ने

अपनी ईमानदारी ,मिलनसार व्यवहार के साथ कार्य करने के लिए अपनी पहचान रखने वाले इंदौर पदस्थ डी सी पी क्राइम एवं डी सी पी अतिरिक्त प्रभार ट्रैफिक पुलिस इंदौर श्री राजेश त्रिपाठी वैसे तो संगीत मै भी अपनी पकड़ के लिए जाने जाते है पर संगीत का उपयोग याता यात नियमों का पालन करने के लिए वाहन चालकों को किया जागरूक। इस संदेश को त्रिपाठी जी ने ओ जाने वालो की गीत के स्वर से जागरूक किया। इनका यह अंदाज सभी के मन को प्रभावित कर रहा है । इंदौर के नागरिक भी गीत के अंदाज को पसंद कर रहे है। हमारा देश हमारा अभिमान के संपादक मनोज चतुर्वेदी से चर्चा मै बताया कि कोई भी संदेश मै यदि संगीत का भी साथ दे दिया जाए तो बो संदेश बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है । यही प्रयास हमने किया है। सुरक्षा केलिए जो याता यात। नियम बनाए है उसका पालन स्वयं के लिए और अपने परिवार के लिए और हर व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण स्थान रखता है।याता यात नियमों का उपयोग कीजिए हेलमेट लगाए आप सुरक्षित रहिए खुश रहिए। जय हिंद। ओ मेरे प्यारे भाइयो ट्रैफिक नियमों को अपनाइए अपनी जान को हल्के में ना लीजिए । इस संदेश के साथ यह उनका गीत...चौराहे पर रुकना है,नियमों से नहीं खेलना चाहे कितनी भी जल्दी हो रेडलाइट को नहीं टालना अब देर भले हो पर सेफ पहुँच घर ये संदेशा अब घर घर में पहुँचाइए ओ मेरे प्यारे भाइयो...

महज 5 रुपए के लिए एमपी में हत्या, भाई ने अपनी ही बहन को पत्थर से कुचकर मार डाला, जानें पूरा मामला

अलीराजपुर से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर आप चौंक जाएंगे। एक भाई ने अपनी ही बहन को पत्थर से कुच कुच कर मार डाला है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच 5 रुपए को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस ने भाई को गिरफ्तार कर लिया है। **अलीराजपुरः** मध्य प्रदेश के अलीराजपुर से एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बड़े भाई ने अपनी ही छोटी बहन की छोटी सी बात पर पत्थर से कूचकर हत्या कर दी। पुलिस ने हत्यारे भाई को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। दरअसल, पूरा मामला अलीराजपुर जिले के आजाद नगर के सेजवाड़ा गांव के दतिया फलिया बाबडूंगर टेकर का है। यहां 17 जनवरी को 55 वर्षीय महिला नरसुबाई मावी और उसके भाई रेवा पिता मानसिंग भूरिया के बीच घास की कीमत को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि भाई ने अपनी बहन को पत्थर के कुचकर मार डाला।

प्रदेश में तापमान बढ़ने की आशंका सीएमएचओ ने हीट स्ट्रोक पर एडवाइजरी जारी की

तापमान में बढ़ोत्तरी को देखते हुए सीएमएचओ भोपाल द्वारा हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। शासकीय और निजी अस्पतालों को लू के प्रकरणों के उपचार के लिए अलर्ट पर रहने के निर्देश जारी किए गए हैं। स्वास्थ्य संस्थाओं में हीट स्ट्रोक मरीजों के उपचार के लिए बेड आरक्षित करने, वार्डों को ठंडा रखने के लिए कूलर अथवा अन्य संभव उपाय, ओपीडी मरीजों में लू के लक्षणों की जांच, पेशेंट डिस्चार्ज सुबह 9.00 के पूर्व या शाम 4.00 के बाद किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। हीट रिलेटेड इलनेस सर्विलेंस के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थाओं को आईएचआईपी पोर्टल पर रिपोर्टिंग करने के लिए निर्देशित किया गया है। जानलेवा हो सकता है हीट स्ट्रोक हीट स्ट्रोक होने पर शरीर का तापमान 104 डिग्री फारेनहाइट तक पहुंच जाता है। यह स्थिति धीरे-धीरे या एकाएक भी आ सकती है। जटिल अवस्था होने पर किडनी काम करना बंद कर सकती है। लू लगने पर अगर तुरंत उपचार न किया जाए तो व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। लक्षणों की जल्द पहचान करके बीमारी की गंभीरता को किया जा सकता है कम तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का न आना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, सिर में भारीपन और दर्द का अनुभव होना, अधिक प्यास लगना और पेशाब कम आना, भूख कम लगना, बेहोश होना, लू लगने के लक्षण है। इन लक्षणों की पहचान जल्द से जल्द किया जाना जरूरी है, जिससे शीघ्र उपचार शुरू किया जा सके। लू से बचने के लिए क्या करें तेज धूप और गर्मी में ज्यादा देर तक रहने के कारण शरीर में पानी और नमक की कमी हो जाती है। इससे बचाव के लिए जरूरी है कि बहुत अधिक समय तक धूप के सीधे संपर्क में न रहे। तेज गर्मी होने पर अधिक मात्रा में पानी पीना, सर और कानों को कपड़े से अच्छी तरह से ढकना, हल्के सूती वस्त्र पहनना तथा धूप में चश्मा, छाता, टोपी एवं जूता पहनना जरूरी है। पसीना अधिक आने की स्थिति में ओआरएस घोल, लस्सी, मठ्ठा एवं फलों का रस पीना चाहिए । चक्कर या मितली आने पर छायादार स्थान पर रुक कर आराम करना, शीतल पानी अथवा उपलब्धता अनुसार फलों का रस लस्सी आदि का सेवन किया जाना चाहिए। हीट स्ट्रोक से बचने के लिए क्या न करें खाली पेट बाहर न निकले , ज्यादा समय तक धूप में खड़े होकर व्यायाम मेहनत एवं अन्य कार्य से बचना, बच्चों और पालतू जानवरों को गाड़ी में अकेला न छोड़ना, चाय, कॉफी, अत्यधिक मीठे पदार्थ व गैस वाले पेय पदार्थों का सेवन न किया जाए। लू लगने पर करें शरीर का तापमान कम करने के उपाय लू लगने पर प्रारंभिक तौर पर रोगी को तुरंत छायादार जगह पर कपड़े ढीला कर लेटा दें एवं हवा करें। रोगी के बेहोश होने की स्थिति में कोई भी भोज्य अथवा पेय पदार्थ न दे।

ग्वालियर संभाग डी आई जी श्री अमित सांघी जी के साथ संपादक मनोज चतुर्वेदी के साथ विशेष चर्चा

राकेश सगर 2 द्वितीय बाहिनी एस ए एफ कमांडेंट ग्वालियर श्री राकेश सगर के साथ संपादक मनोज चतुर्वेदी के साथ विशेष चर्चा

बुजुर्ग और ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए वरदान बना डीटूडी एप

बना रिकॉर्ड - 11.48 लाख उपभोक्ताओं ने अपने घर से जमा किया बिजली बिल

न तो बिजली कार्यालय जाने की नौबत न हीं ज्यादा बिल राशि वसूली जाने का डर, घर बैठे बिल जमा होने की सुविधा.... यह कार्य किया हैं मप्र पश्चिम विद्युत वितरण क्षेत्र कंपनी ने। कंपनी के डोर टू डोर यानि डीटूडी एप के माध्यम से प्रति माह लाखों बिजली उपभोक्ताओं को घर बैठे बिजली बिल जमा करने की सुविधा मिली हैं। मार्च में रिकॉर्ड 11.48 लाख उपभोक्ताओं ने बिल राशि अपने घर, दुकान से ही जमा कराई हैं। ऐसे में समय पर बिल भरने पर न तो उनका कनेक्शन कटने की नौबत आई न ही सरचार्ज लगा, न ही उनसे बिजली बिल जमा करने की कोई अतिरिक्त राशि ली। इस सुविधा से विशेषकर मोबाइल नहीं चलाने वाले उम्रदराज और दूरस्थ गांवों, तंग बस्तियों में रहने वाले उपभोक्ताओं को खास सुविधा मिल रही हैं। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य अभियंता वाणिज्य श्री रवि मिश्रा ने बताया कि प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में उपभोक्ता सुविधाओं पर विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा हैं। ताकि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, मप्र विद्युत नियामक आयोग की मंशा के अनुसार सुविधा देकर उपभोक्ताओं को लाभान्वित किया जा सके। डीटूडी एप सुविधा भी उनमें से एक हैं। इसमें डीटूडी एप के एजेंट या बिजली कर्मचारी मोबाइल एप के माध्यम से घर घर जाकर बिजली बिल राशि एकत्र करते हैं। उपभोक्ताओं से कोई अतिरिक्त राशि नहीं ली जाती हैं, मात्र बिजली बिल पर दर्ज कुल राशि ही प्राप्त कर हाथों हाथ ई रसीद दी जा रही हैं। इस सुविधा से जहां बिजली कंपनी को लाखों उपभोक्ताओं से बिल रकम समय पर प्राप्त हो रही हैं, वहीं घर बैठे बिल भुगतान की सुविधा मिलने से उपभोक्ताओं को सरचार्ज लगने या कनेक्शन कटने की चिंता से भी निजात मिल रही हैं।

मिशन परिवार विकास पखवाड़े का शुभारंभ

संपूर्ण प्रदेश के साथ-साथ आज जिले में भी मिशन परिवार विकास पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी इंदौर से जागरुकता रथ को क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. शाजी जोसेफ एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. एस. सैत्या ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. शाजी जोसेफ की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ. शाजी जोसेफ ने कहा कि परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत परामर्श का महत्वपूर्ण स्थान है। परिवार नियोजन के स्थाई एवं अस्थाई सायनों के संबंध में हितग्राही को परामर्श दिया जाना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इसी आधार पर वह सेवाएं लेने के लिए तैयार रहता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. सैत्या ने पखवाड़े का शुभारंभ करते हुए कहा कि मुख्य रूप से शादी की उम्र में देरी, दो बच्चों के बीच में कम से कम तीन साल का अंतर, अंतरा, PPIUCD तथा परिवार नियोजन में पुरुषों सहभागिता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. शरद गुप्ता ने कहा कि जिले में पखवाड़े -के अंतर्गत मुख्य रूप से स्थायी साधन के रूप में परिवार कल्याण कार्यक्रम शिविरों का आयोजन किया जाएगा। प्रसव के बाद गर्भ निरोधक सेवाएं जैसे PPIUCD, अंतरा, छाया पर ध्यान केन्द्रित किया

ग्वालियर जिले के विवेचकों के लिये त्रिदिवसीय प्रशिक्षण

नवीन आपराधिक अधिनियम 2023 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के लिये प्रशिक्षण का आयोजन

उक्त प्रशिक्षण में प्र.आर. से निरीक्षक स्तर के लगभग 200 विवेचक हुए शामिल

ग्वालियर। दिनांक 28.04.2025 - गृह मंत्रालय भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेशानुसार ग्वालियर जिले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के कुशल मार्गदर्शन में नवीन आपराधिक अधिनियम 2023 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ग्वालियर जिले में पदस्थ प्र.आरक्षक से निरीक्षक स्तर तक के विवेचको के लिये दिनांक 28.04.2025 से त्रिदिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन प्रारम्भ किया गया। उक्त त्रिदिवसीय प्रशिक्षण का आज दिनांक 28.04.2025 से बालभवन ऑडिटोरियम ग्वालियर में प्रारंभ किया गया। प्रशिक्षण सत्र का विधिवत उद्घाटन पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन श्री अरविंद सक्सेना(भापुसे) एवं उप पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर रेंज श्री अमित सांघी(भापुसे) द्वारा माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी अति. पुलिस अधीक्षक शहर(पश्चिम) श्री गजेन्द्र सिंह वर्धमान के द्वारा पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन एवं अति. पुलिस अधीक्षक(ग्रामीण) श्री निरंजन शर्मा द्वारा उप पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर रेंज का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। मंच संचालन सीएसपी विश्वविद्यालय सुश्री हिना खान द्वारा किया गया और प्रशिक्षण की रूपरेखा से उपस्थित प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। उक्त त्रिदिवसीय प्रशिक्षण 30 अप्रैल 2025 तक चलेगा जिसमें विशेषज्ञों द्वारा नवीन कानून में होने वाले परिवर्तनों एवं नवीन आपराधिक अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण में पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन श्री अरविंद सक्सेना(भापुसे) ने अपने संबोधन में कहा कि नये कानून के संबंध में पूर्व से प्रशिक्षण होते आ रहे है, परन्तु यह प्रशिक्षण पहले से हुये प्रशिक्षणों से ज्यादा महत्वपूर्ण है, क्योकि इसकी मॉनिटरिंग म0प्र0शासन द्वारा की जा रही है, और इसकी शुरूआत औपचारिक रूप से ग्वालियर जिले से की जा रही है, इसलिये यह प्रशिक्षण अनुसंधान के लिये लाभप्रद है। उन्होने कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव लाने वाले इन अधिनियमों को लागू हुए लगभग 10 माह पूर्ण हो चुके हैं इसलिए अनुसंधान एवं पर्यवेक्षण अधिकारियों को नवीन कानून को गहराई से समझकर अमल में लाना है। यह प्रशिक्षण पुलिस के अनुसंधान एवं पर्यवेक्षण अधिकारियों के लिए काफ़ी लाभप्रद है। उन्होने कहा कि किस प्रकार गंभीर अपराध के मामलों में घटना स्थल का निरीक्षण किया जाना चाहिये तथा घटना स्थल से किस प्रकार के साक्ष्य एकत्रित करके एफएसएल जांच के लिये भेजे जाने चाहिये, इस पूरी प्रक्रिया को आप इस प्रशिक्षण के माध्यम से सीखेंगे। यह प्रशिक्षण आपको एक बेहतर विवेचक के रूप में तैयार करेगा और इसके क्रियान्वयन से आप अपनी विवेचना को और भी बेहतर कर पायेंगे। प्रशिक्षण सत्र में उप पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर रेंज श्री अमित सांघी(भापुसे) ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि 01 जुलाई 2024 से हमारे तीन नये कानून आये है, जिनके प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। इसकी महत्वता को समझे और इसका लाभ लें। उन्होने कहा कि नये कानून बीएनएस में कुछ धाराओं का विलोपन किया गया है और साथ ही कुछ नई धाराओं को जोड़ा भी गया है। हमें इस प्रशिक्षण के दौरान इन नई धाराओं का उपयोग कब और कहॉ किस प्रकार करना है उसके संबंध में जानना है। डीआईजी ग्वालियर ने उपस्थित विवचकों से कहा कि सीखने की कोई उम्र नही होती है इसलिये विवेचना के दौरान आने वाली कठिनाइयों को भार नही समझना है बल्कि उसे चुनौतीपूर्वक लेकर उसका सामना करें, ताकि आप अपना कार्य अच्छे से कर पायेंगे। उन्होने अपने संबोधन के अंत में उपस्थित पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों से कहा कि मुझे आशा है कि आप इस प्रशिक्षण का लाभ लेकर अपनी विवेचना में और गुणवत्ता लेकर आयेंगे। आज से आयोजित त्रिदिवसीय प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में सीसीटीएनएस से प्रशिक्षण देने आये प्र. आर0 संजय बनवारिया एवं प्र.आर0 सोमेन्द्र सिंह द्वारा ई-एफआईआर एवं जीरो एफआईआर सीसीटीएनएस पर किस प्रकार की जानी चाहिये, उसके संबंध में बताया गया तथा प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र में प्रभारी एफएसएल ग्वालियर श्री डॉ अखिलेश भार्गव एवं डॉ विनोद डींगरा द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण एवं घटना स्थल से साक्ष्य संकलन एवं प्रारंभिक जांच में एफएसएफ की भूमिका के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। आज के प्रशिक्षण में प्रधान आरक्षक से निरीक्षक स्तर के लगभग 200 प्रतिभागी उपस्थित हुए। यह प्रशिक्षण 28.04.2025 से 30.04.2025 तक आयोजित किया जावेगा, जिससे अधिक से अधिक पुलिस अधिकारी व कर्मचारी नवीन आपराधिक अधिनियम 2023 से अवगत हो सकें।

सिंगोली की कुमारी सौम्या पिता संजय तिवारी को राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में एक नही दो -दो स्वर्ण पदक प्रदान कर किया सम्मानित

अविनाश जाजपुरा | नीमच

सिंगोली। मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्रीमान मंगू भाई पटेल एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा 30 मार्च को उज्जैन स्थित विक्रम यूनिवर्सिटी विश्व विद्यालय परिसर में आयोजित दीक्षांत समारोह के दौरान प्रदेश के अंतिम छोर पर स्थित सिंगोली नगर के एक सभ्य तिवारी परिवार की होनहार सुपुत्री कुमारी सौम्या D/0 संजय तिवारी ने मास्टर आफ साइंस केमेस्ट्री की पढ़ाई के दौरान संभाग में सबसे सर्वाधिक अंक हासिल करने के उपरांत उन्हें महामहिम राज्यपाल व मुख्यमंत्री द्वारा अलग -अलग दो स्वर्ण पदक उपाधि प्रदान कर सम्मानित करने के साथ ही कुमारी सौम्या तिवारी के उज्वल भविष्य की कामना की। आपको बता दे की 30 मार्च 2025 को उज्जैन युविवर्सिटी विश्व महाविद्यालय प्रांगण में शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बेहतरीन व सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया जा रहा था। दीक्षांत समारोह के अवसर पर स्वर्ण पदक हासिल करने वालों में सिंगोली नगर की होनहार बालिका सौम्या तिवारी द्वारा संभाग में अपनी पढ़ाई के दौरान बेहतरीन व सर्वाधिक अंक प्राप्त होने पर महामहिम राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त की। दीक्षांत समारोह के दौरान महामहिम राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि यह एक बहुत बड़ा परिवर्तन है, जो समाज में नारी सशक्तीकरण का एक बहुत अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करता है। महिलाएं राष्ट्र निर्माण में अपनी सशक्त भूमिका निभाकर प्रगति और विकास की राह में अपनी भागीदारी बढ़ा रही हैं। दीक्षांत समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि आज बहुत खुशी का पल है जंहा प्रदेश के अंतिम छोर पर स्थित नीमच जिले के सिंगोली की एक होनहार बालिका कुमारी सौम्या तिवारी ने युविवर्सिटी विश्व महा विद्यालय

में मास्टर आफ साइंस केमेस्ट्री की पढ़ाई के दौरान उज्जैन संभाग का नाम रोशन कर दिया । यह पल एक यादगार साबित होगा। इस दौरान उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार ने भी कुमारी सौम्या तिवारी के उज्वल भविष्य की कामना के साथ ही तिवारी परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की उन्होंने कहा कि महाकाल की नगरी उज्जैन विक्रम यूनिवर्सिटी विश्व महाविद्यालय में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, उन्हें उचित अवसर व दिशा दिखाए जाने की जरूरत मात्र है, इसलिए सरकार संकल्पित है। मास्टर आफ साइंस केमेस्ट्री की पढ़ाई में बेहतरीन व सर्वाधिक अंक प्राप्त करने का रिकार्ड कायम कर कुमारी सौम्या तिवारी ने अपने माता पिता परिवार व सिंगोली नगर सहित संभाग का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार ने सौम्या के पिता संजय कुमार तिवारी का भी स्वागत सत्कार कर उन्हें अच्छे संस्कारवान पिता होने की बधाई प्रेषित कर धन्यवाद दिया।

अफीम तौल शुरू- प्रथम खंड में पहले दिन पहुंचे 30 गांवों के किसान

अविनाश जाजपुरा | नीमच

नीमच। अफीम तौल के दो चरण जिलेभर में चलेंगे। एक चरण में अफीम ली जाएगी और दूसरे चरण में सीपीएस पद्धति वाला डोडा। 29 मार्च से नीमच के प्रथम खंड में काला सोना यानी अफीम लेकर किसानों का पहुंचना शुरू हो गया हैं। पहले दिन 30 गांवों के किसान अफीम लेकर पहुंचे। किसानों के लिए सीबीएन द्वारा सुख-सुविधापूर्ण व्यवस्था की गई। होटल आम्रपाली में अफीम तौल करने के लिए भव्य टैंट लगाया गया है वहीं बड़े-बड़े कूलर पूरे टैंट परिसर में लगाए गए, जिससे गर्मी परेशान न हो। पानी के लिए वॉटर कैन और आराम स्थल भी बनाए गए हैं। नीमच प्रथम खंड के किसानों ने सीबीएन की व्यवस्था पर संतोष जताया वहीं सुख-सुविधा भी तारीफ की।

किसानों के लिए पर्याप्त व्यवस्था

प्रथम खंड के जिला अफीम अधिकारी विपिन कुमार ने कहा अफीम तौल दो चरणों मे चलेगा। पहले चीराई वाली पद्धति से किसान अफीम ला रहे हैं दूसरा सीपीएस सिस्टम वाला डोडा का तौल होगा। किसानों के लिए तौल केंद्र पर पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

प्रथम खंड में 6 हजार से ज्यादा

अफीम किसान

सीबीएन इस्पेक्टर परीक्षित चौधरी ने बताया कि पहले चरण में 210 गावों के 3671 किसानों से अफीम ली जाएगी और दूसरे चरण में सीपीएस सिस्टम के 224 गांवों के 2992 किसानों से डोडा लिया जाएगा। नीमच प्रथम खंड के कुल 434 गांवों के 6663 अफीम किसान है, जिनसे अफीम और डोडा का तौल किया जाएगा।

इन तारीखों पर होगा तौल

अफीम तौल- 29 मार्च से 4 अप्रैल तक चलेगा। 210 गांव- 3671 किसान।

डोडा तौल- 6 अप्रैल से 16 अप्रैल तक चलेगा। 224 गांव- 2992 किसान।

भादवामाता क्षेत्र में हुई हत्या की घटना का 24 घन्टें में खुलासा

मृतक के भाई एवं भतिजें ने मिलकर दिया था घटना को अंजाम, दोनो आरोपी गिरफ्तार

अविनाश जाजपुरा | नीमच

नीमच। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसौदिया के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी नीमच सिटी निरीक्षक विकास पटेल के नेतृत्व में पुलिस दिनांक 29.03.25 को भादवमाता के समीप हुई हत्या की घटना का पर्दाफाश कर हत्या की घटना को अंजाम देने वाले मृतक के भाई और भतिजे को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है। जानकारी अनुसार दिनांक 29.03.25 को फरियादिया ने बताया कि मैं बर्डिया जागीर रहती हूं तथा खेती मजदूरी व घरू कार्य करती हुं। मेरा तथा मेरे देवर कमलेश का खेत पास पास में होकर भादवामाता की सीमा में है। मेरी सास नानी बाई के नाम से अफिम का पटटा है, जो इस वर्ष हमने शामीलाती में अफिम बोई है जिसकी निगरानी के लिये मैं तथा मेरा पति नागेश व मेरे देवर की तरफ से मेरी सास नानी बाई व देवर का लडका विष्णु खेत पर सोते है। अफिम वाले खेत में मेरी सास नानीबाई व लडका विष्णु झोपडी में सोते है। में तथा मेरा पति कुए के पास बनी झोपडी में सोते है। कल शाम करीब 06 बजे मेरे पति हमेशा की तरह शराब पीकर आयें और मेरे तथा मेरे देवर कमलेश से अफिम की फसल को लेकर गाली गलोच करने लगे तो में गांव में अपने घर बर्डिया जागीर चली गई। सुबह 08 बजे में घर से खेत तरफ आ रही थी की रास्ते में मुझे मेरा देवर कमलेश मिला। मैं खेत पर आई और देखा तो मेरे पति नागेश खेत में पडे होकर उनके चेहरे, सीर में खून निकला होकर कुल्हो पर चोंटो के निशान थें। मेरे पति की चोंटो की वजह से मृत्यू हो गई। मैं अपने पति की मृत्यू पर उनके पास बेठकर रो रही थी कि इतने में मेरा देवर कमलेश आया और पास में पडी लकडी उठाकर मेरे साथ मारपीट कर बोला की कुल्टा तु मेरे भाई को खा गई। मारपीट से मेरे दोनो हाथ, दोनो पैर तथा सीने पर चोंट लगी। इतने में वहां पर गांव के सरपंच साहब रघुवीर शर्मा आ गये जिन्होने मुझे बिच बचाव कर छुडाया। मेरे पति नागेश को किसी अज्ञात व्यक्ति ने रात में मारपीट कर उनकी हत्या कर दी है। रिपोर्ट करती हुं कार्यवाही की जावे। फरियादिया की रिपोर्ट पर से पुलिस थाना नीमच सिटी पर अपराध क्रं. 150/25 धारा 103(1) बी.एन.एस. का अज्ञात आरोपी के विरुद्ध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस टीम द्वारा ''आपरेशन नीमच आई'' के माध्यम से लगाये गये सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से घटना स्थल एवं उसके आसपास के सीसीटीवी कैमरों को देखा जाने के साथ ही मुखबिर तंत्र को मामुर कर तकनिकी विशलेषण भी किया गया। पुलिस टीम द्वारा विवेचना के दौरान परिजनों के कथन भी लिए गए। पुलिस टीम द्वारा प्रकरण में आये तथ्यों के आधार पर फरियादिया के देवर कमलेश से पूछताछ की गई किन्तु कमलेश ने पहले तो विवाद नहीं होना बताया। पुलिस टीम द्वारा अपनी व्यवसायिक दक्षता के आधार पर पुछताछ करते कमलेश टूट गया व बताया कि मैनें व मेरे पुत्र विष्णु ने मेरे भाई की मारपीट कर हत्या कर दी है। भाई कमलेश ने बताया कि मृतक नागेश भील प्रतिदिन शराब पीकर गाली गलौच करता है। इसी वजह से दोनो भाईयों में विवाद हो गया। इसी को लेकर मारपीट कर हत्या कर दी है।

रेलवे के सर्वे में रतनगढ़ को जोड़ने व रेल लाईन की स्वीकृति एवं रतनगढ को तहसील

रेल संघर्ष समिति व सर्वदलिय नेताओ एवं नागरिकों द्वारा दिया गया ज्ञापन

अविनाश जाजपुरा | नीमच

रतनगढ़। कस्बे को तहसील का दर्जा दिलाने एवं प्रस्तावित नीमच कोटा रेल लाईन से रतनगढ को जोड़ने की मांग एक बार फिर से जोर पकड़ चुकी है। इस बाबत कस्बे के सर्वदलिय नेताओं एवं नागरिकों ने गैर राजनीतिक रूप से नगर हित में बनाई गई संघर्ष समिति एवं सर्व समाज के तत्वावधान में ज्ञापन दिया गया। ज्ञात रहे कि नीमच कोटा रेल लाईन के फाईनल लोकेशन मार्ग के सर्वे का कार्य अभी चल रहा है। लेकिन पूर्व के तीनों बार किए गए सर्वे में शामिल रहे रतनगढ़ को इस बार इस बार के सर्वे में हटा दिया गया है। ऐसे में नीमच सिंगोली कोटा रेल लाइन की सुविधा से रतनगढ़ वंचित होते हुए दिखाई दे रहा है। नीमच सिंगोली कोटा नई रेल लाइन के लिए जो फाइनल लोकेशन सर्वे हुआ है उसमें नीमच से जावद,कनेरा और बेंगू होते हुए सिंगोली को जोड़ा जा रहा है। जबकि पहले के सर्वे में सिंगोली से रतनगढ़ और डीकैन के रास्ते नीमच को जोड़ना प्रस्तावित किया गया था। एसे मे रतनगढ़ को रेल सुविधा से जोड़ने एवं रतनगढ़ को तहसील बनाए जाने की मांग को लेकर बड़ी संख्या में नगर के सभी दलों एवं सर्व समाज के नागरिकों के द्वारा पुराना बस स्टैंड सब्जी मंडी परिसर पर एकत्रित होकर नारेबाजी करते हुए नगर में रैली निकाल कर टप्पा तहसील कार्यालय में पहुंच कर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, क्षेत्रीय सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, क्षेत्रीय विधायक ओम प्रकाश सकलेचा के नाम रतनगढ़ टप्पा तहसील कार्यालय में ज्ञापन देकर मांग की गई कि रेल मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित सर्वे में रतनगढ़, डीकैन, मोरवन को जोड़ने एवं नवीन रेलवे लाईन की स्विकृति प्रदान करें। ज्ञापन में बताया गया कि गत वर्ष करवाए गए ड्रोन सर्वे में रतनगढ़, डीकेन, मोरवन, सरवानिया आदि गांवो का भी नाम था। लेकिन वर्तमान में जो मिडिया एवं सर्वे रिपोर्ट आ रही है। उसमें इन गांवो का नाम काट दिया गया है। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि इस मार्ग से अगर रेलवे निकलती है। तो जावद, मोरवन के पास लगने वाले नवीन सीमेंट प्लांट, सहित अन्य उद्योगों की स्थापना, नवीन सीपीएस प्लांट, सौर ऊर्जा प्लांट आदि के माध्यम से रेलवे को भी प्रतिमाह करोड़ो रूपयो की आय प्राप्त होगी एवं क्षेत्र में परिवहन के साधनो का भी विस्तार होगा।इसके साथ ही इस अवसर पर नगर के सर्व दलीय नेताओं एवं जागरूक नागरिकों द्वारा मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम ज्ञापन देकर रतनगढ को तहसील बनाए जाने की भी मांग की गई। इस अवसर पर रेल संघर्ष समिति के ओमप्रकाश मूंदड़ा, राजेश लढा, गोविंद सिंह साण्डा, गोपाल धाकड़, मनोहर सोनी, सुनिल बैरागी, एस.पी. व्यास, जगदिश बैरागी, यूसुफ बोहरा, कमलेश अग्रवाल आदि ने आर.आई. प्रकाश शुक्ला के समक्ष अपनी बात रखते हुए ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर नानालाल चारण, अनिल सोडानी, ओमप्रकाश सोनी, शंकरलाल वर्मा, प्रहलाद उस्ताद, विमल व्यास, रण, लाला जैन, डॉ.राजू माली, शर्मा, मनिष टेलर, मुकेश छीपा, शब्बीर भाई कंठालिया, राजू पठान, श्यामलाल भाटी, निर्मल मीणा, गोपाल कुमावत आदि मोजूद थे।

प्रचलित और नव स्वीकृत जल संरक्षण कार्यों को पूर्ण करें - संभागायुक्त श्री सिंह

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न

भोपाल संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने प्रचलित एवं स्वीकृत जल संरक्षण कार्यों को पूर्ण करने,खेत तालाबों, अमृत सरोवरों के निर्माण एवं ऐतिहासिक धार्मिक तालाबों जलस्रोतों तथा देवालयों की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पेयजल स्त्रोतों को जिओ टैग कर समेकित रूप से जानकारी संग्रह करने एवं सभी शासकीय विभागों के बिल्डिंग्स में रूफ टॉप रैन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्री सिंह ने सभी संभागीय अधिकारियों को जिले में सहभागी विभागों द्वारा अभियान हेतु प्रस्तावित गतिविधियों की कार्ययोजना तैयार कर निरंतर समीक्षा करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने मंगलवार को आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक ली। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री हरेंद्र नारायण, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती अंजू अरुण कुमार, संयुक्त आयुक्त श्री विनोद यादव, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त श्री सिंह ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग को शहरी क्षेत्रों के बिगड़े बाग बगीचों को चिन्हांकित कर हरित विकास करने, जल संरक्षण में युवाओं की भागीदारी हेतु अमृत मित्र बनाने एवं नदियों में मिलने वाले नालों के शोध की कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने भूजल संवर्धन, नल जल योजनाओं के अंतर्गत पाइप लाइन लीकेज, टपकते नल ओर अपव्यय के निराकरण करने एवं पेयजल स्त्रोतों के पुनर्भरण हेतु रिचार्ज शाफ़्ट संरचना के निर्माण कार्य हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के अधिकारी को औद्योगिक इकाइयों में रूफ टॉप वाटर हार्वेस्टिंग के प्रावधान का पालन करवाने एवं औद्योगिक क्षेत्रों में जल निकासी एवं प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को जन अभियान परिषद के साथ समन्वय स्थापित कर जल संचय और संवर्धन के महत्व और संवेदनशीलता का प्रचार-प्रसार कर जनसहभागिता से जल स्त्रोतों की सफाई और संरक्षण के कार्य करने के निर्देश दिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कवला में दीवार

मंदसौर : जन अभियान परिषद ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गरोठ विकासखंड के ग्राम कवला में दीवार लेखन का कार्य किया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान में जन जागरूकता हेतु दीवार लेखन का कार्य किया जा रहा है। भविष्य में जल संकट से निपटने और नागरिकों को जल का महत्व बताने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सहित जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य किये जा रहे हैं। इस अभियान में जनप्रतिनिधि, अधिकारी- कर्मचारी, स्वैच्छिक संगठन हीं नहीं बल्कि आम नागरिक भी इसमें अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए जिले में प्रतिनिधि जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य किये जा रहे हैं।

जिले के संपूर्ण क्षेत्र में नलकूप खनन पर 30 जून तक प्रतिबंध

मंदसौर कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने मध्य प्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 3 संशोधित अधिनियम 2002 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत सम्पूर्ण जिले में अशासकीय व निजी नलकूप खनन करने पर 30 जून 2025 तक प्रतिबंध लगाया गया है।

कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने संजय गांधी उद्यान मंदसौर में पुस्तक मेले का किया शुभारंभ

निजी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को रियायती दर पर मिलेगी पुस्तकें और शैक्षणिक सामग्री

मंदसौर : कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने संजय गांधी उद्यान मंदसौर में पुस्तक मेले का शुभारंभ किया। निजी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष पुस्तक मेले का आयोजन किया गया है। यह मेला 5 अप्रैल से 7 अप्रैल तक चलेगा। मेले का समय दोपहर 12:00 बजे से सांय 08:00 बजे तक रहेगा। पुस्तक मेले का उद्देश अभिभावकों/छात्रों को उचित मूल्य / रियायती दरों पर पुस्तके एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराना है, मेले में पहली कक्षा से कक्षा 12 वीं तक के छात्रों को अन्य प्रकाशकों की पुस्तको पर प्रिंट रेट से 20 प्रतिशत कम एवं एन.सी.आर.टी. पुस्तके नेट रेट पर उपलब्ध होगी, साथ ही ए-5 कॉपीयों पर प्रिंट रेट से 40 प्रतिशत कम मुल्य पर अभिभावकों एवं छात्रों को उपलब्ध होगी।

पुस्तक मेले में निजी विद्यालयों की गणवेश, टाई, मौजो पर 10 प्रतिशत की छूट रहेगी। मंदसौर जिले में जिला प्रशासन द्वारा पहली बार आयोजित किए गए पुस्तक मेले से अभिभावक पर वित्तिय बोझ कम पड़ेगा। पुस्तक मेले में ओक्सफोर्ड, पियरसन, नवनित, नेक्स्ट एजुकेशन, मेक मिलन, ओरियंटल, ब्लेकसान, E-DAC, गुडलक प्रकाशक एवं अन्य प्रकाशको की पुस्तके केवल मेला अवधि में रियायती दरो पर उपलब्ध रहेगी। मंदसौर जिले के समस्त अभिभावक पुस्तक मेले से रियायती दरो पर पुस्तके एवं शैक्षणिक सामग्री खरीद कर लाभ उठावें।

इन पुस्तक विक्रेताओं द्वारा विशेष छूट प्रदान की गई है

(1) सकलेचा स्टेशनरी मार्ट नीमच।
(2) माहेश्वरी स्टेशनरी मार्ट गांधी चौराह मन्दसौर।
(3) अन्नपूर्णा स्टेशनरी मार्ट मंदसौर।
(4) मनीष टेलीकाम मंदसौर।
(5) जयभारत स्टेशनरी मन्दसौर।
(6) मन्दसौर बुक डिपो मन्दसौर।
(7) हरीओम साहित्य सदन 'मन्दसौर।
(8) स्कूल कॉलेज बुक डिपो मन्दसौर।
(9) 'पालीवाल स्टेशनरी मन्दसौर।

जल गंगा संवर्धन अभियान

जल स्त्रोंतो को पुनर्जीवित करने और जल बचाने हेतु श्रमदान के लिये बड़ी संख्या में लोग आ रहे है आगे

इंदौर जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान से बड़ी संख्या में लोग जुड़ने लग गये है। शहर हो या गांव सभी जगह जल स्त्रोंतो को पुनर्जीवित करने और जल बचाने हेतु श्रमदान के लिये बड़ी संख्या में लोग आगे आ रहे है। भविष्य के लिये जल और जीवन बचाने हेतु लोगों में इस अभियान के प्रति बड़ा उत्साह देखा जा रहा है। इंदौर जिले में चलाए जा रहे इस अभियान के अंतर्गत बिसनावदा तथा बड़ी कलमेर में जल संवाद कार्यक्रम आयोजित किये गये। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों ,नवांकुर संस्था,मेंटर,प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों एवं ग्रामीणों द्वारा जल संरक्षण हेतु जल है तो कल है, जल है तो जीवन है के नारो के साथ जल यात्रा निकाली गई। जल संवाद कार्यक्रम किये गये। इसके पश्चात ग्राम के छोटे तालाब में श्रमदान कर पुराने जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने, जल को बचाने,पेड़-पौधों के संरक्षण एवं गांव-गांव में जन जागरूकता हेतु शपथ गई। विद्यार्थियों द्वारा जल संरक्षण से संबंधित नारों का दीवार लेखन कर अभियान का प्रचार-प्रसार भी किया गया । घर-घर जाकर जल के अपव्यय को रोकने हेतु समाज को प्रेरित किया गया। जल की हर एक बूंद को सहेजने एवं उसके संरक्षण हेतु संदेश दिया गया। जल संवाद एवं श्रमदान में मुख्य रूप से जिला पंचायत सदस्य श्री दिलीप पटेल,श्री कैलाश चौधरी, जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती ऋतुजा पहाड़े,विकासखंड समन्वयक प्रवेश शर्मा,ग्राम पंचायत सचिव अनिल गुर्जर,प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष डॉ.दिनेश चौधरी, सचिव सुनील चौधरी,धीरज सिंह झाला,नवांकुर संस्था से दिनेश केलवा, राजेश तंवर, हेमेंद्र शर्मा श्रीमती मीनाक्षी मिश्रा,वीरेंद्र तिवारी, शिव फुलपगारे, चिंतामन परिहार, सचिन पयासी एवं अन्य समिति सदस्य एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

अत्यधिक गर्मी एवं लू से बचने के लिए नागरिक अपनायें सावधानियाँ उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य अमले को तैयारियों के लिए जारी किये निर्देश

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने राज्य में बढ़ती गर्मी और लू की गंभीरता को देखते हुए नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी निर्देशों का पूरी तरह पालन करें। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकाल के समय में सभी नागरिकों, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बीमार व्यक्तियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। सरकार और प्रशासन पूरी तरह सतर्क और तैयार हैं।

समस्त स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यक तैयारियों के लिए निर्देशित कर दिया गया है। उन्होंने अपील की है कि सभी नागरिक सावधानियों का अवश्य पालन करें। प्रबंध संचालक , एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना प्रदेश के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन और अस्पताल अधीक्षकों को गर्मी के दृष्टिगत स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए आवश्यक तैयारियों और जागरूकता के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गर्मी के मौसम में भारत सरकार द्वारा हीट रिलेटेड इलनेस से बचाव के लिए दिशा-निर्देश को जिला व स्वास्थ्य संस्थानों को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के लिए कहा है। साथ ही जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में इन पर चर्चा कर संबंधित विभाग प्रमुखों को भी अवगत कराने के निर्देश दिए गये हैं। उन्होंने जनसामान्य को जागरूक करने और सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में रोगियों को एचआरआई से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, आईएचआईपी पोर्टल पर प्रतिदिन एचआरआई मामलों की रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के लिये कहा गया है। इससे अधिक तापमान से होने वाली बीमारियों व अवांक्षित घटनाओं को रोका जा सकेगा। क्या करें हाइड्रेटेड रहना है जरूरी गर्मी के मौसम में शरीर में पानी की कमी होना आम समस्या है। इससे गंभीर बीमारियां उत्पन्न

हो सकती हैं। नागरिक दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, भले ही प्यास न लगे। यात्रा करते समय पानी अवश्य साथ रखें। ओआरएस, नींबू पानी, लस्सी, छाछ, फलों के रस (थोड़ा नमक मिलाकर) जैसे घरेलू पेय का सेवन लाभकारी होता है।

तरबूज, खरबूजा, संतरा, अंगूर, अनानास, खीरा जैसी मौसमी फल-सब्जियों का सेवन शरीर में तरलता बनाए रखने में सहायक होता है। शरीर को ढँककर रखे धूप में निकलते समय शरीर को पूरी तरह ढँकना बेहद जरूरी है। हल्के रंग के, सूती और ढीले कपड़े पहनें ताकि गर्मी से राहत मिल सके। सिर को टोपी, छतरी, गमछा या पारंपरिक उपायों से ढकना चाहिए। नंगे पांव धूप में जाना भी हानिकारक हो सकता है, इसलिए चप्पल या जूते पहनना अनिवार्य है। घर को ठंडा और सुरक्षित बनाएँ जहाँ तक हो सके, दोपहर के समय घर के अंदर या छांव में रहें। घर में ठंडी हवा का संचार बना रहे, इसके लिए दिन में खिड़कियां और पर्दे बंद रखें और रात में उन्हें खोल दें। बाहर जाना जरूरी हो, तो सुबह या शाम के ठंडे समय में ही जाएं। गर्मी के समय बाहरी गतिविधियों को सीमित करना आवश्यक है। घर में ठंडक बनाए रखने के लिए पर्दे, शटर या सनशेड का उपयोग करें। दिन में निचली मंजिल पर रहना ज्यादा सुरक्षित होता है। शरीर को ठंडा रखने के लिए पंखा, ठंडा पानी, गीले कपड़े, या 20C के पानी में पैरों को डुबोना सहायक होता है। विशेष ध्यान देने योग्य संवेदनशील वर्ग छोटे बच्चे , बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, मानसिक या शारीरिक बीमारियों से ग्रसित व्यक्ति और बाहर कार्य करने वाले लोग अधिक संवेदनशील होते हैं। इन लोगों को अतिरिक्त सुरक्षा और देखरेख की आवश्यकता होती है। ठंडे प्रदेश से गर्म प्रदेश में आने वाले लोगों को अपने शरीर को नई जलवायु के अनुसार ढालने के लिए समय देना चाहिए। मौसम की जानकारी रखें रेडियो, टीवी, समाचार पत्रों या भारत मौसम विज्ञान विभाग की वेबसाइट (https://mausam.imd.gov.in) से मौसम की ताजा जानकारी लेते रहें। मौसम की पूर्व चेतावनियों को गंभीरता से लें और उसी अनुसार अपने कार्यक्रम बनाएं। बचाव के लिए ये गलतियां न करें दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक बाहर न निकलें। इस समय गर्मी अपने चरम पर होती है। भारी कामकाज या शारीरिक मेहनत भी टालें। नंगे पांव बाहर न निकलें। गर्मी में खाना पकाते समय रसोई में वेंटिलेशन रखें। शराब, चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, या अधिक मीठे पेयों से बचें, ये शरीर से तरलता कम करते हैं। बासी और भारी प्रोटीन युक्त भोजन न करें। किसी भी परिस्थिति में बच्चों या पालतू जानवरों को बंद वाहन में न छोड़ें। श्रमिकों और नियोक्ताओं के लिए विशेष निर्देश काम की जगह पर ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना अनिवार्य है और हर 20 मिनट में पानी पीने की सलाह दी जाए। काम को सुबह-शाम के समय शेड्यूल करें। छांव की व्यवस्था करें और कार्य के बीच पर्याप्त आराम दें। नए श्रमिकों के लिए कार्य का समय धीरे-धीरे बढ़ाएं ताकि वे मौसम के अनुसार ढल सकें। श्रमिकों को गर्मी से संबंधित लक्षणों की पहचान और प्राथमिक उपचार की ट्रेनिंग दें। 'बडी सिस्टम' अपनाएं और प्रशिक्षित फर्स्ट एड कर्मियों की व्यवस्था करें। गर्भवती या बीमार श्रमिकों के लिए डॉक्टर से परामर्श आवश्यक है। भीड़-भाड़ वाले आयोजनों में सावधानी खेलों या धार्मिक आयोजनों जैसे भीड़-भाड़ वाले आयोजनों में अत्यधिक गर्मी और पसीने के कारण हीट रिलेटेड इलनेस (एचआरआई) की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे आयोजनों में पर्याप्त पानी, छांव और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था अनिवार्य है। उपस्थित लोगों को लक्षणों की जानकारी होनी चाहिए। गर्मी से होने वाली बीमारियां और लक्षण अत्यधिक गर्मी से शरीर का तापमान ऊपर जा सकता है, जिससे हीट स्ट्रेस, हीट रैश, हाथ-पांव सूजना, मांसपेशियों की ऐंठन, चक्कर आना, हीट एक्सहॉशन और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

निष्काम सेवा ही दुनिया की सबसे बड़ी सेवा है

आनंदपुर धाम इसे निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रहा : प्रधानमंत्री श्री मोदी

गरीबों की सेवा ही परमार्थ है, यही सच्ची मानव सेवा है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश के आनंदपुर क्षेत्र के समग्र विकास के प्रयास होंगे मध्यप्रदेश अजब और गजब है, विरासत के संरक्षण के साथ विकास के लिए मध्यप्रदेश में सिंहस्थ 2028 की हो रही तैयारियां

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सेवा ऐसी गंगा है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति डुबकी लगाए तो उसका जीवन सार्थक हो सकता है। आज आनंदपुर धाम आकर मन अभिभूत है, जिस भूमि का कण-कण संतों की तपस्या से सींचा गया है, जहां सेवा के संकल्प मानवता का पथ प्रशस्त करते हों, वो धरती साधारण नहीं है। उन्होंने कहा कि यहां मंदिर में दर्शन किए और सेवा कार्यों की जानकारी ली तो हृदय आनंदित हो गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पर्यावरण संरक्षण क्षेत्र में श्री आनंदपुर ट्रस्ट के प्रयास सराहनीय और अनुकरणीय है। केन्द्र सरकार भी सेवा की भावना को केन्द्र में रखकर निर्धन वर्ग के लिए निःशुल्क अनाज, पेयजल, आवास और स्वास्थ्य से जुड़ी जनकल्याण की योजनाओं का संचालन कर रही है। देश में नए-नए एम्स, आईआईटी, आईआईएम संस्थान प्रारंभ किए जा रहे हैं। हमारा पर्यावरण संरक्षित हो, इसके लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान जारी है। गरीब और वंचित व्यक्तियों के उत्थान के लिए सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास का मंत्र सरकार की नीति और निष्ठा है। सेवा की भावना हमारे व्यक्तित्व को निखारती है और व्यक्ति को बड़े उद्देश्यों से जोड़ती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी शुक्रवार को अशोकनगर के आनंदपुर धाम में वार्षिक वैशाखी मेले और संस्था के गुरू महाराज के अवतरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, वरिष्ठ सांसद श्री वी.डी. शर्मा, सांसद श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल सहित बड़ी संख्या में आनंदपुर धाम के अनुयायी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आश्रम के गुरू महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आनंदपुर धाम मंदिर परिसर का भ्रमण किया और गुरुजी महाराज मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आनंद सरोवर की आरती उतारी और पुष्प अर्पित किए। आनंदपुर में हर वर्ष तीन दिवसीय वैशाखी मेला लगता है। इस वर्ष भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग 20 हजार लोग आनंदपुर पहुंचे हैं। *आनंदपुर क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता* प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि अशोकनगर के आनंदपुर क्षेत्र का विकास हमारा दायित्व है। इस क्षेत्र में कला, संस्कृति अर्थात् विरासत से कास की अपार संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र में चंदेरी साड़ी को जीआई टैग प्राप्त हुआ है। प्राणपुर में हैण्डलूम विलेज प्रारंभ किया गया है। मध्यप्रदेश में विरासत के संरक्षण के साथ विकास के प्रयास हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सिंहस्थ : 2028 की तैयारियां भी प्रारंभ करवा चुके हैं। प्रदेश की सरकार और नागरिक विकास में जुट गए हैं। *आनंदपुर की धरती पर शोक भी आने डरता है* प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इस धरती पर परमार्थ और सेवा के संकल्प जारी हैं, ये धरती सामान्य नहीं है। अशोकनगर की धरती पर शोक भी आने से डरता है। गुरु महाराज जी के अवतरण दिवस पर यहां आने का सुअवसर मिला है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्वामी अद्वैत जी महाराज एवं संस्थान की सभी पादशाही महाराज को प्रणाम करते हुए द्वितीय और तृतीय पादशाही के समाधि दिवस पर उनके चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मां विजयासन और अशोकनगर जिले के श्रद्धा स्थल करीला धाम की मां जानकी देवी को भी प्रणाम किया। *शंकराचार्य जी से लेकर परमहंस अद्वैत जी महाराज तक अद्वैत दर्शन का महत्व* प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत भूमि-ऋषियों की रही है। समाज जब किसी मुश्किल दौर से गुजरता है तो कोई ऋषि अवश्य अवतरित होता है। आदि शंकराचार्य ने अद्वैत से हम सबका परिचय करवाया। उस कालखंड में ऐसे ऋषि-मुनि आए जिन्होंने अद्वैत का विचार रखकर समाज को जागृत करने का कार्य किया। इसी परम्परा में परमहंस अद्वैत जी महाराज ने भी इस विचार एवं ज्ञान को सरल बनाया और जन सामान्य के बीच पहुंचाने का बीड़ा उठाया। आज भौतिक उन्नति के बीच दुनिया के देशों में युद्ध और संघर्ष सहित कई चिंताएं विद्यमान हैं, जो मानव को मानव से दूर करती हैं। इनका समाधान अद्वैत के विचार में मिलेगा। अद्वैत यानी जहां कोई द्वैत नहीं है। अपने और पराये की मानसिकता का त्याग करते हुए जीव मात्र में एक ही ईश्वर को देखने का विचार इस दर्शन में शामिल है। संपूर्ण सृष्टि को ईश्वर के रूप में देखना ही अद्वैत है। परमहंस दयाल जी महाराज कहते थे कि जो तू है, सो मैं हूं... यह विचार मेरे और तुम्हारे का भेद खत्म कर देता है। अगर कोई यह विचार मान ले तो सारे झगड़े खत्म हो जाएं। *श्री आनंदपुर ट्रस्ट के सेवा प्रकल्प सराहनीय* प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि गुरु महाराज ने आनंद धाम के नियम और कर्तव्यों के बारे में आज विस्तार से बताया है। सेवाभाव यहां का प्रमुख कार्य है। ट्रस्ट की ओर से मनोयोगपूर्वक संचालित सेवा कार्यों में अस्पताल, गौ-शाला, नई पीढ़ी के निर्माण के लिए अच्छी शिक्षा देने वाले स्कूल और पर्यावरण संरक्षण के प्रकल्प शामिल हैं। आश्रम के अनुयायियों ने हजारों एकड़ बंजर जमीन को हरा-भरा बनाया है। सेवा की यही भावना हमारी सरकार के केंद्र में है। यह हमें व्यक्तिगत चिंता से हटाकर समाज और राष्ट्र से जोड़ती है।

राम वन गमन पथ का विकास होकर रहेगा, मध्यप्रदेश में है पथ का बड़ा हिस्सा प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि कठिनाइयों से लड़ना और जीतना हम सेवा से सीखते हैं। सेवा एक साधना है। देश में राम वन गमन पथ का विकास किया जा रहा है। राम वन गमन पथ का बड़ा हिस्सा मध्यप्रदेश से गुजरता है। मध्यप्रदेश पहले से अजब और गजब है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य रखा गया है। हमें अपनी संस्कृति को संरक्षित करते हुए आगे बढ़ना है। संस्कृति ही हमें सामर्थ्य देती है। भारत जैसे देश को उम्मीद है कि आनंदपुर धाम इस कार्य में हमारे प्रयासों को ऊर्जा देते हुए आगे बढ़ाएगा। समारोह को संबोधित करते हुए संस्थान के वर्तमान पीठाधीश्वर श्रीश्री 108 हुजूर सतगुरु महाराज ने कहा कि कबीर साहिब कहते हैं कि ईश्वर का नाम ही सत्य है, बाकी सभी सांसारिक चीजें झूठी हैं। उसी प्रकार महापुरुषों का नाम भी सत्य है। दुनिया में जो आए हैं, वो सभी यहां से जाएंगे। अपने सांसारिक जिम्मेदारियों के साथ ईश्वर का स्मरण करना नहीं भूलना चाहिए। प्रारंभ में श्री शब्द परमानंद जी ने स्वागत उदबोधन में कहा कि स्वामी गुरू महाराज जी की छत्रछाया में यह सत्संग हो रहा है। भगवान जिसे अपना सेवक चुन लेते हैं, उसे आनंदपुर धाम जैसा सत्संग प्रदान करते हैं। श्री शब्द परमानंद ने सभी अनुयायियों की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा कि इस धाम की स्थापना सेवा धाम के रूप में की गई है। इसमें भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के उपदेश शामिल हैं। समाज कल्याण के लिए जो कार्य करता है, उसका साथ भगवान भी देते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रयागराज में हुए विशाल महाकुंभ आयोजन सम्पन्न हुआ। साथ ही अयोध्या में श्रीराम, मंदिर का शुभारंभ हो गया है। भगवान से जो कुछ नहीं मांगता, उसे भगवान स्वयं मिल जाते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत का गौरव बढ़ रहा है। *आनंदधाम से सीखा, गरीबों की सेवा ही ईश्वर सेवा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव* मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गरीबों की सेवा करो, और उनकी आत्मा में रच-बस जाओ, यही परमार्थ है, यही सच्ची मानव सेवा है। गुरुजी महाराज की सेवा भावना से हमें भी प्रेरणा मिलती है। शांति का जो पाठ उन्होंने समाज को दिया है वह अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु जी महाराज ने इस आनंदधाम को सेवा का केंद्र बनाया है। हमारी सरकार भी ऐसा ही सेवा केंद्र बनाएगी। हम गौमाता की भी सेवा करेंगे। उन्होंने कहा कि आनंदधाम अपने नाम को धन्य और सार्थक कर रहा है। आनंद धाम से हमने सीखा है कि गरीबों की सेवा कर ईश्वर के करीब कैसे आया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रेम और अपनत्व के इस सुख सागर में बार-बार डुबकी लगाने वे यहां जरूर आएंगे। *प्रधानमंत्री श्री मोदी का स्वागत* कार्यक्रम के पहले प्रधानमंत्री श्री मोदी के अशोकनगर जिले के आनंदपुर धाम पहुंचने पर राज्यपाल श्री पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हेलीपैड पर प्रधानमंत्री श्री मोदी का अंगवस्त्रम् ओढ़ाकर स्वागत किया। इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी प्रधानमंत्री श्री मोदी का स्वागत किया।

जैन मुनियों पर बर्बर हमला: समाज के लोगों में फूटा गुस्सा, सिंगोली बाजार रहा बंद

नीमच के सिंगोली में तीन जैन मुनियों में पर बर्बर तरीके से हमला हुआ था। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हमलावर छह थे। बताया जा रहा है कि सभी जैन मुनियों से आरोपी शराब के लिए रुपए की मांग कर रहे थे। घटना के विरोध में सिंगोली बाजार आज बंद रहा है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम बनाई है।

नीमचः जिले के सिंगोली थाना क्षेत्र के गांव कछाला में तीन जैन मुनियों पर बर्बरतापूर्वक हमला किया गया। घटना नीमच-सिंगोली मार्ग पर स्थित हनुमान मंदिर की है। तीनों मुनि रात्रि विश्राम कर रहे थे। देर रात 6 बदमाश शराब के नशे में मंदिर में घुसे। शराब पीने के लिए मुनियों से रुपए मांगे। मुनियों ने रुपए देने से इनकार किया तो बदमाशों ने गाली-गलौज करते हुए लाठियों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। तीनों मुनि गंभीर रूप से घायल हो गए।

अविनाश जाजपुरा | नीमच

बाइक सवारों से मांगी मदद

एक मुनि ने साहस दिखाया और भागकर सड़क से गुजर रहे बाइक सवारों को रोका और मदद मांगी। राहगीरों ने गांव में सूचना दी। ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इस दौरान दो बदमाशों को पकड़ लिया। चार अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी अंकित जायसवाल मौके पर पहुंचे। घायलों से बात की। सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

छह संदिग्धों को हिरासत में लिया

नीमच पुलिस ने 6 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ जारी है। सिंगोली थाने पर इस मामले को लेकर फिलहाल अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। जैन धर्म की परंपरा के अनुसार रात में इलाज नहीं होता, इसलिए मुनियों को सिंगोली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। सोमवार सुबह इलाज शुरू किया गया।

जैन समाज ने सिंगोली बंद बुलाया

घटना के विरोध में जैन समाज ने सिंगोली बंद का आह्वान किया। व्यापारियों ने समर्थन दिया। सुबह से ही बाजार बंद हैं। सड़कों पर सन्नाटा है। समाज के लोग शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त सजा की मांग कर रहे हैं।

संतों पर हमला बर्दाश्त नहीं

समाज के प्रतिनिधियों ने कहा, संतों पर हमला बर्दाश्त नहीं होगा। पुलिस प्रशासन से मांग की गई कि फरार आरोपियों को जल्द पकड़ा जाए। सभी दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। समाज ने संतों की सुरक्षा के लिए हर कदम उठाने की बात कही।

गिरफ्तारी के लिए बनाई गई विशेष टीम

एसपी अंकित जायसवाल ने बताया, मामले की गंभीरता से जांच हो रही है। फरार आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं। जल्द गिरफ्तारी का भरोसा दिया। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

पुलिस ने अज्ञात लोगों पर लूट मारपीट, बलवा सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। आरोपी चित्तौड़गढ़ जिले के बताए जा रहे है। मामले की गंभीरता देख जावद एसडीओपी निकिता सिंह भी सिंगोली पहुंची हैं। इसके साथ ही कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की भी पहुंचने की संभावना बता रहा है। वहीं, क्षेत्रीय विधायक व पूर्व एमएसएमई मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा ने घटना को दुखद बताया है। वह भी मौके पहुंचे है। जैन समाज के लोगों से बात कर रहे हैं।

जय भीम के जयकारो से गुंजी नीमच के सड़के,अजाक्स परिवार ने धूमधाम से मनाई डॉ. अंबेडकर जयंती

नीमच संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर अजाक्स परिवार द्वारा नीमच में भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दशहरा मैदान से शोभायात्रा के रूप में हुई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई अंबेडकर सर्कल पहुंची। वहां बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर कई सामाजिक संगठन एवं भीम अनुयायी संगठनों ने भी शोभायात्रा में भाग लिया और बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया।

बाबा साहेब की जयंती पर भव्य आयोजन

अजाक्स जिला अध्यक्ष यशवंत कुमार गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉ. अंबेडकर की जयंती पर दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।इनमें विशेष रूप से एक शाम भीम के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बाबा साहब के जीवन पर आधारित कहानियां, संगीतमय भजन प्रस्तुति दी गई।रैली के समापन पर एक जनसभा का आयोजन हुआ, जिसमें अंबेडकरवाद के मूल विचारों पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन स्नेहभोज के साथ हुआ

आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 पर प्रशिक्षित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का हुआ मॉक टेस्ट

आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल में चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए मॉक टेस्ट आयोजित किया गया। मॉक टेस्ट में सम्मिलित प्रतिभागियों को इस पोर्टल पर पूर्व में प्रशिक्षित किया गया था। पोर्टल पर कार्य के दौरान व्यावहारिक उपयोग संबंधी कौशल एवं दक्षता की जांच के लिए उन्मुखीकरण कर मॉक टेस्ट लिया गया।

12 अप्रैल को आयोजित उन्मुखीकरण एवं मॉक टेस्ट में सब डिविजनल मेडिकल ऑफिसर डॉ अनिमेष सिंह, सब डिविजनल मैनेजर सिटी सर्किल उमाशंकर नामदेव, सबडिविजनल मैनेजर टी टी नगर सौरभ पांडे , एलडीएमआईएस टी टी नगर सर्कल सिद्धार्थ पांडे द्वारा पोर्टल दक्षता में बेहतर प्रदर्शन किया गया। आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 पर जिले के 552 अधिकारियों कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की संस्थाओं के साथ ही अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, हमीदिया हॉस्पिटल, सुल्तानिया हॉस्पिटल, गैस राहत चिकित्सालय के चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ प्रशिक्षित हुए हैं। इनमें एएनएम, कम्युनिटी हेल्थ ऑफीसर , नर्सिंग ऑफिसर, सुपरवाइजर, मल्टी टास्क वर्कर शामिल हैं । अनमोल आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण में गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण, हाई-रिस्क गर्भावस्था की पहचान, प्रसव संबंधी रिकॉर्ड, नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की एंट्री की प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाया गया है। जिससे गर्भवती महिलाओं, प्रसूताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य का बेहतर प्रबंधन होगा। यह पोर्टल मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि पोर्टल के माध्यम से जननी सुरक्षा योजना और मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा प्रसूति सहायता योजना के भुगतान को समग्र ई-केवाईसी आधारित बनाया गया है, जिससे पात्र हितग्राहियों को समय पर और पात्रतानुसार राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा। पोर्टल पर प्रविष्टि एवं जानकारियों के अपडेशन में त्रुटियों की संभावनाओं को न्यूनतम करने के लिए प्रशिक्षण के साथ उन्मुखीकरण भी निरंतर किया जा रहा है।

“जल की हर बूंद में जीवन, हर स्रोत में भविष्य का आधार”

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

उज्जैन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि “आपः सुजिरा अमृतः सुवर्चाः शंभू मयोभूः', अर्थात जल न केवल अमृतस्वरूप है, बल्कि शुभ, पवित्र और जीवनदायक भी है। उन्होंने कहा है कि जल जीवन जीने का संसाधन मात्र नहीं, अपितु हमारा सनातन संस्कार है। हमारे ग्रंथ कहते हैं कि जल की हर बूंद में जीवन है और हर स्रोत में आने वाले कल का भविष्य छिपा है। इसलिए इस अमूल्य धरोहर की किसी भी मूल्य पर रक्षा करना हमारा दायित्व है।

इसी दायित्व की पूर्ति के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' संचालित किया जा रहा है। इसमें नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के साथ-साथ पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल स्त्रोतों और जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई, जल स्त्रोतों के आस-पास पौध रोपण के कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। जन-जागरुकता अभियानों के माध्यम से प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में इस अभियान में जन-भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। उज्जैन में चौपाल लगाकर नागरिकों को जल और प्रकृति संरक्षण के लिए जागरूक किया जा रहा है प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रकृति संरक्षण के संकल्प को पूर्ण करने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा चलाए जा रहे।

ग्रेसिम इंडस्ट्रीज बिरलाग्राम नागदा में 15 और 17 अप्रैल को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ मॉक एक्सरसाईज का आयोजन किया जाएगा

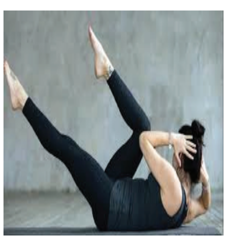

उज्जैन - राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र जिला उज्जैन में 15 अप्रैल को समय प्रातः 09:30 से 14:00 बजे टेबल टॉप एक्सरसाईज ग्रेसिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, केमिकल डिविजन, बिरलाग्राम नागदा में एवं 17 अप्रैल को समय प्रातः 09:30 से ग्रेसिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, केमिकल डिविजन, बिरलाग्राम नागदा, जिला उज्जैन पर मॉक एक्सरसाईज का आयोजन किया जाएगा।

अहिल्याश्रम क्रमांक-दो की प्रतिभाशाली छात्राओं को स्कालरशिप मिली

शासकीय सीएम राइज अहिल्याश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 की प्रतिभावान छात्राओं को जिन्होंने वार्षिक परीक्षा में अपनी-अपनी कक्षा में सर्वोच्च अंक हासिल किए थे, उन्हें यश टेक्नोलॉजी की तरफ से एक लाख बीस हजार रुपये स्कालरशिप योजना के तहत वितरित किये गए। विद्यालय के प्राचार्य श्री दीपक हलवे ने बताया कि गुलशन रघुवंशी,दिव्यांशी साहू,श्रद्धा जायसवाल,टीना चौहान,निकिता गरोठिया,शिवानी वर्मा,प्रियंका विश्वकर्मा ,सृष्टि रघुवंशी,प्रियंका निषाद और गौरी गुप्ता को धनराशि के चेक प्रदान किये गए। इस अवसर पर एमरॉल्ड हाइट्स विद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वस्थ जीवन के संदेश नाटिकाओं के माध्यम से प्रस्तुत किये । अतिथि स्वागत सुश्री सुजाता जैन ने एवं संचालन सुश्री दीपिका बागोरा ने किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दिल्ली के लाल किले में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य की प्रस्तुति की पहल को सराहा

उज्जैन । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में होने वाले तीन दिवसीय 'सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य' और इससे जुड़ी प्रदर्शनियों के आयोजन की सराहना की है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संदेश में कहा है कि 'मुझे खुशी है कि मध्यप्रदेश के ऊर्जावान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के मार्गदर्शन में आयोजित इस महोत्सव के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य की गौरवगाथा और वैभव को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।' प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कार्यक्रम के आयोजकों एवं इसमें हिस्सा ले रहे देश के कलाकारों को आयोजन की सफलता की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने संदेश में लिखा है कि युगपुरुष सम्राट विक्रमादित्य का शासनकाल जनकल्याण, सुशासन और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए जाना जाता है। वह भारत की न्यायप्रिय और लोक कल्याणकारी नेतृत्व परंपरा के प्रतीक थे। उन्होंने साहित्य, कला और विज्ञान को जिस रूप में प्रोत्साहित किया, वह आज भी हमारे लिए आदर्श है। उनके काल की 'विक्रम संवत' परंपरा आज भी भारतीय संस्कृति की पहचान है। सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य और प्रदर्शनी का महत्व एक सांस्कृतिक आयोजन से कहीं अधिक है। इसका उद्देश्य हमारे इतिहास, हमारी जड़ों और हमारे आत्मबोध को एक उत्सव के रूप में मनाने का है। मुझे विश्वास है कि ऐसे आयोजनों से वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियां भारत के स्वर्णिम अतीत से परिचित होंगी और उससे प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में आगे बढ़ेंगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लिखा है

कि सांस्कृतिक मूल्यों को आधार बनाकर, आधुनिकता और विरासत को साथ लेकर, इस अमृत काल में विकसित भारत की ओर अग्रसर राष्ट्र पर सभी को गर्व है। इस यात्रा में सम्राट विक्रमादित्य समेत हमारे महापुरुषों से मिली न्याय, पराक्रम और सेवा जैसी शिक्षाएं हमारा मार्गदर्शन करेंगी। यह आयोजन देश की सांस्कृतिक चेतना को और सशक्त बनाते हुए युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़कर आत्मविश्वास से पूर्ण, जागरूक औ कर्तव्यनिष्ठ नागरिक के रूप में तैयार करने में सहायक सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव पहुँचे इंदौर के पितृ पर्वत

हनुमान जी की विशाल प्रतिमा के दर्शन कर किया पूजन-अर्चन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज हनुमान जयंती के अवसर पर इंदौर के प्रसिद्ध पितृ पर्वत पहुँचे। यहाँ उन्होंने हनुमान जी की विशाल प्रतिमा के दर्शन किये और पूजा अर्चना की। यहाँ उन्होंने गौ माता का पूजन भी किया। इस अवसर पर प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव,विधायकद्वय श्री रमेश मेंदोला तथा श्री मधु वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अवसर पर मंदिर की परिक्रमा की और हनुमान जी की विशाल मूर्ति के दर्शन किए ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदा परिक्रमावासी अवधूत दादा गुरु जी के दर्शन भी किये । मुख्यमंत्री जी ने पितृ पर्वत परिसर में श्री जी इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों की भजन मंडली द्वारा किये जा रहे हनुमान चालीसा के पाठ में शामिल विद्यार्थियों से चर्चा कर उनकी सराहना की और हौंसला बढ़ाया। उन्होंने पितृ पर्वत में अशोक का पौधा भी लगाया।

एक जिला एक औषधि उत्पाद अश्वगंधा पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

जिला एवं विकासखंड स्तर पर औषधीय पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रशिक्षण

राज्य औषधी पादप बोर्ड मध्यप्रदेश देवारण्य योजना अंतर्गत "एक जिला एक औषधि उत्पाद "अश्वगंधा" परियोजना के अंतर्गत इंदौर जिले में जिला स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण जिला आयुष अधिकारी द्वारा शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय इंदौर में आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में उन्नत कृषि उत्पादन,उत्पाद के संग्रहण,भंडारण,वितरण,विक्रय आदि विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक,तकनीकी अधिकारी कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ.डी. के.मिश्रा,उद्यानिकी विभाग के उप संचालक श्री डी.एस. चौहान,कृषि महाविद्यालय,आत्मा परियोजना शर्ली थॉमस, कृषि विभाग के वरिष्ठ प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। एनजीओ भैयाजी दाणी सेवा न्यास,एन.आई.एम.ए. सदस्यों ने अपने विचार रखते हुए बताया कि अश्वगंधा की खेती से औषधी निर्माताओं की मांग पूरी हो सकती है और विदेश में भी उत्पादों की बहुत मांग है। आयुर्वेद पर जनसामान्य का विश्वास बढ़ेगा और स्थानीय किसानों की आजीविका भी सुनिश्चित होगी। प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षक ब्लॉक स्तर पर कृषकों को स्व-सहायता समूह,वन समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण आगामी सत्रों में करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। संचालन डॉ.राकेश गुप्ता,डॉ.बख्तियार अशरफी ने किया। अतिथि स्वागत डॉ.शीतल कुमार सोलंकी,डॉ. कमलेश पाटील ने अश्वगंधा के पौधे से किया। प्रमाण-पत्र वितरण प्रधानाचार्य डॉ.ए.पी.एस.चौहान एवं सम्भागीय आयुष अधिकारी डॉ.हंसा बारिया ने किया।

ग्रीष्मकाल में पेयजल समस्या के निराकरण हेत नियंत्रण कक्ष की स्थापना

रतलाम 12 अप्रैल 2025/ जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्मकाल में पेयजल समस्या के त्वरित निराकरण हेतु नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। नियंत्रण कक्ष का दूरभाष क्रमांक 07412-270439 है। प्रातः 8.00 से 10.30 बजे तक श्री लक्ष्मण गरवाल, 10.30 से सायं 5.30 बजे तक श्रीमती चेतना सोलंकी तथा श्री राहुल चौहान (शासकीय अवकाश में) तथा सायं 5.30 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक श्री अशोक धाकड नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था सौंपी गई है।

तहसील आलोट के लिए सहायक यंत्री सुश्री प्रियांशा दुबे मो.नं. 87705 20245 तथा उपयंत्री श्री राहुल आर्य मो.नं. 78987 81055, तहसील ताल के लिए उपयंत्री श्री राहुल आर्य मो.नं. 78987 81055, तहसील जावरा के लिए उपयंत्री श्री इरफान अली मो.नं. 94259 37171 तथा तहसील पिपलौदा के लिए श्री संजय मण्डलोई मो.नं. 6260085715 को जिम्मेदारी सौंपी गई है। तहसील रतलाम के लिए सहायक यंत्री श्री नरेश कुवाल मो.नं. 9993899938, उपयंत्री श्री अर्पित चत्तर मो.नं. 9340166238 तथा श्री डी.सी. कथिरिया मो.नं. 7999154725 तथा उपयंत्री सुश्री पूजा भूरिया मो.नं. 97523 03934 को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सिविल सर्जन डॉ. सागर के कार्यकाल में जिला चिकित्सालय के नाम एक और उपलब्धि

एमबीबीएस के बाद मेडिकल कॉलेज की तर्ज पर अब जिला चिकित्सालय में नेत्र रोग विशेषज्ञ के डिप्लोमा करने की सुविधा उपलब्ध

रतलाम 12 अप्रैल 2025/ जिला चिकित्सालय रतलाम के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है। जिला चिकित्सालय रतलाम में अब मेडिकल का कोर्स एमबीबीएस के बाद नेत्र रोग विषय में पीजी डिप्लोमा कोर्स की पढ़ाई के लिए दो सीट स्वीकृत हुई है।नोडल अधिकारी डॉ. बी.एल. तापड़िया ने बताया कि जिला चिकित्सालय में डीएनबीई अंतर्गत नेत्र रोग विषय में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए डिप्लोमा कोर्स की सीट बढ़ाने के लिए दल द्वारा निरीक्षण किया गया था, किंतु निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय में नेत्र रोग की ग्लूकोमा सर्जरी सुविधा नहीं होने के कारण सीट बढ़ाने का प्रस्ताव निरस्त कर दिया गया था। जब यह बात सिविल सर्जन डॉ. एम.एस. सागर के संज्ञान में आई तो जिला चिकित्सालय में डॉ. सागर ने स्वयं ग्लूकोमा की सर्जरी करने की कमान अपने हाथ में ले ली और ग्लूकोमा जिसे काला पानी भी कहते हैं, के ऑपरेशन आरंभ कर दिए, इसके बाद निरीक्षण दल को पुनः बुलाया गया।जिला चिकित्सालय में पुनः निरीक्षण करने के उपरांत जिला चिकित्सालय में डीएनबीई कोर्स अंतर्गत नेत्र रोग विशेषज्ञ डिप्लोमा कोर्स करने की स्वीकृति दे दी गई यह पता लगाए ही पूरे अस्पताल में हर्ष की लहर दौड़ गई और लोग एक दूसरे को बधाई देने का तांता लग गया। जिला चिकित्सालय में निरंतर स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाओं में सुधार के कारण एमबीबीएस करने के उपरांत विशेषज्ञ आधारित डिप्लोमा कोर्स का संचालन किया जा रहा है। इस कोर्स के अंतर्गत डीएनबीई की दो सीट एनेस्थीसिया विभाग में उपलब्ध है। एनेस्थीसिया विभाग का अध्यापन कार्य एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉक्टर महेश मौर्य द्वारा किया जा रहा है। 2 सीट गायनेकोलॉजी अर्थात प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ विभाग में स्वीकृत है, इसमें अध्यापन का कार्य डॉ. ममता शर्मा प्रसूति एवं अन्य स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा किया जा रहा है। 2 सीट फैमिली मेडिसिन अंतर्गत स्वीकृत है, इसमें अध्यापन का कार्य डॉक्टर बी.एल. तापड़िया द्वारा किया जाता है।अब नई स्वीकृति प्राप्त होने से दो सीट नेत्र रोग विभाग के अंतर्गत भी प्राप्त हो गई है । इस विभाग में अध्यापन का कार्य नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एम.एस. सागर और डॉ. एस.एस. गुप्ता द्वारा किया जाएगा। इन दो सीटों में एक सीट गवर्नमेंट आफ इंडिया कोटा से तथा एक सीट स्टेट कोटा से स्वीकृत है। इसमें प्रवेश प्राप्त करने के लिए ऑल इंडिया नीट पीजी कोटा से चयनित अभ्यर्थी जिला चिकित्सालय में आकर अपना अध्ययन पूर्ण करते हैं। गैर शासकीय सेवक चिकित्सको के लिए शासकीय नियम अनुसार 1 लाख 25 हजार रुपए फीस निर्धारित है। जबकि शासकीय चिकित्सा अधिकारियों को फीस का भुगतान नहीं करना होता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम सेजावता में प्राचीन बावड़ी की साफ- सफाई की गई

रतलाम जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत श्रेष्ठ नवनिर्माण फाउंडेशन के माध्यम से आदर्श ग्राम सेजावता में समिति के सदस्यों ने बावड़ी पर श्रमदान कर जल गंगा संवर्धन अभियान को आगे बढ़ाते हुए श्रमदान के माध्यम से प्राचीन बावड़ी की सफाई की।इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक श्री शैलेंद्रसिंह सोलंकी ने बैठक में उपस्थित समिति सदस्यों से कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आयोजित इस अभियान में हम सब की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। नवांकुर संस्था सचिव श्री नरेंद्र श्रेष्ठ ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कार्यक्रम की भूमिका रखी। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच श्री गोपाल डाबी, उपसरपंच श्री गणेश मालवीय, ग्राम पंचायत सचिव, सहायक सचिव, प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष श्री कृष्णेन्द्र सिंह, श्री कालूपूरी गोस्वामी, युवराज, सुनील, करण, नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम के परामर्शदाता श्री राजेश सोलंकी, श्री धनपाल शर्मा, श्री सुनील बैरागी सहित ग्राम के सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ई-उपार्जन पोर्टल पर तुअर फसल का उपार्जन के लिए पंजीयन 20 अप्रैल तक

रतलाम जिले के किसान ई-पोर्टल पर रबी मौसम 2024-25 में तुअर फसल के पंजीयन करवाकर शासन की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ ले सकते हैं। किसान तुअर फसल का पंजीयन ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत में स्थापित सुविधा केन्द्रों, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्रों तथा सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र एवं एम.पी. किसान एप आदि पर भी पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था है।

उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि श्रीमती नीलमसिंह चौहान ने बताया कि तुअर फसल का पंजीयन जिले के निर्धारित 6 पंजीयन केन्द्रों विपणन सहकारी संस्था मर्यादित आलोट, प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित ताल, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति धराड, प्राथमिक सहकारी संस्था भीमाखेडी जावरा, प्राथमिक सहकारी समिति उपलई तथा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कछालिया पर कार्यालयीन समय में ई-उपार्जन पोर्टल पर निःशुल्क पंजीयन करवा सकते हैं।किसान के विगत वर्ष के पंजीयन में उल्लेखित आधार नम्बर, बैंक खाता, मोबाइल नम्बर में किसी प्रकार के परिवर्तन, संशोधन की आवश्यकता होने पर संबंधित दस्तावेज स्वरुप पंजीयन केन्द्र पर लाना होंगे।

जिन किसानों द्वारा विगत रबी एवं खरीफ में पंजीयन नहीं कराया गया था एवं ई-उपार्जन पोर्टल पर उनका डाटाबेस उपलब्ध नहीं है, ऐसे किसानों को समिति स्तर पर पंजीयन हेतु आधार नम्बर, बैंक खाता, मोबाइल एवं

कलेक्टर श्री सिंह ने नागझिरी दताना निर्माणाधीन रोड का निरीक्षण किया

उज्जैन, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने शनिवार सुबह नागझिरी दताना निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली और कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान कार्य समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री गौतम अहिरवार एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गौशालाओं के माध्यम से मध्यप्रदेश में गौ सेवा की लिखेंगे नई इबारत- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुविधाओं से युक्त मध्यप्रदेश में अपने तरह की पहली हाईटेक कामधेनु गौशाला का किया भूमि पूजन

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में गौ संरक्षण और संवर्धन की दिशा में राज्य सरकार द्वारा तेजी से संकल्पबद्ध होकर कार्य किये जा रहे हैं । राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के संकल्प को पूरा करने के लिए गौ शालाओं के विस्तार के लिए योजनाबद्ध रूप से प्रयास किये जा रहे हैं । उन्होंने कहा कि प्रदेश में गौशालाओं के माध्यम से गौ सेवा की नई इबारत लिखी जाएगी । प्रदेश में नई दुग्ध क्रांति लाई जाएगी। इसके माध्यम से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ ही दुग्ध उत्पादकों की आमदनी में भी वृद्धि की जाएगी। हमारा प्रयास है कि दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध के बेहतर दाम मिले। इस दिशा में हम तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव इंदौर जिले के महू-मण्डलेश्वर मार्ग पर स्थित आशापुरा में प्रदेश में अपने तरह की पहली हाईटेक कामधेनु गौशाला के भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह गौशाला 10 हजार गायों के पालन-पोषण के लिये रहेगी। यह गौशाला लगभग 25 हेक्टेयर क्षेत्र में बनाई जा रही है। इस गौशाला का निर्माण इंदौर नगर निगम के माध्यम से किया जायेगा। इसके देखरेख की जिम्मेदारी भी नगर निगम ही संभालेंगी। गौशाला के संचालन में संत समाज का सहयोग भी लिया जायेगा। इसके संचालन में समाजसेवी लोग भी निःस्वार्थ भाव से गौ-सेवा के कार्यों में जुड़ सकेंगे। गायों के पालन और संरक्षण के लिये सभी जरूरी सुविधाएं गौशाला में रहेंगी। गौशाला क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण भी किया जायेगा। कार्यक्रम में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव,सांसद सुश्री कविता पाटीदार,विधायक सुश्री उषा ठाकुर,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय,श्री सुमित मिश्रा,श्री श्रवण चावड़ा,श्री निरंजन सिंह चौहान सहित अन्य जन प्रतिनिधि और स्वामी श्री अच्युतानंद जी महाराज विशेष रूप से मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में सभी वर्ग की बेहतरी के लिए राज्य सरकार द्वारा संकल्पबद्ध होकर प्रयास किये जा रहे हैं। हमारे प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। कृषि क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए राज्य शासन द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। हमारी सरकार दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के भी निरंतर प्रयास कर रही है। साथ ही हमारे प्रयास है कि दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध के बेहतर दाम मिले। अभी देश के कुल दुग्ध उत्पादन का 9 प्रतिशत उत्पादन हमारे प्रदेश में है, इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निराश्रित गौ वंश की समस्याओं का समाधान गौ शालाओं के माध्यम से किया जा रहा है। प्रदेश के सभी बड़े नगरों में हजारों गौवंश क्षमता की गौशालाएँ स्थापित कर उनका बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इंदौर में भी अब दस हजार गौवंश क्षमता की अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त गौ शाला बनायी जा रही है। यह कामधेनु गौशाला अद्भुत होगी। उन्होंने कहा कि गौ शालाओं के विकास में शासन के साथ समाज की सहभागिता भी सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने आव्हान किया कि समर्पण और सेवा भाव के साथ समाज का हर वर्ग गौ शाला के संचालन में सहयोग के लिये भागीदार बने। राज्य शासन द्वारा गौशालाओं के विकास और विस्तार में किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जायेगी। उन्होंने कहा कि गौ माता की सेवा हमारी संस्कृति एवं संस्कारों का अहम हिस्सा है। गौ माता में तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। गौ माता हमारे लिये पूजनीय है। उन्होंने कहा कि गौ वंश के संरक्षण और संवर्धन के लिये राज्य शासन निरंतर प्रयासरत है। हमने यह वर्ष गौ माता की सेवा को समर्पित किया है। गौ वंश को बढ़ावा देने के लिये डॉ.भीमराव अम्बेडकरजी के नाम से योजना प्रारंभ की गयी है। इस योजना में गौ वंश पालकों को अनुदान दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि गौ-संरक्षण एवं गौ-संवर्धन हेतु मध्यप्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है।

मध्यप्रदेश राज्य में स्वावलंबी गौ-शालाओं की स्थापना नीति 2025 बनायी गयी है। प्रदेश में निराश्रित गौवंश की समस्या का समाधान गौशालाओं की स्थापना से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कार्यक्रम के प्रारंभ में गौमाता का पूजन किया। गौ-माता को गौ-ग्रास भी खिलाया। मुख्यमंत्रीजी ने गाय के बच्चे को गोद में लेकर स्नेह से दुलार किया। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने अपने सम्बोधन में कहा कि मध्यप्रदेश में हर क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में विकास की नयी इबारत लिखी जा रही है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा गौ वंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिये कृत संकल्पित होकर कार्य किये जा रहे हैं। हातोद स्थित गौशाला का कायाकल्प किया गया। इसे उच्च सुविधाओं से युक्त किया गया है। इससे गायों की संख्या बढ़कर 650 से दो हजार हो गयी। इंदौर देश की एकमात्र ऐसी नगर निगम होगी जहाँ गौ सेवा के लिये सवा सौ बीघा जमीन की गौ शालाये होंगी। उन्होंने कहा कि आशापुरा में भी 80 बीघा जमीन में सर्वसुविधायुक्त गौशाला विकसित की जायेगी। स्वामी श्री अच्युतानंदजी महाराज ने कहा कि गौ रक्षा की दिशा में यह सबसे बड़ा प्रकल्प है। यह गौशाला देश की अन्य गौशालाओं के लिये बड़ा उदाहरण बनेगी। गौवंश का संरक्षण एवं संवर्धन अब जन आंदोलन बन गया है। हातोद की गौशाला में पहले 650 गायें थीं जो लगभग एक वर्ष में बढ़कर अब दो हजार हो गयी है।

सर्वसुविधा युक्त होगी कामधेनु गौशाला आशापुरा (महू) नगर निगम इंदौर द्वारा महू तहसील के आशापुरा ग्राम में कामधेनु गौशाला का निर्माण प्रारंभ किया गया है। इस गौ शाला के लिए कलेक्टर इंदौर द्वारा लगभग 25 हेक्टेयर भूमि आवंटित कर गौवंश के संवर्धन हेतु नगर निगम इन्दौर को अधिपत्य में दी गयी है। उक्त भूमि पर नगर निगम इंदौर द्वारा गौ वंश संवर्धन के उददेश्य से कार्य योजना तैयार की गई है। इसके तहत कुल दस हजार गौवंश के लिये लगभग 8 शेड बनाये जायेंगे। प्रत्येक शेड के साथ में गौ वंश के सुगम विचरण हेतु खुला स्थान रहेगा। परिसर में गौवंश के आहार भण्डारण हेत भूसाघर एवं दानाघर का प्रावधान किया गया है। बीमार गौवंश की देखभाल हेत विशेष सुविधाओं से युक्त पृथक शेड का निर्माण किया जायेगा। हरे चारे की बुआई हेतु खुली कृषि भूमि का भी प्रावधान रखा गया है। सड़क के दोनों ओर तालाब के चारों ओर एवं अन्य निर्धारित स्थान पर सघन वृक्षारोपण किया जायेगा। परिसर में एक गौ पूजन केन्द्र का निर्माण किया जायेगा। पानी की पर्याप्त व्यवस्था की जायेगी। अन्य जरुरी कार्य भी कराये जायेंगे।

इंदौर जिले में नरवाई जलाने वालों के विरूद्ध सख़्त कार्रवाई प्रारंभ

अब तक 77 प्रकरणों में बनाए गए पंचनामे, जल्द होगी अर्थदंड की कार्यवाही

इंदौर जिले में फसलों की कटाई के बाद खेतों में नरवाई (अवशेष) जलाने की घटनाओं पर प्रशासन ने सख़्ती दिखाई है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में जिलेभर में नरवाई जलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई का सिलसिला प्रारंभ किया गया है। प्रशासन द्वारा अब तक नरवाई जलाने के 77 मामलों में पंचनामे तैयार किए गए हैं। संबंधित कृषकों के विरुद्ध नियमानुसार अर्थदंड की कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नरवाई जलाने की घटनाओं पर सतत निगरानी रखी जाए तथा दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे नरवाई न जलाएं और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दें। नरवाई जलाने से न केवल वायु प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके वैकल्पिक उपयोग के लिए शासन द्वारा विभिन्न योजनाएँ भी चलाई जा रही हैं। वर्तमान में यह देखने में आ रहा है कि किसानों के द्वारा फसल अवशेषों में आग लगाई जा रही है। इस संबंध में क्षेत्रीय अमला जिसमें कृषि , राजस्व एवं पंचायत विभाग शामिल है। पर्यावरण विभाग द्वारा जारी अधिसूचना का उल्लघंन पाए जाने पर मौके पर जाकर पंचानामें बनाए जा रहे हैं। आज दिनांक तक जिले की समस्त तहसीलों में कुल 77 पंचानामें तैयार किए गए है। जिन पर आगामी दिनों में मध्यप्रदेश शासन के नोटिफिकेशन प्रावधान अनुसार पर्यावरण विभाग द्वारा जारी अधिसूचना अनुसार कार्यवाही की जायेगी। ऐसा कोई व्यक्ति / निकाय/ कृषक जिसके पास 2 एकड़ तक की भूमि है तो उसकों नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 2 हजार 500 रुपये प्रति घटना के मान तथा जिसके पास 2 से 5 एकड़ तक की भूमि है तो उसको नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में पाँच हजार रुपये प्रति घटना के मान से तथा जिसके पास 5 एकड़ से अधिक भूमि है तो उसको नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 15 हजार रुपये प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड भरना होगा। वर्तमान में जिले में गेहूं फसल की कटाई का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है।

मध्यप्रदेश, प्राथमिक साख सहकारी समितियों के कम्प्यूटराइजेशन में देश में प्रथम: केंद्रीय मंत्री श्री शाह

सहकारी समितियां अब टिकट बुकिंग, बिल जमा करने, पेट्रोल पम्प व गैस एजेंसी चलाने जैसी गतिविधियां भी करेंगी संचालित प्रदेश में सुशासन के चलते, सहकारिता को जीवंत करने का स्वर्णिम अवसर सहकारी गतिविधियों से होने वाली आय किसानों के खातों में आएगीः मुनाफा किसानों को मिलेगा, व्यापारी को नहीं केन्द्र सरकार के मार्गदर्शन में सहकारी आंदोलन में आया क्रांतिकारी परिवर्तनः मुख्यमंत्री डॉ. यादव केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह और मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि राज्यों में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां (पैक्स) के कंप्यूटराइजेशन का कार्य चल रहा है। इसमें मध्यप्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। केंद्रीय मंत्री ने मध्यप्रदेश में शत-प्रतिशत उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में साढ़े 5 करोड़ लीटर दूध का उत्पादन होता है जो देश के कुल उत्पादन का 9 प्रतिशत है। प्रदेश में सुशासन का दौर चल रहा है, यह सहकारिता को जीवंत करने का स्वर्णिम अवसर है। प्रदेश के किसानों के साथ केन्द्र सरकार चट्टान की तरह खड़ी है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ मिलकर कम से कम 50 प्रतिशत गांवों तक सहकारिता और डेयरी गतिविधियों का विस्तार करना आवश्यक है। इसके लिए आवश्यक नीति निर्माण और प्लानिंग भी करना होगी। केन्द्र सरकार की ओर से वित्तीय सहयोग भी उपलब्ध कराया जाएगा। किसानों को दुग्ध उत्पादन का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित करनी होंगी। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन और उसकी प्रोसेसिंग से विभिन्न उत्पाद निर्मित कर किसानों की आय बढ़ाने की ओर एनडीडीवी और राज्य सरकार एक साथ अग्रसर होंगे। यह रास्ता अभी टू-लेन है, जिसे 6 लेन में विस्तारित करना होगा। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह रविवार को भोपाल के रविन्द्र भवन में राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री श्री शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और मध्यप्रदेश डेयरी फेडरेशन के मध्य अनुबंधों का आदान प्रदान हुआ। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा है कि देश में कृषि, पशुपालन और सहकारिता के क्षेत्र में कार्य करने की अपार संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले साढ़े तीन साल में सहकारिता क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। पैक्स के सशक्तिकरण, डेयरी क्षेत्र को प्रोत्साहन, उत्पादन के क्षेत्र में सहकारिता, गतिविधियों के विस्तार, नगरीय सहकारी बैंक, जिला सहकारी बैंक और ग्रामीण बैंकों के सुचारू संचालन की व्यवस्था की ओर विशेष ध्यान दिया गया। केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय ने गठन के बाद सबसे पहले प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियों के लिए मॉडल बायलॉज विकसित कर उन्हें राज्यों के साथ साझा किया। यह प्रसन्नता का विषय है कि संपूर्ण भारत में यह बायलॉज को लागू किया जा चुका है। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने मॉडल बायलॉज को अपनाने के लिए सभी राज्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस कदम से सहकारिता आंदोलन को नया जीवन प्राप्त हुआ है। सहकारी समितियां अब पेट्रोल पम्प व गैस एजेंसी संचालन, रेल्वे टिकट बुकिंग, बिल जमा करने जैसी गतिविधियां भी संचालित कर रही हैं। एक समय था जब पैक्स केवल कम अवधि के लिए कृषि ऋण उपलब्ध कराते थे जिसमें उन्हें केवल आधा प्रतिशत लाभ होता था। वर्तमान में पैक्स 30 से अधिक गतिविधियों में संलग्न है इससे उनकी आय भी बढ़ रही है। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा है कि देश के विभिन्न राज्यों में सहकारिता आंदोलन धीरे-धीरे मृत प्रायः होता जा रहा था। पूरे देश में सहकारिता आंदोलन का परिदृश्य भिन्न-भिन्न था। छः राज्यों में सहकारिता आंदोलन गति पर पकड़ चुका है, कुछ जगह इसका सरकारीकरण हुआ, परंतु कुछ जगह इसे नुकसान भी हुआ । इस स्थिति का मूल कारण यह था कि समय के साथ कानूनों में जो बदलाव होना चाहिए थे वे नहीं हुए। संवैधानिक व्यवस्था में सहकारिता राज्यों का विषय है, बदलती परिस्थितियों के अनुरूप कानून में बदलाव नहीं किया गया और न ही कानून बनाए गए। देश की राजनीतिक- भौगोलिक स्थिति, ग्रामीण, कृषि विकास और पशुपालन के आयाम पर समग्रता में केंद्रीय स्तर पर कभी विचार नहीं किया गया। यह संभव भी नहीं था, क्योंकि केंद्रीय स्तर पर कोई सहकारिता मंत्रालय था ही नहीं। आजादी के 75 साल बाद, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने केंद्रीय स्तर पर सहकारिता मंत्रालय स्थापित किया। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि प्राथमिक सहकारी संस्थाओं को सशक्त करने के लिए त्रि-स्तरीय सहकारी व्यवस्था को सुदृढ़ करना आवश्यक है। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि प्राथमिक कृषि सहकारी साख समिति और डेयरी व मछुआरा गतिविधियों को जोड़कर एम-पैक्स बनाने का कार्य नए बायलॉज द्वारा संभव हो सका। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा 2500 करोड़ की राशि से सभी पैक्स का कंप्यूटराइजेशन किया गया। अब पैक्स, जिला सहकारी बैंक, राज्य व सहकारी बैंक के साथ-साथ नाबार्ड से भी जुड़े हैं। इसके साथ ही इनके ऑनलाइन ऑडिट की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। किसानों की सुविधा के लिए स्थानीय भाषा में कार्य के लिए सॉफ्टवेयर विकसित किया गया। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर तीन नई किसान सहकारी समितियां का गठन किया गया। किसानों के उत्पाद को ग्लोबल मार्केट में स्थान मिले, इसके लिए एक्सपोर्ट को-ऑपरेटिव बनाया गया, ऑर्गेनिक को-ऑपरेटिव का गठन किया गया। ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स को प्रोत्साहित किया जा सके और किसानों को उनकी उपज का अधिक मूल्य दिलवाने के उद्देश्य से यह पहल की गई। यह दोनों संस्थाएं अगले 20 साल में अमूल से भी बड़ी संस्थाओं के रूप में आकर लेंगी। किसानों को बीज उत्पादन से जोड़ने के लिए बीच सहकारिता के अंतर्गत ढाई एकड़ वाले किसानों को भी मान्यता दी गई। इन सहकारी गतिविधियों से होने वाली आय सीधे किसानों के खातों में आएगी उसका मुनाफा किसानों को मिलेगा, व्यापारी को नहीं। साथ ही सहकारिता में प्रशिक्षण के लिए सहकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना भी की गई है। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि किसानों द्वारा खुले बाजार में दूध बेचने पर उचित दाम नहीं मिलता है अतः प्रत्येक गांव के किसानों को अधिक से अधिक संख्या में डेयरी के साथ जोड़कर दूध के विभिन्न उत्पाद निर्मित करने का लक्ष्य निर्धारित करना होगा। दूध से दही, मट्ठा, छाछ, पनीर, चीज़ का निर्माण हो और इसका मुनाफा किसानों को मिले यह व्यवस्था सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसके लिए दूध का उत्पादन बढ़ाने, पशुओं की नस्ल सुधारने और दूध के संकलन के लिए बेहतर नेटवर्क विकसित करने की आवश्यकता है। इन गतिविधियों में आज हो रहे अनुबंध महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे। *केन्द्रीय सहकारिता मंत्री प्रबंधन में पारस की तरह* मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय मंत्री श्री अमित शाह के कुशल प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि वे पारस की तरह हैं, उनके पास जो विभाग आ जाए वह 'सोना' हो जाता है। उनकी उपस्थिति में हो रहे अनुबंध से प्रदेश में नई संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं। सहकारिता के क्षेत्र में अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। बहुउद्देशीय समितियों के माध्यम से प्रदेश में भी सहकारिता की गतिविधियों को बढ़ाया जा रहा है। सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए राज्य सरकार ने अनेकों महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। अब सहकारी समितियों से पेट्रोल पंप, दवाई की दुकान व अन्य गतिविधियां संचालित होंगी। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में फैक्ट्रियों को भी सहकारिता से चलाने के लिए अनुबंध हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि दुग्ध उत्पादन हर घर की आय में वृद्धि का प्रमाणिक स्त्रोत है। प्रदेश में गौ-पालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। गौ-पालन पर अनुदान की व्यवस्था की गई है। राज्य सरकार ने दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। सरकार घर-घर गोकुल बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। किसानों की जिंदगी बेहतर करने के लिए सरकार गाय का दूध खरीदेगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी और श्री केन्द्रीय मंत्री श्री शाह के मार्गदर्शन में किसानों को समृद्ध बनाने की दिशा में राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ प्रतिबद्ध है। वृहद स्तर पर एमओयू होने से आज बड़ी संभावनाओं का द्वार खुले है। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि आज का दिन प्रदेश के सहकारी आंदोलन और श्वेत क्रांति के लिए एतिहासिक है। राज्य सरकार ने सहकारिता के साथ निजी व शासकीय भागीदारी को जोड़ते हुए सी.पी.पी.पी. के माध्यम से पहली बार देश में नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। हम केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में सहकारिता को नए आयाम प्रदान करने के लिए प्रयासरत हैं। पशुपालन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने अनुबंध की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। सांसद श्री वी.डी. शर्मा ने कहा कि केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री शाह ने आज अनुबंध के माध्यम से मध्यप्रदेश को नई सौगात दी है। डेयरी विकास में गुजरात में किए विकास कार्य मध्यप्रदेश को नई गति प्रदान करेंगे। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के निदेशक डॉ. निमेश शाह ने कहा कि एनडीडीबी, मध्यप्रदेश सरकार और 6 दुग्ध संघ के बीच सहकार्य अनुबंध (एमओयू) हो रहा है। राज्य सरकार ने संगठित बोर्ड के माध्यम से दूध उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अनुबंध की सहमति प्रदान की है। इस अनुबंध से किसानों को प्रशिक्षण देना, दूध उत्पादों की मार्केटिंग सहित अनेक कार्य किए जाएंगे। राष्ट्रीय डेयरी प्लान श्वेत क्रांति 2.0 के लक्ष्यों में महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण और उनके लिए रोजगार के अवसर सृजित करना शामिल है।

10 जल विद्युत गृहों ने उत्पादित की 2757 मिलियन यूनिट बिजली: ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने नियामक आयोग के निर्धारित लक्ष्य से अधिक किया जल विद्युत उत्पादन

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश नियामक आयोग द्वारा निर्धारित वार्षिक उत्पादन लक्ष्य को पार करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने पॉवर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2694 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। जल विद्युत गृहों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 2757 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। जल विद्युत गृहों द्वारा वर्ष 2020-21 के बाद यह उपलब्धी हासिल की। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी की जल विद्युत उत्पादन क्षमता 915 मेगावाट है

छह जल विद्युत गृहों ने वार्षिक लक्ष्य से अधिक किया उत्पादन

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के इस उपलब्धि में 90 मेगावाट स्थापित क्षमता के रानी अवंतीबाई सागर जल विद्युत गृह बरगी, 160 मेगवाट स्थापित क्षमता के पेंच जल विद्युत गृह तोतलाडोह, 315 मेगावाट स्थापित क्षमता के बाणसागर-एक टोंस जल विद्युत गृह सिरमौर, 20 मेगावाट स्थापित क्षमता के बाणसागर-4 जल विद्युत गृह झिन्ना, 45 मेगावाट स्थापित क्षमता के राजघाट जल विद्युत गृह और 60 मेगावाट स्थापित क्षमता के मरहीखेड़ा जल विद्युत गृह ने प्रमुख योगदान दिया। इन सभी विद्युत गृहों ने अपने वार्षिक उत्पादन लक्ष्य से अधिक विद्युत उत्पादन किया। बाणसागर--2 जल विद्युत गृह सिलपारा व बाणसागर--3 जल विद्युत गृह देवलोंद ने भी नियामक आयोग के निर्धारित लक्ष्य को हासिल किया।

बरगी जल विद्युत गृह का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के रानी अवंती बाई सागर जल विद्युत गृह बरगी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए वर्ष 2013-14 के बाद पहली बार नियामक आयोग द्वारा निर्धारित वार्षिक लक्ष्य 508 मिलियन यूनिट की तुलना में 509 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। यह पिछले वर्ष की तुलना में 58 मिलियन यूनिट अधिक है। 37 वर्ष पुराने बरगी जल विद्युत गृह का प्लांट अवेलेबिलिटी फैक्टर 92.5 प्रतिशत रहा।

बिजली चोरी के सूचनाकर्ता को पारितोषिक की 5 फीसदी राशि तुरंत मिलेगी

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली होने पर सूचनाकर्ता को 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जाती है। योजना के संशोधित प्रावधान के अनुसार 5 प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचनाकर्ता को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा। शेष पांच प्रतिशत राशि पूर्ण वसूली उपरांत देय होगी।

कंपनी में कार्यरत नियमित कर्मचारी/ संविदा/ आउटसोर्स कर्मचारी को भी सूचनाकर्ता के रूप में शामिल किया गया है। सूचना सही पाए जाने एवं जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश की पूर्ण वसूली होने पर एक प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में दी जाएगी। कंपनी ने कहा है कि विभिन्न परिसरों की जांच एवं जांच के बाद बनाये गये पंचनामा के आधार पर आरोपी के विरूद्ध निकाली गयी राशि की वसूली में सभी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। कंपनी ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ जांच एवं वसूली के कार्य में शामिल बाह्य स्त्रोत कर्मचारियों को भी परितोषिक योजना के तहत दी जाने वाली 2.5 (ढाई) प्रतिशत प्रोत्साहन राशि को सभी संबंधितों को समान रूप में दिया जाना निर्धारित किया गया है।

कंपनी ने कहा है कि अब पारितोषिक योजना की पूरी जानकारी जैसे बिलिंग, भुगतान से संबंधित गतिविधियों को ऑनलाइन कर दिया गया है। अब सूचनाकर्ता को कंपनी के पोर्टल पर गुप्त रूप से दिए गए प्रारूप में बैंक खाता, पहचान क्र. (आधार अथवा पेन) देना अनिवार्य कर दिया है। कंपनी द्वारा विद्युत की चोरी के प्रभावी रोकथाम एवं विद्युत के अवैध उपयोग को रोकने के लिए यह योजना चलाई गई है। योजनांतर्गत कोई भी व्यक्ति बिजली के अवैध उपयोग के संबंध में सूचना कंपनी मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक, संचा. संधा/शहर वृत्त कार्यालय के महाप्रबंधकों को लिखित अथवा मोबाईल के साथ ही कंपनी की वेबसाईट portal.pmcz.in पर ऑनलाईन सूचना दे सकते हैं।

पोर्टल अथवा उपाय एप पर देनी होगी सूचना

कंपनी द्वारा योजना में सूचनाकर्ता को निर्धारित शर्तों के अधीन पारितोषिक देने का प्रावधान है। इस राशि की अधिकतम सीमा नहीं है। वर्तमान में इस व्यवस्था को पूर्ण रूप से ऑनलाइन किया गया है। कंपनी की वेबसाइट portal.mpcz.in पर जाकर informer scheme लिंक पर क्लिक करके, सूचनाकर्ता के द्वारा गुप्त सूचना दर्ज की जा सकती है एवं उपाय ऐप के माध्यम से भी बिजली चोरी की सूचना दी जा सकती है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सभी नागरिकों के साथ आउटसोर्स कर्मचारियों तथा उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे गुप्त सूचना देकर, पारितोषिक योजना का लाभ उठाकर कंपनी को सहयोग प्रदान अवश्य करें।

नीमच की वीर भूमि पर आपका स्वागत है गृहमंत्री जी , प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने प्रदान किया था ध्वज, तब से मनाया जाने लगा सीआरपीएफ दिवस

नीमच. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 17 अप्रैल को नीमच के सीआरपीएफ में आयोजित सीआरपीएफ दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। इस समारोह में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव भी उनके साथ रहेंगे। सीआरपीएफ दिवस प्रतिवर्ष 19 मार्च को मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन वर्ष 1950 में तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा बल को ध्वज प्रदान किया गया था। इस वर्ष परेड 17 अप्रैल को विस्तारित समारोहों के तहत आयोजित की जा रही है। नीमच का ऐतिहासिक मूल्य भी इस अवसर पर विशेष महत्व रखता है। यहीं 27 जुलाई 1939 को ब्रिटिश शासनकाल में क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिसकी स्थापना की गई थी, जिसे स्वतंत्रता के पश्चात 28 दिसंबर 1949 को देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने "सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ)" नाम दिया। सीआरपीएफ ने देशी रियासतों के एकीकरण से लेकर आंतरिक सुरक्षा, उग्रवाद-आतंकवाद विरोधी अभियानों, अंतर्राष्ट्रीय शांतिस्थापना, वीआईपी सुरक्षा और आपदा प्रबंधन तक अनेक मोर्चों पर सशक्त भूमिका निभाई है। आज यह विश्व का सबसे बड़ा अर्धसैनिक बल शहीदों को देंगे श्रद्धांजलि-

नीति आयोग से आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खंडवा को मिला 3 करोड़ रुपये का पुरस्कार

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में किया उल्लेखनीय सुधार

भोपाल : आकांक्षी जिला कार्यक्रम में खंडवा जिले ने स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। नीति आयोग ने खंडवा के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की है। नीति आयोग ने बेहतर कार्यों के लिये खंडवा जिले को 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की है। इस उपलब्धि के लिये जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और कुपोषण के खिलाफ व्यापक रणनीति अपनाने के प्रयास प्रमुख रहे हैं। खंडवा की उपलब्धि मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषयः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खंडवा की उपलब्धि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम में इस तरह की सफलता प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि खंडवा प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और एएनएम के सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों, मैदानी कार्यकर्ताओं की सराहना की है।

फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को निरंतर प्रशिक्षित कर कार्यक्षमता में की गई वृद्धि

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिये योजनाबद्ध प्रयास किए गए। जिले में प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया। आउटरीच स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर दूरस्थ इलाकों में चिकित्सा सुविधा पहुंचाई गई। इसके साथ ही फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को निरंतर प्रशिक्षित कर उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि की गई।

हाई रिस्क प्रेगनेंसी की समय पर पहचान कर संस्थागत सुरक्षित प्रसव किया गया सुनिश्चित

खंडवा जिले में मातृ स्वास्थ्य में सुधार के लिये गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, जांच और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए नवीन प्रसव केंद्र स्थापित किए गए। चिन्हित उप-स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसूति संबंधी समस्त आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गयी, इससे घर पर प्रसव के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान कर उनका समुचित उपचार सुनिश्चित किया गया। 'लक्ष्य' एवं नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड्स (एनक्यूएएस) में जिले की 25 स्वास्थ्य संस्थाओं को उन्नत किया गया, जिससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल रही हैं।

छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण और कुपोषित बच्चों की विशेष देखरेख

खंडवा जिले में शिशु स्वास्थ्य में सुधार के लिए समेकित प्रयास किए गये। सम्पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने के साथ कुपोषण निदान की प्रभावी कार्वाई से सकारात्मक परिणाम मिलना प्रारम्भ हुए। 'मिशन इंद्रधनुष' के तहत छूटे हुए बच्चों को चिन्हित कर उन्हें पूर्ण टीकाकरण के दायरे में लाया गया। कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पूरक पोषण योजनाओं से जोड़ा गया। आंगनवाड़ी केंद्रों शिशु पोषण और देखभाल पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को किया सशक्त

खंडवा जिले में 177 उप-स्वास्थ्य केंद्रों को 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' के रूप में क्रियाशील किया गया, जिससे ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हुईं। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत लक्ष्य से अधिक मरीजों की पहचान कर उन्हें उपचारित किया गया। नॉन-कम्युनिकेबल डिसीज (एनसीडी) कार्यक्रम में ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच के लिए व्यापक अभियान चलाया गया। इससे मरीजों का समय पर उपचार संभव हुआ।

स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण में पुरस्कार राशि से किए जायेंगे विकास कार्य

कलेक्टर खंडवा श्री ऋषव गुप्ता ने कहा कि नीति आयोग द्वारा प्राप्त 3 करोड़ रुपए की राशि को स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण के चिन्हित क्षेत्रों में निवेश किया जाएगा, जिससे जिले के विकास को और गति मिलेगी।

साइबर ठगी मामले में ED की बड़ी कार्रवाई, 303 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में दायर की सप्लीमेंटरी चार्जशीट

ईडी ने साइबर ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े बड़े घोटाले में 28 मार्च 2025 को राउज एवेन्यू कोर्ट में सप्लीमेंटरी चार्जशीट दाखिल की है. इस केस में अब तक 303 करोड़ रुपये के फर्जी लेनदेन का खुलासा हो चुका है. जांच एजेंसी ने पहले इसी मामले में 25 जनवरी 2025 को चार्जशीट दायर की थी, जिस पर 10 फरवरी 2025 को कोर्ट ने संज्ञान लिया था. अब इस केस की जांच करते हुए ईडी ने सबूतों और गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ सप्लीमेंटरी चार्जशीट दाखिल की है, जिस पर अदालत ने 2 अप्रैल 2025 को संज्ञान ले लिया.

ईडी ने इस मामले में 28 नवंबर 2024 को राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, महाराष्ट्र और तेलंगाना में 13 ठिकानों पर छापेमारी की थी. इस छापेमारी में बड़ी मात्रा में डिजिटल एविडेंस बैंक अकाउंट डिटेल्स, क्रिप्टो वॉलेट्स, कैश और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए. इसके बाद मामले की जांच और तेज की गई, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग और साइबर फ्रॉड से जुड़े कई अहम खुलासे हुए.

ईडी ने इन 8 आरोपियों को किया है गिरफ्तार

CA अजय – मनी लॉन्ड्रिंग और फर्जी अकाउंट्स के संचालन में शामिल

CA विपिन यादव – साइबर ठगी से जुड़े लेन-देन की प्लानिंग में शामिल

क्रिप्टो ट्रेडर जितेंद्र कसवान – फर्जी धन को क्रिप्टोकरेंसी में बदलने का मास्टरमाइंड

क्रिप्टो ट्रेडर अल्लाड़ी राजासाई – दुबई से क्रिप्टो एक्सचेंज और मनी ट्रांसफर का संचालन

राकेश करवा – साइबर ठगी नेटवर्क से जुड़ा महत्वपूर्ण सदस्य छोटू सिंह गुर्जर – ठगी के पैसे को इधर-उधर करने और कैश मनी लॉन्ड्रिंग में मददगार मोहित सिंह – फर्जी बैंक अकाउंट्स और ट्रांजेक्शन में शामिल

कुलदीप सिंह – धोखाधड़ी और मनी म्यूल नेटवर्क को संचालित करने में मददगार

ED के मुताबिक, ये सभी आरोपी देशभर में फैले साइबर फ्रॉड नेटवर्क का हिस्सा थे और एक बड़े संगठित आपराधिक सिंडिकेट के निर्देशों पर काम कर रहे थे. जांच में खुलासा हुआ कि ठगी के इस जाल को टेलीग्राम ग्रुप्स के जरिए ऑपरेट किया जा रहा था. इन ग्रुप्स के मेंबर्स Jennifer, Alan, Tom, Tom-Support जैसे नामों से जुड़े थे.

ED की चार्जशीट के मुताबिक फ्रॉड कैसे होता था

फर्जी निवेश योजनाएं, सट्टेबाजी और पार्ट-टाइम जॉब्स का झांसा देकर लोगों से संपर्क किया

स्कूली शिक्षा की बेहतरी के लिए किया है पिछले बजट से 3000 करोड़ रुपए अधिक का प्रावधान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

▶ मुख्यमंत्री ने नई शिक्षा नीति-2020 के अक्षरशः पालन के दिए निर्देश ▶ माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा परिणाम समय पर घोषित हो ▶ प्रदेश के सभी शासकीय स्कूलों में आधारभूत संरचनाओं की उपलब्धता करें सुनिश्चित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हर बच्चे की शिक्षा, चिकित्सा और पोषण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश के हर विद्यालय में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहें, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्कूली शिक्षा की बेहतरी के लिए हमने विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 3000 करोड़ रुपए अधिक बजट का प्रावधान किया। हम अपनी शिक्षा व्यवस्था में सभी जरूरी सुधार लाने की दिशा में और अधिक मजबूती से आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रीष्मकाल में प्रत्येक शासकीय विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए बिजली, पंखा, स्वच्छ व शीतल पेयजल और छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्थाएं की जाएं। कोई भी शाला जर्जर हालत में न रहे। सभी विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए एक अच्छा माहौल और प्रोत्साहन देने वाला परिवेश उपलब्ध करायें, ताकि बच्चे खुशी-खुशी विद्यालय पहुंचे। विभागीय अधिकारी कन्या छात्रावास में महिला अधिकारी की नियुक्ति, स्कूलों में मध्यान्ह भोजन के प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था नई जरूरतों के मुताबिक सुधार लाने के लिए सांदीपनी विद्यालय (सीएम राइज स्कूल) जैसे क्रांतिकारी नवाचार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सांदीपनि विद्यालय देश में एक आदर्श विद्यालय (मॉडल स्कूल) बनकर उभरें, इसके लिए सभी जरूरी तैयारियां और प्रयास किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को शिक्षा नीति-2020 के अक्षरशः पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में लागू नई शिक्षा नीति के मॉडल का अध्ययन कर कार्य योजना तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाईयों तक ले जाने के लिए हमारी सरकार स्कूलों में आधारभूत संरचनाओं व सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध होकर प्रयासरत है। उन्होंने जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत कार्य में स्थानीय पूर्व सांसद और पूर्व विधायक, समाजसेवी संस्थाओं, पूर्व छात्रों एवं सीएसआर फंड से भी सहयोग लेने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि स्कूलों में आर्थिक या व्यवस्थागत सुधार में मदद करने वालों का सरकार सम्मान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को विधानसभा वार जर्जर स्कूल भवनों की जानकारी एकत्रित करने का निर्देश दिया, ताकि विद्यालयों के अधोसंरचना विकास कार्यों में विधायक निधि से भी सहयोग लिया जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देशित किया कि मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के वार्षिक परिणाम समय पर घोषित किए जायें। बताया गया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा इस वर्ष आगामी मई माह के प्रथम सप्ताह में ही रिजल्ट घोषित करने की तैयारी की जा रही है।

नैतिक शिक्षा देने पर जोर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राथमिक स्कूल स्तर से ही बच्चों को आदर्श पारिवारिक मूल्यों की नैतिक शिक्षा देने के लिए उचित प्रबंध करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विद्या भारती, गायत्री परिवार और आर्ट ऑफ लिविंग जैसी संस्थाओं को प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों से जोड़ा जाए। बाल्यकाल में प्राथमिक कक्षा से ही विद्यार्थियों में संस्कारों के विकास का क्रम जारी रहना चाहिए।

समिति बनाने के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा में सुधार के लिए सुझावों का सरकार स्वागत करेगी। मिले सुझावों पर विचार-विमर्श के लिए विशेषज्ञों के साथ शीघ्र ही एक बैठक आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वित्त विभाग, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, रोजगारपरक व्यावसायिक शिक्षा (कौशल विकास), जनजातीय कार्य, महिला एवं बाल

विकास विभाग के मंत्रीगण की एक समिति बनाकर संयुक्त बैठक आयोजित करने और शैक्षिक सुधार की कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासकीय विद्यालयों में भोजन की उपलब्धता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत रिजल्ट देने वाली स्कूलों को अपग्रेड किया जाए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में एक सांदीपनी विद्यालय (सीएम राइज) संचालित किया जा रहा है। इन स्कूलों के नवीन भवनों के निर्माण कार्य भी प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनी विद्यालय देश में ऐसे आदर्श विद्यालय बनाने हैं, जहां पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को खेल-कूद, कला-संस्कृति एवं छात्रों के समग्र विकास का प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सांदीपनी विद्यालयों में 145 बसें संचालित की जा रही हैं। बस संचालन में सभी नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए और ड्रायवर-कंडक्टर के व्यवहार पर विशेष निगरानी रखी जाए। स्कूल शिक्षा विभाग और जनजाति विभाग की अंतर्गत प्रदेश में 369 संदीपनी विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। बताया गया कि स्कूल शिक्षा विभाग की 275 और जनजातीय कार्य विभाग के 94 सांदीपनी विद्यालय शामिल हैं। 8 संदीपनी विद्यालयों भवनों का लोकार्पण हो चुका है और 10 भवन बनकर लोकार्पण के लिए तैयार हैं। जून 2025 तक 34 नए सांदीपनी विद्यालय भवनों का निर्माण पूर्ण हो जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों की भर्ती और अतिशेष शिक्षकों की नियुक्ति संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षकों की स्थानांतरण प्रक्रिया में पूर्ण रूप से प्रदर्शित बरती जाए। लापरवाही करने वाले जिला शिक्षा अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने उज्जैन में शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक का रिक्त पद शीघ्र भरने के निर्देश दिये। प्रदेश में 1 अप्रैल से स्कूल खुल चुके हैं और एडमिशन पोर्टल पर अबतक 15 लाख से अधिक विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन हुआ है। पहली कक्षा में बच्चों का प्रवेश घटने पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि शासकीय स्कूलों में नर्सरी कक्षा भी शुरू करने की आवश्यकता है, क्योंकि एक बार कोई बच्चा प्राइवेट नर्सरी स्कूल में दाखिला ले लेता है, तो फिर उसका शासकीय स्कूल में लौटना मुश्किल हो जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूलों में भारत स्काउट गाइड, एनसीसी सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली और मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप तथा स्कूटी वितरण की समीक्षा की।

बैठक में अधिकारियों ने बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए बताया कि वर्ष-2025 की बोर्ड परीक्षा में 266 संवेदनशील केंद्रों पर जैमर लगाकर मोबाइल के माध्यम से नकेल कसी गई। नकल और पेपर लीक जैसी घटनाएं रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों पर पहले से ज्यादा सतर्कता बरती गई, इसमें परीक्षा केंद्र पर पेपर बॉक्स खोलने की वीडियोग्राफी, उत्तर पुस्तिकाओं की बार कोडिंग मार्किंग सहित कई नवाचार शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि एनईपी के अंतर्गत साल में दो बार परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिससे असफल विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देने का मौका मिलेगा और उनके रिजल्ट में सुधार आएगा, साथ ही उनका साल भी खराब होने से बचेगा। बैठक में अपर मुख्य सचिव एवं माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष श्रीमती स्मिता भारद्वाज, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, सचिव स्कूल शिक्षा डॉ संजय गोयल, आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता सहित स्कूल शिक्षा विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण पर केंद्रित वर्कशाप और मेले जिला स्तर पर लगाए: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इन्वेस्टर्स समिट के समान उद्यानिकी व खाद्य प्र-संस्करण पर भी आयोजन हों

प्रदेश में पीपीपी मोड पर विकसित की जाएंगी नर्सरियां

विश्वविद्यालयों व शासकीय विभागों की खाली जमीनों पर उद्यान विकसित किए जाएं

रोजगारपरक गतिविधियों के लिए खाद्य प्र-संस्करण पर विशेषज्ञता आधारित सेल गठित किया जाए

चंबल, मालवा और महाकौशल में क्षेत्र विशेष की आवश्यकतानुसार उद्यानिकी विकास की बनाई जाए कार्य योजना

बागवानी और नर्सरी लगाने को जन आंदोलन बनाना जरूरी

विधायक और पंचायत प्रतिनिधि अपने -अपने क्षेत्र में विकसित करें आदर्श बागवानी

इंदौर के मालवी आलू व गराडू तथा जबलपुर के मटर व सिंघाड़ा सहित जिले के उत्पादों को जीआई टैग दिलाने की प्रकिया जारी

उद्यानिकी में नवाचार करने वाले किसानों को किया जाए सम्मानित

मुख्यमंत्री ने की उद्यानिकी तथा खाद्य संस्करण विभाग की समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में उद्यानिकी फसलों की जिलेवार मैपिंग की जाए। विश्वविद्यालय सहित अन्य शासकीय विभागों की खाली जमीनों पर उद्यान विकसित करने तथा प्रदेश में पीपीपी मोड पर नर्सरीयां विकसित करने के लिए कार्य योजना बनायी जाए। प्रदेश के सभी जिलों में उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण पर केंद्रित वर्कशॉप और मेले आयोजित कर जिलों के किसानों और उद्यमियों को अन्य जिलों में संचालित बेस्ट प्रैक्टिसेज से परिचित कराया जाए। जिलों में कृषि और उद्यानिकी के क्षेत्र में नवाचार करने तथा अपने स्तर पर इस क्षेत्र में उपलब्धियां अर्जित करने वाले किसानों का सम्मान किया जाए। इन्वेस्टर्स समिट के समान प्रदेश में उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण पर समिट का आयोजन हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण विभाग की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश में कृषि विशेष रूप से उद्यानिकी फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रदेश, भौगोलिक दृष्टि से सम्पन्न है, साथ ही सिंचाई और बिजली की भी पर्याप्त उपलब्धता है। प्रदेश कि उद्यानिकी के क्षेत्र में राष्ट्रीय औसत से भी आगे निकले। उद्यानिकी के साथ खाद्य प्र-संस्करण के माध्यम से रोजगार के अवसर निर्मित करने की दिशा में भी अन्तर्विभागीय समन्वय के साथ कार्य किया जाए। विभाग में विशेषज्ञों तथा तकनीकी दक्षता पर केंद्रित सेल स्थापित कर खाद्य प्र-संस्करण क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को प्रोत्साहित किया जाए। प्रदेश के तीनों क्षेत्रों चंबल-मालवा और महाकौशल में उद्यानिकी की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्षेत्र विशेष की आवश्यकता के अनुसार कार्य योजना बनाई जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को उनकी मेहनत और उपज का वाजिब मूल्य मिले, उन्हें यह भरोसा दिलाना आवश्यक है। किसानों की उपज के लिए उपयुक्त सुविधाजनक स्थलों पर स्टोरेज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही आस-पास की मंडियों में उपज के मूल्य की सही जानकारी किसानों को उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्था विकसित करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बागवानी विकसित करने को जन आंदोलन बनाना जरूरी है। सभी विधायक और पंचायत प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र में आदर्श बागवानी या नर्सरी विकसित कर क्षेत्र के किसानों को अपने स्तर पर प्रेरित करें। श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए किसानों को पुरस्कृत करने की व्यवस्था भी हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र जैसी संस्थाओं से किसानों के संवाद को भी प्रोत्साहित करना आवश्यक है।

बैठक में जानकारी दी गई कि आगामी माह में नीमच, मंदसौर में औषधीय कृषि के लिए उद्यानिकी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होगा। प्रदेश में 22 लाख 72 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में उद्यानिकी फसलें ली जा रही हैं। आगामी 5 वर्ष में 33 लाख 91 हजार हैक्टयर तक ले जाने का लक्ष्य है। प्रदेश मसालों के उत्पादन में देश में प्रथम, उद्यानिकी में द्वितीय, पुष्प और सब्जी उत्पादन में तृतीय तथा फल उत्पादन में देश में चौथे स्थान पर है। रीवा के सुंदरजा आम और रतलाम के रियावन लहुसन को जीआई टैग प्राप्त हो चुका है। स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से खरगोन की लाल मिर्च, जबलपुर के मटर, बुरहानपुर के केले, सिवनी के सीताफल, बरमान नरसिंहपुर के बैंगन, बैतूल के गजरिया आम, इंदौर के मालवी आलू, रतलाम की बालम ककड़ी, जबलपुर के सिंघाड़ा, धार की खुरासानी इमली और इंदौर के मालवी गराडू को जीआई टैग दिलाने की प्रकिया जारी है। इससे इन उत्पादों के निर्यात में वृद्धि होने से किसानों की आय भी बढ़ेगी। बैठक में विभिन्न केंद्रीय और राजकोषीय योजनाओं की प्रगति की समिक्षा की गई।

चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में करियर

चार्टर्ड अकाउंटेंट पैसे के प्रबंधन से संबंधित काम करते हैं और वित्तीय सलाह देते हैं। वे वित्तीय लेन-देन का रिकॉर्ड रखते हैं जिसे हर संगठन को कानून के अनुसार रखना ज़रूरी होता है और वे कंपनी का ऑडिट भी करते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान के सदस्य होते हैं। वे निजी प्रैक्टिस में या फर्मों और संगठनों के लेखा विभाग में काम करते हैं। निजी प्रैक्टिस में काम की सीमा प्रैक्टिस के आकार और स्थान (शहर) के अनुसार बहुत भिन्न हो सकती है। यदि यह एक बड़ी प्रैक्टिसिंग फर्म है तो संगठन के भीतर व्यक्तिगत एकाउंटेंट की अधिक विशेषज्ञता होती है।कंप्यूटर का इस्तेमाल अकाउंटिंग और ऑडिटिंग में व्यापक रूप से किया जाता है। अकाउंटेंट वित्तीय रिकॉर्ड के लिए मानक प्रारूपों में लेनदेन का सारांश तैयार करते हैं, अनुमानित वित्तीय अनुपात की गणना करते हैं या वित्तीय विश्लेषण के लिए डेटा को विशेष प्रारूपों में व्यवस्थित करते हैं।लेखाकार निम्नलिखित में से किसी भी कार्य में शामिल हो सकते हैं:

वित्तीय लेखांकन

वित्तीय लेखांकन वित्तीय रिकॉर्ड रखने से संबंधित है। इस कार्य में खातों की व्याख्या करना, व्यय और आय का पर्यवेक्षण, नियंत्रण और आयोजन करना आदि शामिल है। इसमें दैनिक, मासिक और वार्षिक प्रबंधन खातों का संकलन करना शामिल है।

कार्य इस प्रकार हैं:

परिचालन खातेआंतरिक लेखापरीक्षा करनामजदूरी और वेतन से निपटनाखातों का भुगतान करना और चालान भेजनाकर प्रबंधन

लेखा परीक्षा

कंपनी अधिनियम के अनुसार निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों के लिए वैधानिक ऑडिट आवश्यक है।सीए प्रबंधन प्रक्रियाओं और आंतरिक नियंत्रणों पर नजर रखने के लिए आंतरिक ऑडिट करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि रिकॉर्ड सटीक हैं और नियंत्रण उचित हैं। वे कॉर्पोरेट नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुपालन की समीक्षा करते हैं।कर लेखा परीक्षक उचित कर देयता निर्धारित करने के लिए करदाताओं द्वारा प्रदान किए गए वित्तीय रिकॉर्ड और अन्य जानकारी की समीक्षा करते हैं। सरकारी विभागों में कर लेखा परीक्षक होते हैं जिन्हें करदाताओं के खातों का ऑडिट करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है।

लागत लेखांकन

लागत लेखांकन इस जटिल व्यवसाय से संबंधित है कि किस विशेष संचालन, कार्य, उत्पाद के उत्पादन में वास्तव में कितना खर्च आता है। यह निम्नलिखित तक विस्तृत है:

बजट और बजटीय नियंत्रणपूर्वानुमानव्यय पर निगरानी रखना ताकि यह देखा जा सके कि लागत अत्यधिक न हो जाए

कर प्रबंधन

सीए कर प्रबंधकों के रूप में विशेषज्ञ होते हैं और फर्म की वित्तीय संरचना को अनुकूलित करने में सहायता करते हैं। वे नई योजनाओं, कंपनी संरचनाओं में परिवर्तन, वास्तव में किसी भी बड़े निर्णय के कर निहितार्थों को देखते हैं। वे प्रदर्शन लक्ष्यों के कर प्रभाव पर सलाह देते हैं।

प्रबंधन लेखांकन

प्रबंधन लेखांकन एक ऐसा कार्य है जो वरिष्ठ चार्टर्ड एकाउंटेंट करते हैं।वे संगठन के सभी भागों से सूचना एकत्रित, व्यवस्थित, संयोजित और विश्लेषित करते हैं।पिछले और वर्तमान वित्तीय प्रदर्शन का नियमित रूप से आलोचनात्मक विश्लेषण करेंभविष्य के लिए अनुमान लगाएं.

कंसल्टेंसी

कंसल्टेंसी एक चुनौतीपूर्ण नौकरी है, जो प्रतिभाशाली और महत्वाकांक्षी युवा CA के लिए है। आज के समय में व्यवसाय को अकाउंटिंग से संबंधित सही जानकारी की आवश्यकता है। कंसल्टेंट के कार्य निम्नलिखित क्षेत्रों से संबंधित हैं:कंपनी गठन और संरचना, परिसमापन और वित्तीय पहलुओं के बारे में कॉर्पोरेट कानून सलाहपरियोजना नियोजन और वित्तीय संसाधन पर सलाहअधिग्रहण, पूंजी शेयरों के निर्गमन, अन्य फर्मों के साथ एकीकरण के लिए शेयर मूल्यांकन की जांच।विस्तार, लाभ विश्लेषण, लाभ सुधार, संयुक्त उद्यम कार्यक्रम आदि के संबंध में व्यावसायिक सलाह।सचिवीय अभ्यास और प्रक्रियाएंसूचना प्रणाली प्रबंधन

उद्योग में सी.ए.

उद्योग में CA आमतौर पर लेखा विभाग के उच्च पदों पर और सभी स्तरों पर वित्त प्रभाग में पाए जाते हैं। नियमित भूमिका के अलावा CA नियोजन और वित्तीय रणनीतियों, शेयर जारी करने के लिए प्रॉस्पेक्टस तैयार करने, पेंशन फंड और दीर्घकालिक निवेश का प्रबंधन, संभावित निवेशों की जांच, विलय या अधिग्रहण में शामिल होते हैं।

आवश्यक कौशल

कड़ी मेहनत के लिए अनुशासित रवैया
सामाजिक-आर्थिक वातावरण की अच्छी समझ जिसमें संगठन कार्य करते हैं संख्यात्मक क्षमता तार्किक और व्यवस्थित दृष्टिकोण तनाव सहने की क्षमता विस्तार पर ध्यान देना विभिन्न प्रकार के लोगों से निपटने की क्षमता सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक स्थितियों में लागू करने में आवश्यक कौशल नैतिक मूल्य, विश्लेषणात्मक मन अच्छी मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति व्यावसायिक कौशल,धैर्यवान और मेहनती रोजगार के अवसरचार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए अवसर विविध हैं: स्वतंत्र व्यावसायिक अभ्यासचार्टर्ड अकाउंटेंट्स फर्मपूंजी बाजार सेवाएंव्यापारिक घराने और उद्योगपरामर्श फर्मबड़े संगठन और संस्थाएँवित्तीय संस्थानों चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान के 78,000 से अधिक सदस्य हैं, जिनमें से 70% सार्वजनिक प्रैक्टिस में कार्यरत हैं तथा शेष व्यापार और उद्योग में सेवाओं में लगे हुए हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी परीक्षा तीन स्तरों में विभाजित है।

नींव मध्यवर्ती &अंतिम परीक्षा

*कक्षा 10 पास छात्र फाउंडेशन कोर्स के लिए संस्थान के बोर्ड ऑफ स्टडीज (BoS) में पंजीकरण करा सकते हैं। इसके लिए निम्नलिखित चरण हैं:
फाउंडेशन कोर्स के लिए पंजीकरण कराएं और 4 महीने की सैद्धांतिक शिक्षा पूरी करें।कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद फाउंडेशन परीक्षा में शामिल होंफाउंडेशन परीक्षा उत्तीर्ण करें
इंटरमीडिएट कोर्स चार्टर्ड अकाउंटेंसी परीक्षा का दूसरा स्तर है। आगे बढ़ने के चरण इस प्रकार हैं
इंटरमीडिएट कोर्स की 8 महीने की सैद्धांतिक शिक्षा के लिए पंजीकरण कराएं और आगे बढ़ेंकम से कम इंटरमीडिएट परीक्षा के ग्रुप I में उत्तीर्ण होना चाहिए।सूचना प्रौद्योगिकी और सॉफ्ट स्किल्स (ICITSS) पर 4 सप्ताह का एकीकृत पाठ्यक्रम पूरा करेंव्यावहारिक प्रशिक्षण शुरू करें। (कम से कम ग्रुप I उत्तीर्ण करने पर 3 वर्षीय व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण करें)

सीए फाइनल परीक्षा.

इंटरमीडिएट कोर्स के दोनों ग्रुपों में उत्तीर्ण होने पर अंतिम कोर्स में पंजीकरण करेंव्यावहारिक प्रशिक्षण के अंतिम दो वर्षों के दौरान 4 सप्ताह का उन्नत आईसीआईटीएसएस पूरा करें।पूर्ण व्यावहारिक प्रशिक्षणव्यावहारिक प्रशिक्षण पूरा होने के बाद अंतिम परीक्षा देंआईसीएआई की सदस्यता लें
नोटः फाउंडेशन कोर्स के उम्मीदवारों के लिए छूट।
जिन लोगों ने इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया/इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की इंटरमीडिएट स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की है, उन्हें छूट दी गई है। वे सीधे सीए इंटरमीडिएट कोर्स के लिए पंजीकरण कर सकते हैं और वहां से कोर्स कर सकते हैं।

स्नातक और स्नातकोत्तर के लिए रूट 2

इंटरमीडिएट कोर्स के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज में पंजीकरण कराएं (अंतिम वर्ष के छात्रों को अनंतिम पंजीकरण की अनुमति है)।व्यावहारिक प्रशिक्षण शुरू होने से पहले सूचना प्रौद्योगिकी और सॉफ्ट स्किल्स (आईसीआईटीएसएस) पर 3 सप्ताह का एकीकृत पाठ्यक्रम पूरा करें।CA के साथ तीन साल के व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण करेंबारह महीने के व्यावहारिक प्रशिक्षण के बाद इंटरमीडिएट परीक्षा लें और दोनों समूहों में उत्तीर्ण हों।अंतिम पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण करेंव्यावहारिक प्रशिक्षण के अंतिम दो वर्षों के दौरान 3 सप्ताह का उन्नत ICITSS पूरा करेंव्यावहारिक प्रशिक्षण समाप्त करेंअंतिम परीक्षा लेंआईसीएआई की सदस्यता लें।

भारत में धार्मिक स्थल, जहां आपको भगवत् दर्शन के साथ मिलती है आध्यात्मिक शांति

वैष्णो देवी, जम्मू और कश्मीर

वैष्णो देवी की गुफा और अंदर का मनोहारी दृश्य सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध है। वैष्णो देवी मंदिर जम्मू से लगभग 42 किलोमीटर दूर कटरा नामक स्थान पर स्थित है। वैष्णो देवी मंदिर हज़ारों लाखों की आस्थाओं की धरोहर जम्मू कश्मीर में है। जहाँ साल-भर भारी संख्या में श्रद्धालु माता वैष्णो देवी के दर्शन करने आते हैं। इस मंदिर में अनेकों कहानियां है कहा जाता है कि देवी वैष्णों इस गुफा में छिपी और एक राक्षस का वध कर दिया था। इस मंदिर का मुख्य आकर्षण गुफा में रखे तीन पिंड है। मंदिर के पिंड एक गुफा में स्थापित है, गुफा की लंबाई 30 मी. और ऊंचाई 1.5 मी. है।

स्वर्ण मंदिर, अमृतसर

शुद्ध सोने से बना सिखों का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल स्वर्ण मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर अमृतसर नगर के बीचोबीच है। इसे दरबार साहिब भी कहा जाता है। यह देश का एक प्रमुख तीर्थस्थल है। यहां पूरे साल बड़ी संख्या में श्रद्धालू आते हैं। अमृतसर में स्थित इस मंदिर को सबसे पहले 16वीं शताब्दी में 5वें सिक्ख गुरू अर्जुन देव जी ने बनवाया था। 19वीं शताब्दी की शुरुआत में महाराजा रणजीत सिंह ने इस गुरुद्वारे की ऊपरी छत को 400 किग्रा सोने के वर्क से ढंक दिया। जिससे इसका नाम स्वर्ण मंदिर पड़ा।

तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर, आंध्रप्रदेश

यहाँ भगवान वेंकटेश्वर की भव्य मूर्ति सुशोभित है। यह मंदिर भारत के प्रमुख मंदिरों में से एक है। वेंकटेश्वर मंदिर भारत के सबसे महत्वपूर्ण आलीशान मंदिरों में से एक हैं। यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट रहती है। इस मंदिर की खूबसूरती और वातावरण तारीफ़ करने लायक है।वेंकटेश्वर मंदिर के शिखर पर स्वर्ण पत्थर यानी सोने का पत्थर चढ़ा हुआ है। यह मंदिर धार्मिक मान्यता में तो लोकप्रिय है ही साथ ही साथ इसके शिखर पर सोने का पत्थर देखने के लिए भी पर्यटकों की भीड़ उमड़ी रहती है।

महाबोधि मंदिर बोधगया, बिहार

महाबोधि मंदिर में बुद्ध की एक बहुत बड़ी मूर्त्ति स्थापित है। माना जाता है कि महाबोधि मंदिर का निर्माण 5 वीं शताब्दी के पूर्व हुआ था। महाबोधि मन्दिर एक पवित्र बौद्ध धार्मिक स्थल है क्योंकि यह वही स्थान है जहाँ पर गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था। पश्चिमी हिस्से में पवित्र बोधि वृक्ष स्थित है। संरचना में द्रविड़ वास्तुकला शैली की झलक दिखती है। नि:सन्देह रूप से यह सबसे पहले बौद्ध मन्दिरों में से है जो पूरी तरह से ईंटों से बना है और वास्तविक रूप में अभी भी खड़ा है। इसी शैली में बनी चार छोटी लाटें केन्द्रीय लाट के चारों ओर स्थित हैं।

कोणार्क सूर्य मंदिर

भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों में जगन्नाथ मंदिर ओडिशा में सबसे अच्छा धार्मिक स्थल माना जाता हैं। इस मंदिर के प्रमुख देवता भगवान जगन्नाथ, बलभद्रऔर देवी सुभद्रा हैं। जगन्नाथ रथ यात्रा बहुत अधिक प्रसिद्ध हैं, जिसमे मंदिर के तीनो मुख्य देवताओं को एक रथ में बिठाया जाता हैं। इस पवित्र मंदिर को भारतीय संस्कृति का प्रामाणिक प्रतिबिंब माना जाता है।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग

भारत के धार्मिक स्थलों में शामिल सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भगवान शिव का पहले द्वादश ज्योतिर्लिंग (प्रकाश का स्तंभ) हैं। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग गुजरात राज्य में स्थित हिन्दू धर्म का एक प्रमुख धार्मिक स्थल हैं। हिन्दू धर्म से सम्बंधित यह पवित्र स्थान पर्यटकों को अपने दरबार में आमंत्रित करता हैं।

अमरनाथ गुफा

भारत में देखने वाली पवित्र जगहों में अमरनाथ गुफा भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में स्थित है। अमरनाथ गुफा भारत के प्राचीन तीर्थ स्थलों में शुमार हैं। माना जाता है कि भगवान भोले नाथ ने अपनी पत्नी देवी पार्वती की अमरता का रहस्य इसी स्थान पर उजागर किया था। यह स्थान अमरनाथ लिंग के लिए प्रसिद्ध हैं और हिन्दू धर्म का एक परम पूजनीय स्थान हैं।

वाराणसी

भारत के उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित वाराणसी भारत में एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है, जोकि हिन्दू धर्म की आस्था से सम्बंधित हैं। वाराणसी की सुन्दरता और अखंडता को देखने के लिए देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की लम्बी कतार लगी रहती है। शहर के मध्य से प्रवाहित होने वाली पवित्र गंगा नदी निस्संदेह वाराणसी शहर की सुन्दरता और पवित्रता को बढ़ा देती है। सुबह शाम होने वाली गंगा नदी की आरती से वाराणसी शहर में भक्ति लहर दौड जाती है।

द्वारका नगरी

भारत के धार्मिक स्थलों में शामिल द्वारिका नगरी एक प्रमुख तीर्थ स्थल हैं जिसका निर्माण महाभारत काल में भगवान श्री कृष्ण ने करबाया था। जब श्री कृष्ण और बलराम ने अपनी राजधानी मथुरा से द्वारिका में स्थानांतरित की थी। द्वारिका गुजरात के पश्चिमी छोर पर स्थित है। हिन्दू धर्म से सम्बंधित द्वारिका चार धामों में से एक हैं।

ऋषिकेश

ऋषिकेश भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्राओं में शामिल है। यहां स्थित असंख्य हिंदू मंदिरों और योग केंद्रों की भारी व्यवस्था की गई हैं। ऋषिकेश धाम भारत में यात्रा करने के लिए एक प्रमुख धार्मिक स्थल हैं।

मथुरा

भारत के दर्शनीय स्थलों में मथुरा एक ऐसी जगह है जोकि भारत की सबसे पवित्र भूमि मानी जाती हैं। दिल्ली से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह पवित्र स्थान भगवान श्री कृष्ण की जन्मभूमि के रूप में जाना जाता है। मथुरा अपने धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को दर्शाता हैं।

सबरीमाला मंदिर

भारत के प्रसिद्ध मंदिरों में सबरीमाला एक प्रमुख मंदिर हैं। सऊदी अरब में मक्का के हज तीर्थयात्रा के बाद लगभग 30 लाख से भी अधिक तीर्थयात्री सबरीमाला मंदिर में दर्शन के लिए जाते हैं। तीर्थ यात्रियों की अधिक संख्या इस मंदिर को दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा और भारत का प्रथम मंदिर बनाता हैं। यह मंदिर केरला में स्थित हैं और केवल दो महीने के लिए ही खुला रहता हैं।

हरिद्वार

भारत के धार्मिक स्थलों में शामिल हरिद्वार भारत के सात सबसे पवित्र शहरों में से एक हैं। हरिद्वार भारत के उत्तराखंड राज्य के गढ़वाल क्षेत्र में गंगा नदी के तट पर स्थित हैं। गंगा में डुबकी लगाने के लिए दूर-दूर से पर्यटक इस पावन भूमि पर आते हैं। प्रतिदिन शाम को विशाल भीड़ के साथ गंगा मैया की आरती की जाती हैं। हरिद्वार में लगने वाला कुम्भ का मेला यहां का सबसे बड़ा आकर्षण माना जाता हैं।

केदारनाथ

केदारनाथ भारत के प्रसिद्ध चारो धामों में से एक हैं और यह उत्तराखंड राज्य में हिमालय के गढ़वाल क्षेत्र में सबसे व्यस्त तीर्थ स्थल है। केदारनाथ में प्राचीन शिव मंदिर बना हुआ हैं। यह स्थान भगवान शिव और पांड्वो की एक कथा से जुड़ा हुआ हैं। केदारनाथ धाम की यात्रा पर्यटकों के लिए बहुत रमणीय और यादगार साबित होती है।

साईं बाबा का मंदिर

भारत का प्रसिद्ध दर्शनीय शिरडी वाले साईं बाबा मंदिर महान संत साईं बाबा का परम धाम और उनका निवास स्थान हैं। शिरडी का यह धार्मिक स्थल महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में नासिक के पास स्थित हैं। शिरडी शहर देखने छोटा है लेकिन धार्मिक स्थलों और गतिविधियों से भरा हुआ हैं। शिरडी वाले साईं बाबा टेम्पल के अलावा भी यहां कई धार्मिक स्थल हैं।

बद्रीनाथ धाम

भारत का धार्मिक स्थल बद्रीनाथ धाम अलकनंदा नदी के पास गढ़वाल पहाड़ी पर स्थित है। बद्रीनाथ धाम का सबसे पवित्र बद्रीनाथ मंदिर या बद्रीनारायण मंदिर हैं, जोकि भगवान विष्णु को समर्पित है। बुलंद हिमालय से घिरा हुआ यह मंदिर 10,279 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। भगवान श्री हरि विष्णु की काले पत्थर की मूर्ति 1 मीटर लंबी है। भगवान विष्णु के दर्शनों के लिए भक्त दूर-दूर से आते है।

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग

भारत का प्रसिद्ध महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग भगवान शिव को समर्पित हैं। यह भारत के मध्य प्रदेश राज्य के उज्जैन शहर में स्थित हैं। उज्जैन शहर में लगने वाला कुम्भ का मैला यहां का सबसे बड़ा आकर्षण माना जाता हैं। मंदिर में भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने के लिए पर्यटक को विशाल संख्या में देखा गया हैं।

रामेश्वरम यात्रा

भारत के सबसे पवित्र स्थानों में रामेश्वरम पर्यटन स्थल एक प्रमुख स्थान हैं। रामेश्वरम भारत के निचले भाग में एक सुंदर द्वीप पर स्थित है। इस स्थान पर भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की जाती हैं

भारतीय संस्कृति और ऐतिहासिक घटनाओं को दर्शाते हैं ये पर्यटक स्थल

हिमाचल प्रदेश में डलहौजी एक शांत स्थान है, जोकी अपने हरे-भरे घास के मैदानों, ऊंचे पेड़ों और वास्तुकला आदि के लिए जाना जाता है। जून और जुलाई में डलहौजी घूमने के लिए सबसे सुखद महीने होते हैं। यहब का तापमान 11C से 23C के बीच रहता है, दिन गर्म और रातें ठंडी होती हैं। यहां की चमेरा झील पर नौका विहार और कालाटोप वन्यजीव अभयारण्य में पैदल यात्रा बहुत आकर्षित करती हैं, मिनी स्विट्ज़रलैंड" के रूप में जाना जाने वाला यह खूबसूरत मैदान घुड़सवारी, गोल्फ और पिकनिक के लिए लोकप्रिय है।

केरल (Kerala)

भारत में सबसे अद्भुत पर्यटन स्थलों में से एक, केरल को लोकप्रिय रूप से "भगवान का अपना देश" के रूप में जाना जाता है। यह शांत समुद्र तटों, हरे-भरे परिवेश और व्यापक बैकवाटर के लिए प्रसिद्ध है। केरल में घूमने के लिए कई अद्भुत जगहें हैं, लेकिन केरल के बैकवाटर केरल पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। केरल के बैकवाटर, जिसे लोग "भारत का वेनिस" भी कहते हैं, 900 किलोमीटर से अधिक जलमार्गों का एक जटिल नेटवर्क है, जिसमें खारे लैगून, नदियाँ, झीलें और नहरें शामिल हैं। यह शांत जल, नारियल के पेड़ों से घिरा हुआ। केरल की कुछ बैकवाटर स्थान अल्लेप्पी, कुमारकोम, कोवलम, पथानामथिट्टा हैं। केरल का और आनंद लेने के लिए आप वहां की विभिन्न प्रकार के हाउसबोट को रहने के लिए भी चुन सकते है।

उदयपुर, राजस्थानराजस्थान का शहर उदयपुर लोगों को अपने महलों और झीलों से बहुत आकर्षित करता है, जहाँ तापमान 25 से 40 डिग्री सेल्सियस तक रहता है। यहां पर लोग गढ़ पैलेस, सिटी पैलेस, लेक पिछोला और जग मंदिर जैसे आकर्षणों का आनंद आकर लेते हैं। इसकी स्थापना 1559 में राजपूतों के सिसोदिया वंश के महाराणा उदय सिंह द्वितीय ने की थी, जब अकबर द्वारा चित्तौड़गढ़ की घेराबंदी के बाद उन्होंने अपनी राजधानी चित्तौड़गढ़ शहर से उदयपुर स्थानांतरित कर दी थी। उदयपुर का कुंभलगढ़ किला एक महत्वपूर्ण विरासत स्थल है। किला शहर से 80 किमी से अधिक दूर स्थित है, यहां की जयसमंद झील या ढेबर झील को एशिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्टिफिशियल लेक माना जाता है।

लोनावाला, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र का एक लोकप्रिय हिल स्टेशन लोनावाला के लिए एक पर्यटक स्थल बनता जा रहा है, अपने हरे-भरे इन्वोरमेन्ट, झरनों और टाइगर हिल, बुशी डैम और अंधारबन जैसे आकर्षणों चीजों के साथ एक ताज़गी भरा स्थान है। यहाँ के लोकप्रिय स्थान में टाइगर हिल, अंधारबन, लोनावाला झील, खंडाला घाटी और बुशी डैम सुंदर बांध और नौका विहार के लिए लोकप्रिय है। कारला गुफाएं कहा जाता है की ये बौद्ध गुफाएं 8वीं शताब्दी की हैं।

शिलांग, मेघालय

शिलांग मेघालय, जिसे "पूर्व का स्कॉटलैंड" कहा जाता है, यह समशीतोष्ण जलवायु प्रदान करता है, जिसमें सुंदर झरने, शांत झीलें, संगीत दृश्य, चेरापूंजी के प्रसिद्ध जड़ पुल लोगो को यहां आने के लिए बहुत आकर्षित करता है। यहाँ की शिलांग पीक, लेडी हाइड पार्क एक सुंदर विक्टोरियन उद्यान है और यहां का डॉन बॉस्को संग्रहालय राज्य के इतिहास और संस्कृति को दर्शाता है। खासी बाज़ार में स्थानीय हस्तशिल्प और स्मृति चिन्ह खरीदने के लिए एक शानदार जगह मानी जाती है।

1000 किलोमीटर की रेंज, BHU के प्रोफेसर की नई बैटरी से EV की दुनिया में मचेगी धूम

देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल का ट्रेंड बढ़ता जा रहा है. इसको लेकर वैज्ञानिक भी नए नए रिचर्स कर रहे हैं. बीएचयू के वैज्ञानिकों ने भी ई व्हीकल को लेकर एक नई बैटरी तैयार की है, जो इलेक्ट्रिक व्हीकल के क्षेत्र में नई क्रांति लाएगी. इस बैटरी को चार्ज कर आप लम्बी दूरी तय कर सकेंगे. फिलहाल बीएचयू में दो पहिया वाहनों पर इसका सफल ट्रायल भी हुआ है.

जल्द ही इलेक्ट्रिक गाड़ियों में लिथियम बैटरी की जगह टेम्परेचर सोडियम आयन बैटरी का इस्तेमाल होगा. जो एक बार चार्ज होने पर एक हज़ार से किलोमीटर तक का सफर तय करेगा. बीएचयू के भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर राजेंद्र कुमार सिंह और उनके टीम में शामिल रिसर्स स्टूडेंट्स ने इसे तैयार किया है.

BHU ने शुरू किया ट्रायल

बीएचयू ने फ़िलहाल दो पहिया वाहन पर इसका ट्रायल शुरू कर दिया है. पहले चरण में बैटरी से बेहतर परिणाम मिल रहे हैं. विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर और उनके टीम में शामिल शोध छात्र व छात्राओं ने इसके विकल्प को तैयार किया है. इसे तैयार करने के बाद इसे फिलहाल साइकिल पर अटैच कर चेक किया जा रहा है. अभी तक की इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियों ने बैटरी के बैकअप की समस्या है, लेकिन इस तकनीक ने टेंपरेचर सोडियम आयन बैटरी को तैयार किया है.

हजार किलोमीटर सफर कराएगी बैटरी

इसको तैयार करने के लिए औद्योगिक कचरे में मिलने वाले सल्फर का मदद लिया गया है जो लिथियम और बैटरी की तुलना में बेहतर है. विभाग ने अभी क्वाइन सिलेंडर तैयार किया है. जिसे एक बार चार्ज करने पर पचपन किलोमीटर तक साइकल चल रही है, जब पूरा प्रोजेक्ट तैयार होगा और बड़े रूप में बैटरी बनाया जाएगा तो लगभग हज़ार किलोमीटर तक यह बैटरी सफ़र तय करवाएगी.

दो साल में प्रोजेक्ट पूरा करने का टारगेट

इस शोध को अनुसंधान और विकास के लिए ऊर्जा मंत्रालय की कंपनी सेंट्रल पावर ऑफ रिसर्च इंस्टीट्यूट बेंगलुरु से एमओयू किया गया है. दो वर्ष में इस प्रोजेक्ट को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. इसके बाद इस बैटरी का बल्क में उत्पादन कर उपलब्ध कराया जाएगा.

महिलाओं को 36,000 रुपये तक सस्ते मिलेंगे स्कूटर

दिल्ली सरकार की नई ईवी पॉलिसी 2.0 के तहत महिलाओं को इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने पर 36,000 रुपये तक की सब्सिडी मिलेगी. यह योजना 31 मार्च, 2030 तक वैलिड रहेगी.

महिलाओं को ईवी खरीद पर 36,000 रुपये तक की सब्सिडी मिलेगी. दिल्ली में ये नई पॉलिसी 31 मार्च, 2030 तक वैलिड रहने वाली है. पहले 10,000 महिलाओं को इस सब्सिडी का फायदा मिलेगा.

दिल्ली सरकार अपनी नई इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी 2.0 के तहत महिलाओं को इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने पर 36,000 रुपये तक की सब्सिडी देने की प्लानिंग बना रही है. पॉलिसी ड्राफ्ट के मसौदे के अनुसार, यह लाभ उन पहले 10,000 महिलाओं को मिलेगा जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस है. यह प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है और इसे जल्द ही मंजूरी दी जाएगी. ईवी शिफ्ट में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए, दिल्ली की महिलाओं को इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर प्रति किलोवाट-घंटा (kWh) 12,000 रुपये तक, अधिकतम 36,000 रुपये तक की सब्सिडी ऑफर की जाएगी.

पीएम ई-ड्राइव योजना

केंद्र की पीएम ई-ड्राइव योजना को पूरक बनाने के लिए डिजाइन की गई, ईवी नीति 2.0 का उद्देश्य दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाना है. यह योजना, जो 31 मार्च, 2030 तक वैध रहेगी, न केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों बल्कि तीन पहिया और वाणिज्यिक वाहनों को भी लक्षित करते हुए कईसब्सिडीं की रूपरेखा तैयार करती है. शहर में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए, सरकार प्रति किलोवाट-घंटा (kWh) 10,000 रुपये तक की खरीदसब्सिडी राशि, अधिकतम 30,000 रुपये प्रति वाहन, देने की योजना बना सकती है.

साइबर क्राइम क्या है, साइबर अपराध के प्रकार और सायबर ठगी से कैसे बचे

साइबर क्राइम का मतलब है कंप्यूटर, नेटवर्क या इंटरनेट का गलत उपयोग करके किसी को नुकसान पहुंचाना।साइबर क्राइम में हैकिंग, फिशिंग, आइडेंटिटी थेफ्ट, सोशल इंजीनियरिंग, डीडीओएस अटैक, बॉटनेट, साइबर स्टॉकिंग, पोर्नोग्राफी, साइबर टेररिज्म आदि शामिल हैं।

साइबर क्राइम से हम सभी प्रभावित हो सकते हैं, क्योंकि हमारी पर्सनल, प्रोफेशनल और सरकारी जानकारी ऑनलाइन सुरक्षित होने की जरुरत है। साइबर क्राइम से हमें प्राइवेसी का उल्लंघन, पैसों का चोरी, मानहानि, धमकी, हत्या, आतंकवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा का ख़तरा आदि का सामना करना पड़ सकता है।

इस साइबर क्राइम के लिए जो अंजाम दिया जाता है, उन्हें साइबर अपराधी कहा जाता है। ये साइबर अपराधी कंप्यूटर और इंटरनेट प्रौद्योगिकी का उपयोग करके व्यक्तिगत जानकारी, व्यापार व्यापारिक रहस्य आदि तक पहुंचने के लिए इस्तेमाल करते हैं, और साथ ही ये इंटरनेट का भी खतरनाक उपयोग करते हैं कई नुकसानदायक कार्यों को करने के लिए।

साइबर अपराध कितने प्रकार के होते हैं?

साइबर अपराध के कई प्रकार होते हैं, जो विभिन्न तकनीकों और मेथडों का उपयोग करते हैं।

Hacking

हैकिंग साइबर अपराध का सबसे प्रसिद्ध और आम प्रकार है जिसमें एक हैकर या साइबर अपराधी अनधिकृत रूप से कंप्यूटर या संगठन के सिस्टम में घुस जाता है। वे अनधिकृत तरीकों से सुरक्षा को चढ़ाकर उपयोगकर्ताओं की जानकारी चोरी कर सकते हैं, नेटवर्क को नष्ट कर सकते हैं, साइबर अपराधी के लाभ के लिए संगठन के आंतरिक या बाहरी संबंधों में हस्तक्षेप कर सकते हैं, या वेबसाइटों और नेटवर्कों को विरुद्ध प्रभावी हमले कर सकते हैं।.

हैकिंग निजी और सार्वजनिक संगठनों, सरकारी अवकाशी विभागों, व्यापारी संगठनों और व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं को संकट में डाल सकता है और इससे आपदा, नुकसान और भरोसेमंदी की हानि हो सकती है।

Theft (इंटरनेट धोखाधड़ी)

इंटरनेट धोखाधड़ी एक साइबर अपराध है जिसमें अपराधी लोगों को वेबसाइट, ईमेल, सोशल मीडिया या अन्य ऑनलाइन माध्यम के माध्यम से धोखा देकर उनसे पैसे, व्यक्तिगत जानकारी, या अन्य महत्वपूर्ण जानकारी चुरा सकते हैं।

इंटरनेट धोखाधड़ी के उदाहरण में फेक ईमेल, जहां उपयोगकर्ता को वेबसाइट लिंक पर क्लिक करने के लिए कहा जाता है और उनकी प्रविष्टियों के माध्यम से उनकी जानकारी चोरी की जाती है, या आकर्षक प्रदान करने वाली ऑनलाइन खरीदारी वेबसाइटों की वेबसाइट जो वास्तविकता में धोखाधड़ी होती है और उपयोगकर्ताओं की विश्वसनीयता को उठा सकती है।इंटरनेट धोखाधड़ी का प्रभाव व्यापारी संगठनों, ऑनलाइन बैंकिंग सेवाओं, ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्मों, और व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं को प्रभावित कर सकता है और नुकसान के साथ-साथ विश्वसनीयता और आत्मविश्वास की कमी पैदा कर सकता है।

Fishing

फिशिंग एक चालाकापनपूर्ण साइबर अपराध है जहां अपराधी व्यक्ति धोखा देकर उपयोगकर्ता की संवेदनशील जानकारी को प्राप्त करने की कोशिश करता है। उन्हें आमतौर पर फेक ईमेल, आकर्षक या चित्रित वेबसाइट्स, सोशल मीडिया मेसेज या अन्य ऑनलाइन संदेशों का उपयोग करके आपकी आपातकालीन जानकारी को हस्तांतरित करने का प्रयास किया जाता है।

फिशिंग से प्रभावित होने पर, आपकी व्यक्तिगत जानकारी जैसे यूज़रनेम, पासवर्ड, बैंक खाता विवरण, क्रेडिट कार्ड जानकारी, या अन्य महत्वपूर्ण डेटा को अनधिकृत व्यक्ति के हाथ जा सकता है। उपयोगकर्ताओं को सतर्क रहना और साइबर धोखाधड़ी के लक्षणों को पहचानना महत्वपूर्ण है ताकि उन्हें खुद को सुरक्षित रखने के लिए सावधानी बरता सकें।

Malware

मैलवेयर साइबर अपराधियों द्वारा उपयोग किया जाने वाला विषयक सॉफ़्टवेयर है जो उपयोगकर्ताओं के कंप्यूटर सिस्टम में नुकसान पहुंचाने और उनकी जानकारी चोरी करने के लिए तैयार किया जाता है। यह वायरस, ट्रोजन, रूटकिट, स्पाईवेयर और अन्य क्षतिकरक सॉफ़्टवेयर के रूप में प्रस्तुत हो सकता है।

मैलवेयर साधारणतः मासिक प्रवेशाधिकार द्वारा फैलाया जाता है, जैसे कि एक अद्यतन के रूप में बनाए गए आपके बैंक खाता की जानकारी की विनिमय के लिए दावा करते हुए। यह आपकी व्यक्तिगत जानकारी को चोरी करने के साथ-साथ कंप्यूटर सिस्टम को अवरोधित और प्रभावित कर सकता है, जिससे आपकी गोपनीयता ख़तरे में पड़ सकती है और नुकसान पहुंचा सकती है।

Cyber Stalking

साइबरस्टॉकिंग एक साइबर अपराध है जिसमें अपराधी व्यक्ति इंटरनेट और सोशल मीडिया के माध्यम से एक व्यक्ति का पीछा करता है। वे उनकी गतिविधियों, सार्वजनिक पोस्टिंग, व्यक्तिगत संदेशों और अन्य ऑनलाइन पहचानकर्मों का ट्रैक रख सकते हैं।

साइबरस्टॉकिंग का उद्देश्य व्यक्ति को भयभीत, बेचैन या धमकीत करना होता है। इसके द्वारा, अपराधी व्यक्ति व्यक्तिगत जानकारी का उपयोग करके उन्हें परेशान कर सकता है, स्थितिगत जानकारी की चोरी कर सकता है और उनकी निजी जीवन को प्रभावित कर सकता है। साइबरस्टॉकिंग आत्मविश्वास की कमी, बाध्यता और आत्महत्या के खतरे को बढ़ा सकता है।

Data Breach

डेटा ब्रीच एक घातक साइबर अपराध होता है जहां अपराधी संगठन अनधिकृत रूप से किसी संगठन के नेटवर्क या सर्वर में प्रवेश करता है और महत्वपूर्ण डेटा को चोरी कर लेता है।

यह डेटा ब्रीच उदाहरण के रूप में उपयोगकर्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी, वित्तीय विवरण, व्यापारिक सूत्र या नए उत्पादों और सेवाओं के गोपनीय डेटा को प्रभावित कर सकता है। डेटा ब्रीच के परिणामस्वरूप, व्यक्तिगत जानकारी का उपयोग अवैध उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, व्यापारिक या आर्थिक हानि का कारण बन सकता है और प्रभावित संगठन की निजता और विश्वसनीयता को संदिग्ध बना सकता है।

भारत में साइबर क्राइम की सजा क्या है?

भारत में, साइबर क्राइम की सजा भारतीय इत्तला प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (IT Act) द्वारा निर्धारित की जाती है। यह अधिनियम विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों के लिए विभिन्न दंड प्रावधानों को शामिल करता है। उदाहरण स्वरूप, हैकिंग, डेटा चोरी, वायरस और मालवेयर वितरण, साइबर धोखाधड़ी, और अन्य इंटरनेट-संबंधी अपराधों के लिए व्यक्ति को जेल की सजा और/या जुर्माना का सामना करना पड़ सकता है।

किसी भी उल्लंघन की सजा इसकी गंभीरता पर आधारित होती है। उदाहरण के लिए, अगर किसी व्यक्ति ने किसी अन्य व्यक्ति के संवेदनशील डेटा को बिना अनुमति के प्राप्त किया है, तो उसे तीन वर्ष तक की जेल की सजा और एक लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। अपराध की गंभीरता बढ़ने पर, सजा और जुर्माना भी बढ़ सकता है। यह जरूरी है कि हम साइबर क्राइम के खिलाफ संघर्ष करें और इसकी सजा के प्रावधानों के प्रति जागरूक रहें।

साइबर क्राइम का मुख्य कारण क्या है?

साइबर क्राइम का मुख्य कारण कई हो सकते हैं, लेकिन दो प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं:

Low-Security Standards

एक बड़ा कारण है कि कंप्यूटर सिस्टम्स और नेटवर्क्स की सुरक्षा अक्सर पर्याप्त नहीं होती है। कई उपयोगकर्ता और संगठन अपने सिस्टम्स को सुरक्षित नहीं करते हैं, जो साइबर अपराधियों के लिए आसान निशाना बनते हैं। फ़ायरवॉल, एंटी-वायरस सॉफ़्टवेयर, और अन्य सुरक्षा उपकरणों की कमी का फायदा उठाकर, अपराधी अक्सर इन सिस्टम्स को हैक करने में सफल होते हैं।

उच्च स्तर की सुरक्षा मापदंडों की अभाव में, हमारे डिजिटल डेटा का संरक्षण करना कठिन हो जाता है। बिना उचित सुरक्षा के, हमारी व्यक्तिगत और व्यावसायिक जानकारी आसानी से संक्रमित हो सकती है या चुराई जा सकती है।

Lack of Knowledge

दूसरा प्रमुख कारण है कि कई लोगों को साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में अवगति नहीं होती है। बहुत से उपयोगकर्ता अभी भी अपने डिजिटल उपकरणों को सुरक्षित और अपडेट करने के लिए कौन से कदम उठाए जाने चाहिए, इसके बारे में नहीं जानते। फिशिंग ईमेल्स, खतरनाक वेबसाइट्स और अनजाने स्रोतों से डाउनलोड की गई फ़ाइलों के खतरों को पहचानने की योग्यता अक्सर कमी होती है।

इस ज्ञान की कमी ने साइबर अपराधियों को उनके शिकार के साथ मनोविज्ञानिक खेल खेलने की अनुमति दी है, जिसमें फिशिंग और धोखाधड़ी शामिल होती है। हमें साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि हम स्वयं को और हमारे डेटा को सुरक्षित रख सकें।

साइबर क्राइम से बचने के उपाय

साइबर क्राइम से बचने के कई तरीके हैं, जो व्यक्तिगत और संगठनात्मक स्तर पर अपनाए जा सकते हैं:

Updated Software

सभी डिजिटल उपकरणों और सॉफ़्टवेयर को नवीनतम सुरक्षा पैचों के साथ अद्यतन रखना महत्वपूर्ण है। अद्यतन करना सुनिश्चित करता है कि आपके सिस्टम में किसी भी ज्ञात सुरक्षा कमियों को ठीक किया जाता है, जो हैकर्स के लिए एक प्रवेश बिंदु हो सकते हैं।

साइबर क्राइम से बचने के लिए, नवीनतम एंटी-वायरस सॉफ़्टवेयर का उपयोग करना और इसे नियमित रूप से अपडेट करना महत्वपूर्ण है। यह साइबर आक्रमणकर्ताओं के द्वारा नए और अद्वितीय धमकियों को पहचानने में मदद करता है।

Smart Password Management

एक मजबूत पासवर्ड और उन्हें नियमित रूप से बदलने की प्रथा साइबर क्राइम से बचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। पासवर्ड मजबूत होने के साथ-साथ, यह भी अद्वितीय होना चाहिए और विभिन्न खातों में एक ही पासवर्ड का पुनः उपयोग नहीं करना चाहिए।

Two Factor Authentication (2FA) का उपयोग करना भी एक अच्छा विचार है। यह एक अतिरिक्त सुरक्षा स्तर जोड़ता है, जिसमें खाते की पहचान के लिए दो अलग-अलग तरीके का उपयोग किया जाता है, जैसे कि पासवर्ड के साथ-साथ एक आवेदन द्वारा उत्पादित एक समय आधारित कोड।

Beware of Phishing Emails

फ़िशिंग ईमेल्स आमतौर पर विश्वसनीय स्रोतों से आने का ढोंग करते हैं, लेकिन वास्तव में ये साइबर अपराधियों द्वारा भेजे जाते हैं। इनका उद्देश्य आपकी व्यक्तिगत जानकारी चुराना या मालवेयर स्थापित करना होता है। इसलिए, अज्ञात स्रोतों से आने वाले ईमेल्स के साथ सतर्क रहें और उन पर क्लिक करने से पहले उन्हें ध्यान

आइसक्रीम बनाने का बिजनेस कैसे शुरू करें? निवेश व प्रॉफिट सहित पूरी जानकारी

गर्मियों का मौसम आते ही सभी का कुछ ठंडा खाने का मन करता है। ऐसे में सबसे ज्यादा बच्चों, बड़ों और सभी को आइसक्रीम बहुत पसंद आती है। गर्मियों के मौसम में आइसक्रीम ना मिले तो बहुत अजीब लगता है। इस लेख में आइसक्रीम बिजनेस कैसे शुरू करें के बारे में जानकारी शेयर कर रहे हैं। जिसमें आइसक्रीम बिजनेस शुरू करने की प्रक्रिया, इसकी मार्केटिंग, निवेश और प्रॉफिट सहित पूरी जानकारी जानने वाले हैं।

आइसक्रीम की डिमांड

आइसक्रीम बनाने का बिजनेस आज हमारे देश में बहुत अधिक चल रहा है। क्योंकि गांव हो या शहर सभी लोग आइसक्रीम खाने का शौक रखते है। आइसक्रीम आज हर बच्चे या बुजुर्ग सभी की पसंद बन गया है।

आइसक्रीम बहुत प्रकार की होती है कैंडी आइसक्रीम, कौन आइसक्रीम, मैंगो आइसक्रीम, ऑरेंज आइसक्रीम इत्यादि। आइसक्रीम अलग-अलग प्रकार के फ्लेवर के साथ भी बनाई जाती है। आज हमारे देश में आइसक्रीम के बिजनेस को बहुत पसंद किया जा रहा है। अगर आप आइसक्रीम पार्लर खोलना चाहते हैं तो इसके लिए आप कम से कम निवेश में भी इस बिजनेस को शुरू कर सकते हैं।

आइसक्रीम के बिजनेस के लिए बजट

आइसक्रीम बिजनेस के लिए रॉ-मटेरियल, मशीन, बिजली का कनेक्शन, कर्मचारियों की तनख्वाह इन सभी के लिए आपको अपना बजट तैयार करना होगा। इसमें कुछ खर्चे आपको बिजनेस शुरू करने से पहले ही करने होंगे तथा कुछ खर्चे ऐसे होते हैं, जिनको हर महीने करने पड़ेंगे, वह आपके बिजनेस के लिए बहुत जरूरी भी होते हैं। सबसे पहले आइसक्रीम बिजनेस को शुरू करने के लिए आपको 15 लाख रूपये तक की जरूरत पड़ सकती है। मशीन और रॉ मटेरियल की लागत तकरीबन 12 लाख रुपए के करीब हो जाती है। इसके अलावा अन्य दुकान के खर्चों के लिए 2 से 3 लाख रूपये की आवश्यकता पड़ सकती है।

इसके अलावा अगर आप अपने बिजनेस को बड़े पैमाने पर शुरू करना चाहते हैं तो आप को कम से कम 40 से 50 लाख रूपये की जरूरत पड़ सकती है। अब यह आप पर निर्भर करता है कि आप किस प्रकार से अपने बिजनेस को शुरू करना चाहते हैं।

आइसक्रीम के बिजनेस के लिए जगह

आइसक्रीम के बिजनेस के लिए ऐसी जगह का चयन करना होगा, जहां पर पानी और बिजली की व्यवस्था हो। क्योंकि इस काम के लिए पानी और बिजली दोनों की जरूरत है।

आप ऐसी जगह लें, जहां पर बिजली और पानी की व्यवस्था सही हो या तो आप उस जगह को खरीद लें या फिर आप किराए पर भी जगह ले सकते हैं।

आइसक्रीम बिजनेस के लिए रॉ मटेरियल

आइसक्रीम बिजनेस के लिए आपको सबसे जरूरी दूध, दूध का पाउडर, आइस क्रीम के लिए मक्खन, अंडे और आइसक्रीम में इस्तेमाल की जाने वाली जरूरत की सभी चीजें काम आती हैं।

इसके अलावा अलग-अलग प्रकार के फ्लेवर पाउडर की भी जरूरत पड़ सकती है तथा अलग-अलग कलर के पाउडर की आइसक्रीम बनाने में इस्तेमाल किए जाते हैं। इन सभी को आप अच्छे होलसेल की मार्केट से खरीद सकते हैं या फिर ऑनलाइन भी आप खरीद सकते हैं। दूध, मक्खन इन चीजों को आप बड़ी डेयरी की दुकान से खरीद सकते हैं।

आइसक्रीम बिजनेस के लिए मशीनें

आइसक्रीम बिजनेस के लिए आइसक्रीम बनाने के लिए अलग-अलग प्रकार की मशीनों की आवश्यकता पड़ती है। इन मशीनों की मदद से आप आइसक्रीम का निर्माण कर सकते हैं। आइसक्रीम बनाने के लिए निम्न मशीनों की जरूरत पड़ती है:ज्यादा कैपेसिटी वाला फ्रिज मिक्चर,थर्माकोल आइस कूलर बॉक्स,ब्रिने टैंक,आइसक्रीम मशीनों की मार्केट में कीमत आइसक्रीम की मशीनों की कीमत लगभग 2 लाख रूपये के करीब होगी। इसके अलावा आपको फ्रीज और निक्की के लिए अलग से बजट बनाना होगा। यह आप बाजार में इलेक्ट्रॉनिक की दुकान से खरीद सकते हैं।

अगर आप आइसक्रीम बनाने के लिए ऑटोमेटिक मशीन का उपयोग कर रहे हैं, उससे आप की आइसक्रीम जल्दी बन जाती है। ऑटोमेटिक मशीन अधिक कीमत में आती है। लगभग एक लाख से इन मशीनों की शुरुआत हो जाती है।

आइसक्रीम बनाने की प्रक्रिया

आइसक्रीम बनाने की प्रक्रिया निम्न प्रकार से की जाती है: मिश्रण तैयार करना: आइसक्रीम बनाने के लिए सबसे पहले उसके मिश्रण को तैयार करना होगा। उसके लिए सबसे पहले मिक्सर के ब्लेंडर में दूध, अंडे व चीनी सभी को एक साथ डाल कर उसमें मिक्स करना।

पस्ट्यूरीज की प्रक्रिया: इस प्रक्रिया के द्वारा जो हम मिश्रण तैयार करते हैं, उसके अंदर मौजूद पथोजेनिक बैक्टीरिया को मार दिया जाता है। क्योंकि यह बैक्टीरिया हमारी सेहत के लिए बहुत हानिकारक होते हैं और दूध को बहुत अच्छे से उबाल दिया जाता है।

होमोजेनाइजेशन: इस प्रक्रिया में दूध के अंदर मौजूद वसा को खत्म कर दिया जाता है। दूध में यूनिफार्म टेक्सचर दे दिया जाता है, उसके बाद दूध को कम से कम रातभर 5 डिग्री सेल्सियस पर रखा जाता है। इससे मिश्रण आइसक्रीम बनने के लिए बहुत अच्छे से तैयार हो जाता है।

लिक्विड फ्लेवर एंड कलर्स: इस आइसक्रीम के मिश्रण में कलर और लिक्विड फ्लेवर को मिलाकर फ्रिजर में जमा दिया जाता है। इस से तरह-तरह की आइसक्रीम तैयार की जाती है तथा उनको पैक करके रख दिया जाता है।

आइसक्रीम के बिजनेस के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया

कोई भी व्यापार हो चाहे छोटा हो या बड़ा उसका पंजीकरण करवाना बहुत जरूरी होता है। इसीलिए आपको भी अपने आइसक्रीम के व्यापार के लिए सरकार के द्वारा रजिस्ट्रेशन व पंजीकरण करवाना जरूरी होता है। क्योंकि आपके नाम की कंपनी केवल आप ही चला सकते हैं। कोई आपके साथ में फ्रॉड बाजी नहीं कर सकता। इसके अलावा भी आप अपनी कंपनी को रजिस्टर करवा देंगे तो सरकार की बहुत सी योजनाओं का भी लाभ उठा पाएंगे। इसके लिए आपको सरकार के द्वारा एक जीएसटी नंबर लेना होगा, जिससे आपको ट्रेडमार्क मिल जाएगा। उसके बाद आप अपनी कंपनी का अपने व्यापार के हिसाब से नाम रख सकते हैं ताकि आप की दुकान पर लोग अधिक से अधिक आ सके।

आइसक्रीम के बिजनेस के लिए लाइसेंस भी जरूरी

आज हमारे देश में ऐसा कानून बन गया है अगर हम बाजार में किसी भी खाने की चीज को बेचते हैं या खरीदते हैं, उसके लिए हमें एक लाइसेंस की जरूरत होती है। यह लाइसेंस एफएसएसएआई के द्वारा बनाया जाता है।

इसके लिए आपको एक ऑनलाइन एप्लीकेशन देनी होगी, उसके बाद आप की आइसक्रीम की गुणवत्ता की इस कंपनी के द्वारा जांच की जाएगी। आप की क्वालिटी अच्छी होने के बाद ही आपके लिए लाइसेंस नियुक्त किया जाएगा। उसके बाद आप आइसक्रीम को बाजार में बेच सकते हैं। एक चीज जरूर याद रखनी होगी कि अगर आप की आइसक्रीम की क्वालिटी और गुणवत्ता सही नहीं मिली तो आप को आइसक्रीम बेचने के लिए लाइसेंस नहीं मिल पाएगा। आप अपने आइसक्रीम को किसी भी प्रकार से बाजार में नहीं बेच पाएंगे।

आइसक्रीम के व्यापार के लिए मार्केटिंग

यदि आप कोई भी व्यापार आप करना चाहते हैं तो उसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है मार्केटिंग करना। क्योंकि बिना मार्केटिंग के हम अपने व्यापार को आगे नहीं बढ़ा सकते हैं। मार्केटिंग के द्वारा नए-नए ग्राहक कंपनी से जुड़ेंगे तभी हमें उनसे मुनाफा मिलेगा। आइए जानते हैं मार्केटिंग किस प्रकार से की जाती है:

कम पैसे में प्रचार करने के तरीके

आप अपने व्यापार के लिए कम बजट में शुरुआत में प्रचार कर सकते हैं। इसके लिए आप न्यूज़पेपर और पंपलेट का सहारा ले सकते हैं। यह दोनों ही कम बजट के प्रचार करने के साधन हैं।इसके अलावा भी आप किसी लोकल न्यूज़पेपर में अपनी आइसक्रीम का विज्ञापन देकर अपने सेल को बढ़ा सकते हैं और अपने आइसक्रीम के व्यापार के बने पेंपलेट को लोगों में बांट कर भी अपना प्रचार कर सकते हैं।

ज्यादा पैसे में प्रचार करना

आप अपनी खुद की एक वेबसाइट बनाकर ऑनलाइन आइसक्रीम के व्यापार को प्रमोट कर सकते हैं। ऑनलाइन भी आप अपनी आइसक्रीम का प्रचार करके आइसक्रीम को बेच सकते है।

मल्टीनेशनल कंपनी में करनी है जॉब तो लें इन टिप्स की मदद

मल्टीनेशनल कंपनी में काम करने का सपना सभी का होता है। ऐसे में चलिए जानते हैं कैसे आपको यहां जॉब करने का अवसर मिलेगा। अगर आप भी मल्टीनेशनल कंपनी में काम करना चाहती हैं तो इस आर्टिकल को पूरा पढ़ें।

मल्टीनेशनल कंपनी में आए दिन वैकेंसी निकलती रहती हैं। ऐसे में कई लोगों का ड्रीम होता है कि वह मल्टीनेशनल कंपनी में काम करें। मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब प्राप्त करने के लिए आपको कई बार इंटरव्यू देना होता है। अगर आप इन सभी इंटरव्यू को क्लियर कर लेती हैं तो आपकी जॉब पक्की है।

मल्टीनेशनल कंपनी में आपको कई तरह की सुविधाएं मिलती हैं। कई कंपनियों में सैलरी के साथ ही पिक एंड ड्रॉप की सुविधा दी जाती है। इतना ही नहीं इन सबके साथ आपको भरपूर छुट्टियां भी मिलती हैं। ऐसे में आपकी लाइफ बैलेंस रहती है।

इंटरव्यू कितने राउंड का होता है

मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब प्राप्त करने के लिए आपको 2 से 3 राउंड का इंटरव्यू देना होगा। सबसे पहला HR राउंड होता है जिसमें वे आपकी सारी जानकारी आपसे लेते हैं। इसके बाद आपका रिटन टेस्ट होता है। इसके बाद आपकी मीटिंग डिपार्टमेंट के मैनेजर से होती हैं। इसके कुछ दिनों के बाद आपको बताया जाता है कि आपका सलेक्शनहुआ है या नहीं।

कुछ खास टिप्स जान लें

अगर आप मल्टीनेशनल कंपनी का इंटरव्यू एक बार में क्लियर करना चाहती हैं तो आपको अपने कम्युनिकेशन पर ध्यान देना होगा।

कई बार हम जॉब लेने के चक्कर में इंटरव्यूवर को गलत जानकारी दे देते हैं जिसके कारण बाद में हमें खुद दिक्कत होती है।

इंटरव्यू में सवालों का साफ-साफ जवाब दें, ज्यादा घूमाकर बातें ना करें।

बिना तैयारी के इंटरव्यू देने ना जाएं।

वॉक-इन जॉब्स में अपने साथ रिज्यूम ले जाना ना भूलें।

इन चीजों को करें

मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी पाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है लेकिन आप अपनी संभावना बढ़ाने के लिए कई कदम उठा सकते हैं।

अपने कौशल और ज्ञान का निर्माण करें मल्टीनेशनल कंपनी आमतौर पर ऐसे उम्मीदवारों की तलाश करती हैं जिनके पास नौकरी संभालने के लिए सही कौशल और ज्ञान हो।

आप अपनी रुचि के क्षेत्र में डिग्री या प्रमाणन प्राप्त करके, ऑनलाइन पाठ्यक्रम लेकर, कार्यशालाओं या सेमिनारों में भाग लेकर, और इंटर्नशिप या अंशकालिक नौकरियों के माध्यम से अनुभव प्राप्त करके अपने कौशल का विकास कर सकते हैं।

अगर हमारी स्टोरी से जुड़े आपके कुछ सवाल हैं, तो आप हमें आर्टिकल के नीचे दिए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम आप तक सही जानकारी पहुंचाने का प्रयास करते रहेंगे। अगर आपको ये स्टोरी अच्छी लगी है, तो इसे शेयर जरूर करें। ऐसी ही अन्य स्टोरी पढ़ने के लिए जुड़े रहें हर जिंदगी के साथ।

12वीं के बाद मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब के लिए 8 सबसे बेस्ट शॉर्ट टर्म कोर्स

भारत में करोड़ों विद्यार्थियों को कक्षा 12 के बाद अपने प्रोफेशनल लाइफ शुरू करनी पड़ती है। कोई नौकरी, कोई जॉब सर्च करना पड़ता है। इसके पीछे के कारण बहुत सारे हो सकते हैं, अपन डिस्कस नहीं करेंगे लेकिन यदि आपको भी कक्षा 12 के बाद जॉब करनी पड़ रही है तो शायद हम आपकी हेल्प कर सकते हैं। यहां हम आपको कुछ ऐसे शॉर्ट टर्म कोर्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें 3 महीने में पूरा करके आप किसी मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

Data science boot camp

- सबसे मूल्यवान शॉर्ट टर्म कोर्स है। डाटा साइंटिस्ट की जरूरत पूरी दुनिया की मल्टीनेशनल कंपनियों को हमेशा बनी रहती है। एक अच्छा डाटा साइंटिस्ट 60 लाख रुपए वार्षिक और इससे ज्यादा कमा सकता है। यह कोई कठिन कोर्स नहीं है। इसमें मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इत्यादि टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए उपलब्ध डाटा का विश्लेषण करना सिखाया जाता है। एक अच्छा डाटा साइंटिस्ट, जन्मजात होता है। शॉर्ट टॉप कोर्स में केवल उसे तकनीक का उपयोग करना सिखाया जाता है।

Cyber security

के क्षेत्र में डिमांड लगातार बढ़ती चली जा रही है। यह ऑनलाइन सिक्योरिटी एजेंसी जैसा है। जिस प्रकार सिक्योरिटी गार्ड आपकी सुरक्षा करता है वैसे ही साइबर सिक्योरिटी ऑफीसर्स, किसी भी कंपनी के सॉफ्टवेयर और डाटा की सुरक्षा करते हैं। हैकर्स को सिस्टम में घुसने से रोकते हैं। दुनिया के ज्यादातर सबसे चर्चित हैकर्स और साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट, 10वीं या 12वीं पास होते हैं। क्योंकि इसमें एजुकेशन नहीं बल्कि स्किल की जरूरत होती है।

Software development मल्टीनेशनल कंपनियों को कई प्रकार के सॉफ्टवेयर की जरूरत होती है। सॉफ्टवेयर के मेंटेनेंस के लिए अधिकारियों की नियुक्ति की जाती है। सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट कोर्स करके आप सॉफ्टवेयर डेवलप करने वाली कंपनी में जॉब प्राप्त कर सकते हैं। या फिर किसी भी कंपनी में सॉफ्टवेयर मेंटिनेस स्टाफ के लिए अप्लाई कर सकते हैं। आज की तारीख में ऐसी कोई मल्टी नेशनल कंपनी नहीं है, जिसमें सॉफ्टवेयर मेंटिनेस स्टाफ की भर्ती नहीं होती हो।

Digital marketing

कोर्स करके आप अपनी डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी खोल सकते हैं। भारत में कई बड़ी डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी स्थापित हो चुकी है। आप उनमें नौकरी कर सकते हैं। ऐसे किसी भी कंपनी में काम कर सकते हैं, इसके प्रोडक्ट या सर्विसेज को डिजिटल मार्केटिंग की जरूरत होती है। आजकल तो वार्ड के पार्षद को भी डिजिटल मार्केटिंग की जरूरत पड़ने लगी है।

Graphic designing का कोर्स करके आप एक प्रोफेशनल ग्राफिक डिजाइनर बन सकते हैं। मात्र 3 महीने के भीतर आप ग्राफिक डिजाइनिंग के लिए कई सॉफ्टवेयर सीख सकते हैं। दुनिया में कितने भी AI सॉफ्टवेयर आ जाए, लेकिन ग्राफिक डिजाइनर की जरूरत कभी खत्म नहीं होगी। क्योंकि ग्राफिक डिजाइनिंग में सबसे इंपॉर्टेंट होती है आपकी क्रिएटिविटी। असली बात तो यह है कि दुनिया भर के ग्राफिक डिजाइनर इंटरनेट पर जो कुछ भी क्रिएट करते हैं, AI उनसे सीख कर ही नए डिजाइन बनाता है। यानी AI हमेशा ग्राफिक डिजाइनर के पीछे चलता है और चलता रहेगा।

Event management जीरो इन्वेस्टमेंट पर शुरू होने वाला एक सबसे अच्छा बिजनेस है। इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स करके आप किसी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में नौकरी प्राप्त कर सकते हैं अथवा अपनी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी शुरू कर सकते हैं। 12वीं पास लाखों विद्यार्थी 10-20 हजार रुपए मासिक वेतन के लिए पूरे 30 दिन तक 10-10 घंटे काम करते हैं जबकि यदि महीने भर में 2 अच्छे इवेंट मिल गए तो 50000 की कमाई आसानी से हो जाती है।

Web developer की डिमांड लगातार बढ़ती चली जा रही है। हालांकि इंटरनेट पर बहुत सारे ऑटोमेशन मौजूद है परंतु भारत में जिन लोगों को व्हाट्सएप की सेटिंग चेंज करना नहीं आती, क्या उनसे उम्मीद की जा सकती है कि वह कभी भी अपनी वेबसाइट डिजाइन और डेवलप कर पाएंगे। उन्हें हमेशा एक वेबसाइट डेवलपर की जरूरत बनी रहेगी। यह कोर्स करके आप किसी भी कंपनी में नौकरी प्राप्त कर सकते हैं अथवा अपना खुद का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। जिस वेबसाइट को तैयार करने के लिए बाजार में 15000 मिलते हैं, उसको बनाने में अधिकतम 3000 का भी खर्चा नहीं आता।

Video editor एकदम नया और BOOM करता हुआ करियर है। लाखों यूट्यूब चैनल शुरू हो चुके हैं। बड़ी कंपनियों से लेकर शहर के छोटे दुकानदार तक हर कोई अपने प्रोडक्ट के विज्ञापन के लिए वीडियो बना रहा है। मोबाइल में कैमरा होने के कारण वीडियो शूट करना बहुत आसान हो गया है, लेकिन वीडियो एडिट करना आसान काम नहीं है। इसके लिए लोगों को प्रोफेशनल वीडियो एडिटर की जरूरत होती है। आपके घर बैठे काम मिलेगा। किसी भी कंपनी में नौकरी मिल सकती है और वीडियो एडिटिंग करने वाली कंपनियों में तो जैसे एक खाली कुर्सी आपका इंतजार कर रही है।

इस बार किसानों पर मेहरबान रहेगा मानसून, झमाझम बारिश की संभावना, जानिए IMD की भविष्यवाणी

अप्रैल की झुलसाती गर्मी के बीच किसानों के लिए राहत भरी खबर सामने आ रही है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने अपने ताजा पूर्वानुमान में कहा है कि इस साल 2025 का दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से अधिक रहने वाला है. मौसम विभाग का कहना है कि जून से सितंबर के बीच देशभर में औसतन 105 प्रतिशत बारिश हो सकती है, जो दीर्घकालिक औसत (Long Period Average - LPA) से अधिक है.

लगातार 10वें साल सामान्य या उससे ज्यादा मानसून

यदि मौसम विभाग का यह पूर्वानुमान सटीक बैठा, तो यह लगातार 10वां वर्ष होगा जब देश में मानसून सामान्य या उससे ऊपर रहेगा. मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून के मजबूत रहने की प्रमुख वजह उत्तरी गोलार्ध और यूरेशिया क्षेत्र में जनवरी से मार्च के दौरान कम बर्फबारी होना है. यह स्थिति मानसून के लिए अनुकूल मानी जाती है.

देश के ज्यादातर हिस्सों में अच्छी बारिश

IMD के मुताबिक, दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश सहित अधिकांश राज्यों में इस साल अच्छी बारिश होने की संभावना है. यह लगातार दूसरा साल होगा जब IMD ने सामान्य से अधिक मानसून का अनुमान जताया है.

मानसून पर नहीं दिखेगा एल नीनो का असर

मौसम विभाग के अनुसार, इस साल एल नीनो और हिंद महासागर डाइपोल (IOD) जैसी जलवायु घटनाएं न्यूट्रल स्थिति में हैं. यह परिस्थिति मानसून के लिए सकारात्मक संकेत है. एल नीनो के कारण जहां सामान्य से कम बारिश की आशंका रहती है, वहीं न्यूट्रल स्थिति मानसून को संतुलित बनाए रखने में सहायक होती है.

इन राज्यों में हो सकती है कम बारिश

हालांकि जहां देश के अधिकतर हिस्सों में बारिश सामान्य या उससे अधिक होगी, वहीं कुछ राज्यों में सामान्य से कम वर्षा हो सकती है. इन राज्यों में तमिलनाडु, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा, बिहार के कुछ हिस्से और लद्दाख शामिल हैं.

मई के अंत में आएगा अगला अपडेट

IMD हर साल दो चरणों में मानसून का पूर्वानुमान (Long Range Forecast) जारी करता है. अगला और अधिक विस्तृत पूर्वानुमान मई के अंत में जारी किया जाएगा, जब मानसून केरल तट पर दस्तक देने वाला होगा.

15वीं ब्रिक्स कृषि बैठक: शिवराज सिंह चौहान करेंगे भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 17 अप्रैल को ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में होने वाली ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की 15वीं बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इस बैठक का मुख्य विषय है- 'ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग, नवाचार और न्यायसंगत व्यापार के माध्यम से समावेशी और सतत कृषि को बढ़ावा देना'। इसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका के अलावा सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, इथियोपिया, इंडोनेशिया और ईरान जैसे ब्रिक्स सदस्य देशों के कृषि मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

ब्राजील के मंत्रियों के साथ होगी द्विपक्षीय चर्चा

अपनी इस यात्रा के दौरान श्री चौहान ब्राजील के कृषि एवं पशुधन मंत्री कार्लोस हेनरिक बैकेटा फेवरो और कृषि विकास एवं पारिवारिक खेती मंत्री लुईज पाउलो टेक्सेरा के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इन बैठकों का फोकस कृषि, कृषि-प्रौद्योगिकी, ग्रामीण विकास और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्रों में भारत-ब्राजील सहयोग को बढ़ाने पर होगा। दोनों देशों के बीच इन क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा होने की उम्मीद है।

श्री चौहान साओ पाउलो में ब्राजील की प्रमुख कृषि व्यवसाय कंपनियों के प्रतिनिधियों और ब्राजीलियाई वनस्पति तेल उद्योग संघ के सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे। इस दौरान कृषि मूल्य श्रृंखला में भागीदारी और निवेश के नए अवसरों पर विचार-विमर्श होगा। यह कदम भारत और ब्राजील के बीच व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण हो सकता है। ब्रासीलिया में श्री चौहान 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत भारतीय दूतावास में वृक्षारोपण अभियान में हिस्सा लेंगे। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और मातृत्व को सम्मान देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इसके अलावा, साओ पाउलो में वे भारतीय प्रवासी समुदाय से मुलाकात करेंगे और द्विपक्षीय संबंधों में उनकी सांस्कृतिक भूमिका को रेखांकित करेंगे।

ब्रिक्स के साथ भारत की प्रतिबद्धता

यह बैठक और श्री चौहान की यात्रा ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने और कृषि नवाचार को बढ़ावा देने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। दक्षिण-दक्षिण सहयोग के तहत भारत वैश्विक कृषि चुनौतियों के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। बैठक में टिकाऊ कृषि प्रथाओं और नवाचार पर चर्चा होने की संभावना है, जो वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है।

मध्यप्रदेश में किसान मेलों की शुरुआत मंदसौर में 3 मई को पहला आयोजन

भोपालः मध्यप्रदेश में किसान मेलों की शुरुआतः मंदसौर में 3 मई को पहला आयोजन – मध्य प्रदेश में इस साल सभी संभागों में किसान मेलों का आयोजन होगा, जिसमें किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, खाद्य प्रसंस्करण, उद्यानिकी और पशुपालन से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। पहला मेला 3 मई को मंदसौर में होगा, जबकि अक्टूबर में राज्य स्तरीय वृहद किसान मेला आयोजित किया जाएगा। इन मेलों में कृषि उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगेगी, ताकि किसानों को नए अनुसंधानों और कार्य पद्धतियों का लाभ मिल सके मंगलवार को भोपाल में समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। इस दौरान किसान संघ ने 5 रुपये के शुल्क पर बिजली कनेक्शन और फसलों पर बोनस देने के निर्णय के लिए आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा, "प्रदेश के अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने के लिए एक साल में 10 लाख सौर ऊर्जा पम्प देने का लक्ष्य है। यह अभियान के रूप में चलेगा।"

सौर ऊर्जा पम्प पर जोर

बैठक में अपर मुख्य सचिव (नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा) मनु श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले तीन दिनों में सोलर पम्प स्थापना के लिए करीब 17 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं। ये पम्प 1 से 10 हॉर्स पॉवर तक के होंगे, और किसानों को निर्धारित राशि जमा करवाकर कनेक्शन दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने जनजातीय समुदायों को इस योजना में प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान प्रतिनिधियों के सुझावों पर अमल किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को सक्रिय करने, नरवाई जलाने को रोकने और रासायनिक खाद के उपयोग को कम करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, बड़ी परियोजनाओं के लिए किसानों की जमीन लेने पर बदले में जमीन देने, किसानों को हिस्सेदार बनाने, दूध पर बोनस, कम पानी में मक्का उत्पादन, गौशालाओं में आधुनिक तकनीक, कृषि शिक्षा और पशु चिकित्सकों की व्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

मेले से क्या उम्मीद?

किसान मेलों के जरिए सरकार का लक्ष्य किसानों को नई तकनीकों से जोड़ना और उनकी आय बढ़ाना है। मंदसौर में होने वाला पहला मेला इस दिशा में शुरुआत होगा। हालांकि, इन मेलों की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या ये वास्तव में छोटे और मझोले किसानों तक पहुंच पाते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान कर पाते हैं। बैठक में भारतीय किसान संघ के कमल सिंह आंजना, चंद्रकांत गौर, राम भरोसे बासोतिया, गिरजा ठाकुर, राजेंद्र पालीवाल सहित कई प्रतिनिधि मौजूद थे। अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव (नगरीय विकास) संजय कुमार शुक्ला, कृषि सचिव एम. सेलवेंद्रन और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

फसलों के बेहतर प्रबंधन के उद्देश्य से सरकार ने लॉन्च किया कृषि निर्णय सहायता प्रणाली पोर्टल

केंद्र सरकार ने कृषि डीएसएस (KRISHI DECISION SUPPORT SYSTEM) नामक एक वेब पोर्टल लॉन्च किया है जिसका उद्देश्य किसानों को फसल प्रबंधन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण डेटा उपलब्ध कराना है. यह नीति निर्माताओं को मानवीय हस्तक्षेप के बिना जमीनी स्तर से सटीक जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगा.

कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में कृषि-डीएसएस का अनावरण करते हुए कहा कि भू-स्थानिक प्लेटफॉर्म फसल की स्थिति, मौसम के पैटर्न, जलाशय भंडारण, भूजल स्तर और मिट्टी की स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करेगा. चौधरी ने कहा, "जलवायु चुनौतियों पर बढ़ती चिंताओं के बीच यह प्लेटफॉर्म किसानों के लिए एक नया मील का पत्थर साबित होगा."

KRISHI DSS को गति शक्ति पहल के समान प्रौद्योगिकी का उपयोग करके विकसित किया गया है, ताकि कीटों के हमलों और चरम मौसम की घटनाओं जैसी संभावित आपदाओं के बारे में पूर्व चेतावनी दी जा सके.

डेटा की भरमार

कृषि मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह प्रणाली फसल मानचित्रण, निगरानी और फसल चक्रण तथा विविधीकरण को बढ़ावा देने में सहायता करेगी. मंत्रालय ने कहा कि यह विभिन्न क्षेत्रों में फसल पैटर्न पर डेटा प्रदान करेगा और विभिन्न विकास चरणों में फसल की स्थिति पर नजर रखेगा.एक अधिकारी ने कहा, "फसल मानचित्रण और निगरानी के साथ, हम विभिन्न वर्षों में पार्सल-स्तरीय फसल मानचित्रों का विश्लेषण करके फसल पैटर्न को समझने में सक्षम होंगे. यह जानकारी फसल चक्रण प्रथाओं को समझने में मदद करती है और विविध फसलों की खेती को प्रोत्साहित करके टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देती है."मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि पोर्टल सूखे की बेहतर निगरानी में मदद करेगा क्योंकि मिट्टी की नमी, जल भंडारण, फसल की स्थिति, सूखे की अवधि और आईएमडी के पूर्वानुमान जैसे विभिन्न संकेतकों पर जानकारी लगभग वास्तविक समय पर होगी. अधिकारी ने कहा कि चूंकि मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना से डेटा उपलब्ध है, इसलिए अन्य सूचनाओं के साथ विश्लेषण करने पर कृषि-डीएसएस पोर्टल के साथ इसका एकीकरण किसानों को फसल की उपयुक्तता और मृदा जल संरक्षण उपायों को लागू करने के लिए भूमि क्षमता पर सलाह देने में मददगार होगा.

रिमोट सेंसिंग के उपयोग का विस्तार

कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने कृषि में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के लाभों पर जोर दिया और अधिक फसल किस्मों में रिमोट सेंसिंग के उपयोग को बढ़ाने का आग्रह किया. उन्होंने जोर देकर कहा कि पूर्व चेतावनी प्रणाली किसानों की जान बचाने में मदद कर सकती है और उत्तर प्रदेश में ऐसे उदाहरण दिए जहां बिजली गिरने की घटनाओं के कारण खेत में काम करने वाले मजदूरों के साथ-साथ किसानों की भी मौत हो जाती है.इस अवसर पर बोलते हुए इसरो अंतरिक्ष उपयोग केंद्र के निदेशक नीलेश एम देसाई ने कहा कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों का प्रयोग 1969 से कृषि क्षेत्र में किया जा रहा है, लेकिन इनका प्रयोग धान और गेहूं से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है. कृषि-डीएसएस प्लेटफॉर्म को अंतरिक्ष विभाग के RISAT-1A और VEDAS का उपयोग करके विकसित किया गया है. इस प्लेटफॉर्म के प्रक्षेपण की योजना राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस से पहले बनाई गई थी, जो 23 अगस्त को विक्रम लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग और चंद्रयान-3 मिशन के तहत चंद्रमा पर प्रज्ञान रोवर की तैनाती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है. वही कृषि और किसान कल्याण विभाग, अंतरिक्ष विभाग, इसरो केंद्र, विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों (आईएमडी, सीडब्लूसी, एनडब्लूआईसी, एनआईसी, आईसीएआर, एसएलयूएसआई, एनएनसीएफसी) राज्य रिमोट सेंसिंग केंद्र, राज्य कृषि विभाग, संस्थान/विश्वविद्यालय, कृषि-तकनीक उद्योग के अधिकारी/प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में शामिल हुए.

IPL में साइबर ठगों ने बिछाया जाल, टिकट के लालच में न करें ये गलती.. नहीं तो खाली हो जाएगा बैंक अकाउंट

IPL का 18 सीजन चल रहा है, हर साल लोग स्टेडियम में आईपीएल मैच देखने की चाहत रखते हैं जिसमें युवाओं में सबसे ज्यादा आईपीएल को लेकर क्रेज रहता है, लेकिन आईपीएल के टिकटों की मारामारी और कालाबाजारी के चलते सभी लोग स्टेडियम में मैच नहीं देख पाते हैं. ऐसा ही हाल फिलहाल जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम के बाहर भी चल रहा हैं जहां 13 अप्रैल को होने वाले राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के मैच के टिकटों को खरीदने के लिए सबसे ज्यादा स्टूडेंट्स पहुंच रहे हैं. इस मैच की टिकटों की डिमांड स्टूडेंट्स में सबसे ज्यादा है, क्योंकि स्टूडेंट्स विराट कोहली की एक झलक देखने के लिए घंटों धूप में लाइन लगाकर कैसे भी टिकट खरीदना चाहते हैं.

आपको बता दें हर साल जयपुर में होने वाले आईपीएल मैचों में स्टूडेंट्स को 1500 की टिकट मात्र 500 रुपए में दी जाती है, इसलिए भारी संख्या में स्टूडेंट्स टिकट खरीदने के लिए यहां पहुंचते हैं.

IPL के टिकटों में भी हो रही है साइबर ठगी

हर साल जयपुर में आईपीएल मैचों को लेकर धांधलेबाजी और कालाबाजारी के मामले देखे गए हैं जिसमें लोग स्टेडियम के बाहर से ऑफलाइन सस्ती कीमत में टिकट खरीदकर लोगों को हजारों रुपए में बेचते हैं लेकिन इस बार तो साइबर ठग ऑनलाइन ठगी करने पर उतर आए हैं. साइबर क्राइम पुलिस के मुताबिक साइबर ठग फर्जी वेबसाइट और एप के जरिए लोगों को लुभावने ऑफर देकर वित्तीय जानकारी मांग रहे हैं. सोशल मीडिया के जरिए लोगों को सस्ते टिकटों के लिए फर्जी ऑफर दिए जा रहे हैं.

साइबर पुलिस द्वारा की गई जांच में पता चला है कि आईपीएल टिकटों की बुकिंग या अन्य जानकारी के लिए ऑनलाइन सर्च में मिले फर्जी हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने पर साइबर ठग लोगों से उनकी यूपीआई या बैंक डिटेल्स मांग कर उनके साथ वित्तीय ठगी कर रहे हैं इसलिए ऐसे मामलों से बचने के लिए पुलिस ने साइबर एडवाइजरी जारी की है जिसके अनुसार लोग आईपीएल टिकट आधिकारिक वेबसाइटों और स्टेडियम के बाहर टिकट खिड़की से ही टिकट खरीदे. आईपीएल मैचों के टिकटों के लिए किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें. अगर लोग टिकट के चक्कर में किसी तरह की ठगी के शिकार होते हैं तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल https://cybercrime.gov.in पर शिकायत करें.कर्नाटक के चित्रदुर्ग में एक 23 वर्षीय महिला ने सुसाइड कर लिया. जांच में पता चला कि उसके पति ने आईपीएल मैच में सट्टा खेला और डेढ़ करोड़ रुपये हार गया. जिस कारण अब सूदखोर रकम वापसी के लिए कई तरह से दबाव बना रहे थे. इसी तरह यूपी के झांसी में एक दो आईपीएल मैच में जीतने के बाद बाकी मैच में सट्टा लगा कर 80 लाख रुपये हारने वाले ने युवक ने भी मौत को गले लगा लिया. ऐसे में यदि समय रहते आप इन साइबर अपराधियों के मंसूबों को नहीं भांप सके तो जीवन बर्बाद हो जाएगा. बीते दिनों उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र से पुलिस ने 12 लोगों को गिरफ्तार किया था. ये सभी झारखंड और बिहार के रहने वाले थे और आईपीएल में सट्टा लगवा रहे थे. जब पुलिस ने पूछताछ शुरू की तो हैरान करने वाली बातें सामने आईं. गिरफ्तार किए गए आरोपियों में चार कुख्यात साइबर अपराधी थे, जो फर्जी वेबसाइट से आईपीएल में सट्टा लगवाने के नाम पर लोगों से पैसे ठग रहे थे. इन पैसों को उन्हीं खातों में ट्रांसफर कर रहे थे, जिनका इस्तेमाल सेक्सटॉर्शन, डेबिट क्रेडिट कार्ड समेत अन्य माध्यमों से हुई ठगी का पैसा ठिकाने लगाने के लिए किया जाता था. बेंगलुरु पुलिस ने भी ऐसे ही एक गैंग का भंडाफोड़ किया था, जो फर्जी मोबाइल एप्लीकेशन से लोगों को सट्टे के लिए फंसाते थे और फिर बेमानी से पैसा जीत कर साइबर धोखाधड़ी करने के लिए खोले गए खातों में ट्रांसफर करते थे.

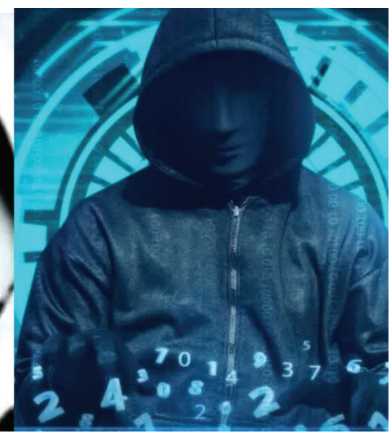

हार्डकोर साइबर क्रिमिनल्स कर रहे आईपीएल के नाम पर ठगी : लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के आईपीएस अफसर शशांक सिंह ने बताया कि जिन आरोपियों की गिरफ्तारी सटोरियों के रूप में की गई थी. असल में वे हार्डकोर साइबर अपराधी निकले, जिनके खिलाफ एनसीआरबी में करीब 25 मुकदमे दर्ज थे. सभी आरोपी अलग अलग नाम से फेक वेबसाइट और एप्लीकेशन (रेड्डी आईपीएल, आईपीएल जीतो, आईपीएल मजा) बनाते हैं और फिर सोशल मीडिया में प्रमोट किया जाता है. कम रिस्क और अधिक पैसा कमाने का झांसा देकर ये लोगों को जाल में फंसाते हैं और फिर शुरुआत में हेरफेर कर लोगों को सट्टा जितवा देते हैं और जब शिकार को सट्टा व पैसे जीतने का चस्का लग जाता है तब वह लाखों रुपये ठग लेते हैं.

चार कुख्यात साइबर अपराधी

हाल ही में उत्तर प्रदेश पुलिस ने लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र से ने 12 लोगों को गिरफ्तार किया था। ये सभी झारखंड और बिहार के रहने वाले थे और आईपीएल में सट्टा लगवाने में शामिल थे। पुलिस की पूछताछ में हैरान करने वाली बातें सामने आईं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में चार कुख्यात साइबर अपराधी थे। ये फर्जी वेबसाइट से आईपीएल में सट्टा लगवाने के नाम पर लोगों से पैसे ठग रहे थे। इन पैसों को उन खातों में ट्रांसफर कर रहे थे, जिनका इस्तेमाल सेक्सट्रॉशन, डेबिट क्रेडिट कार्ड और अन्य तरीकों से हुई ठगी का पैसा ठिकाने लगाने के लिए किया जाता था। बेंगलुरु पुलिस ने भी ऐसे ही एक गैंग का भंडाफोड़ किया था। यह गैंग फर्जी मोबाइल एप्लीकेशन से लोगों को सट्टे के लिए फंसाते थे। फिर पैसा जीत कर साइबर धोखाधड़ी करने के लिए खोले गए खातों में ट्रांसफर करते थे।लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के आईपीएस अफसर शशांक सिंह के अनुसार सटोरियों के रूप में गिरफ्तार असल में हार्डकोर साइबर अपराधी थे। उनके खिलाफ करीब 25 मुकदमे दर्ज थे। सभी आरोपी अलग अलग नाम से फेक वेबसाइट और एप्लीकेशन (रेड्डी आईपीएल, आईपीएल जीतो, आईपीएल मजा) चलाता हैं। इन्हें सोशल मीडिया में प्रमोट किया जाता है। कम रिस्क और अधिक पैसा कमाने का लालच देकर ये लोगों को जाल में फंसाते हैं। फिर शुरुआत में हेरफेर कर लोगों को सट्टा जितवा देते हैं। जब लोगों को सट्टा व पैसे जीतने का चस्का लग जाता है तब वह लाखों रुपये ठग लेते हैं।

किचन में कभी खत्म न होने दें ये 5 चीजें, वरना खाली हो जाएगी तिजोरी

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जिस घर में मां लक्ष्मी का वास होता है वहां कभी धन संबंधी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता. मां लक्ष्मी का ही एक स्वरूप मां अन्नपूर्णा है और इनका वास रसोई घर में माना गया है. इसलिए रसोई घर से जुड़े कुछ निमय बनाए गए हैं जिनका पालन जरूर करना चाहिए. इन नियमों को अनदेखा करने पर मां अन्नपूर्णा और मां लक्ष्मी की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है. वास्तु शास्त्र में भी रसोई में कुछ ऐसी चीजें होती हैं जिन्हें खत्म होने से पहले ही भर देना चाहिए. क्योंकि यदि रसोई में ये चीजें खत्म हो जाएं तो मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं. आइए जानते हैं रसोई में कौन-सी कभी खत्म नहीं होनी चाहिए.

आटाः वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई घर में हमेशा अधिक मात्रा में आटा रखना चाहिए. ताकि आटा जल्दी खत्म न हो और जब खत्म होने लगे से समय से पहले ही उसे फिर से भर देना चाहिए. वास्तु के अनुसार रसोई में आटा खत्म होना अशुभ होता है और इससे व्यक्ति के मान-सम्मान को हानि होती है.

हल्दीः हिंदू धर्म में रसोई घर में रखी हल्दी को शुभ माना गया है और पूजा-पाठ से जुड़े कार्यों में इसका उपयोग किया जाता है. इसलिए घर में हल्दी का खत्म होना अशुभ होता है और इससे कुंडली में गुरु दोष लगता है. साथ ही शुभ कार्यों में भी अड़चने उत्पन्न होती हैं.

नमकः वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई घर में रखा नमक का डिब्बा कभी भी पूरी तरह से खाली नहीं होना चाहिए. खाली होने से पहले ही इसे फिर से भर देना चाहिए. नमक खत्म होने से घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है और वास्तु दोष लगता है.

चावलः पूजा-पाठ के कार्यों में चावल का विशेष तौर पर इस्तेमाल किया जाता है और रसोई में चावल होना आम बात है. लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि चावल का बर्तन पूरी तरह खाली न हो और उससे पहले ही उसे फिर से भर देना चाहिए. चावल खत्म होने से शुक्र दोष लगता है और धन संबंधी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है.

सैलेरी मिलते से सबसे पहले करने चाहिए ये काम, कभी नहीं होगी पैसों की कमी

सैलेरी आने से पहले ही हमारे खर्चे तय हो जाते हैं महीना खत्म होने से पहले ही पैसे भी खत्म हो जाते हैं. ऐसे में सैलेरी आते ही कुछ विशेष काम जरूर करना चाहिए.

पूरे महीने काम करने के बाद हर होई सैलेरी का बेसब्री से इंतजार करता है. क्योंकि सैलेरी आने पर ही पूरे महीने का बजट और खर्चा तय होता है और इस पर पूरी जिंदगी निर्भर करती है. लोग अधिक से अधिक कमाने के लिए रात-दिन मेहनत करते हैं और कोशिश करते हैं कि अपनी व अपने परिवार की सभी जरूरतों को पूरा कर सकें. फिर चाहें वह नौकरीपेश व्यक्ति हो या व्यापारी, सभी अधिक से अधिक कमाने का भरसक प्रयास करते हैं और कई बार सुख-सुविधाओं के चक्कर में जरूरत से ज्यादा खर्च कर बैठते हैं. जबकि घर के बड़े-बुजुर्ग हमेशा यही सलाह देते हैं कम से कम खर्च करें और भविष्य के लिए जरूर बचाएं. यहां तक कि ज्योतिष शास्त्र में भी कहा गया है कि सैलेरी पर महीने का खर्चा आते ही सबसे पहले कुछ कार्य करने चाहिए ताकि जीवन में कभी किसी के सामने हाथ न फैलाने पड़े.

सैलेरी आने पर सबसे पहले करें ये काम

ज्योतिष शास्त्र व धर्म शास्त्रों में भी इस बात का जिक्र किया गया है कि मनुष्य को फिजूल खर्च पर काबू रखना चाहिए. सैलेरी आते ही सबसे पहले आपको अपनी सामर्थ्य के अनुसार कुछ दान अवश्य करना चाहिए. धर्म शास्त्रों में दान करना सबसे बड़ा पुण्य माना गया है और व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार दान अवश्य करना चाहिए. कहते हैं कि व्यक्ति को अपनी सैलेरी का 10 प्रतिशत दान में जरूर देना चाहिए.

दान करने से व्यक्ति को पुण्य प्राप्त होता है और कई लोगों का आशीर्वाद भी मिलता है. धर्म शास्त्र में कहा गया है कि दान से बड़ा कोई धर्म नहीं होता. अगर आप अपनी सैलेरी आने पर जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र आदि दान करते हैं तो आपको उच्चतम फल की प्राप्ति होगी. धार्मिक पुराण में दान का विशेष महत्व बताया गया है और कई पुराणों में ऐसे उदाहरण दिए गए हैं जिसमें लोगों अपना सबकुछ दान कर दिया. धर्म ग्रंथों में दान का सबसे बड़ा उदाहरण राजा हरिशचंद्र का है, जिन्होंने न केवल अपना संपूर्ण राज्य दान कर दिया बल्कि दक्षिणा देने के लिए चांडाल के यहां नौकरी भी की.

इसके अलावा पौराणिक कथाओं के अनुसार राजा बलि ने वामन अवतार को तीन पग धरती में तीनों लोक और स्वंय को भी दान कर दिया था. कहा जाता है कि दान करने से व्यक्ति कभी छोटा नहीं होता बल्कि उसे जीवन के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है. इसलिए मनुष्य को अपनी जेब के हिसाब से समय-समय पर दान करते रहना चाहिए. ताकि देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त हो सके.

डिस्क्लेमरः यहां दी गई सभी जानकारियां सामाजिक और धार्मिक आस्थाओं पर आधारित हैं. India.Com इसकी पुष्टि नहीं करता. इसके लिए किसी एक्सपर्ट की सलाह अवश्य लें.

भगवान को प्रसाद का भोग लगाएं

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सैलरी मिलते ही सबसे पहले भगवान के लिए प्रसाद खरीदना चाहिए और अपने इष्ट देव को भोग लगाकर धन्यवाद अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान प्रसन्न होकर आप पर अपनी कृपा दृष्टि बनाकर रखेंगे। अपनी सैलरी से कुछ अंश भगवान पर खर्च करने से आपके जीवन में धन संपदा में वृद्धि होने लगेगी।

दान पुण्य करना

सैलरी मिलते ही व्यक्ति को अपनी श्रद्धा अनुसार दान पुण्य अवश्य करना चाहिए। दान पुण्य करने से आपको शुभ फलों की प्राप्ति होती है। सही जगह पर धन खर्च किया जाए, तो मां लक्ष्मी भी प्रसन्न रहती हैं और आपके जीवन में कभी भी धन दौलत की कमी नहीं रहती है। सैलरी मिलते ही आपको किसी जरूरतमंद लोगों को वस्त्र, भोजन और अनाज का दान अवश्य करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से आपके घर में धन संपदा हमेशा बनी रहती है।

गाय को रोटी और चारा खिलाना

अपनी सैलरी में से कुछ रुपये गोवंश की सेवा के लिए जरूर निकालें। गायों को रोटी के अलावा अपने रुपये से हरा चारा खरीदकर जरूर खिलाएं। गाय माता को रोजाना रोटी खिलाने से असीम पुण्यों की प्राप्ति होती है, इससे भगवान श्रीकृष्ण प्रसन्न होकर कृपा बरसाते हैं। अगर संभव हो तो अपने नजदीकी किसी गौशाला में जाकर कुछ रुपए दान कर सकते हैं।

डिटॉक्स से लेकर स्किन ग्लो तक, खीरे का पानी पीने से मिलते हैं ये 7 ब्यूटी बेनिफिट्स

गर्मियों में जब शरीर को अंदर से ठंडक और ताजगी की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तब खीरे का पानी (Cucumber Water) का सेवन करना चाहिए। खीरा न सिर्फ हमारी भूख को शांत करता है, बल्कि इसका पानी शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर निकालने, त्वचा को हाइड्रेट करने और बालों की सेहत को बेहतर बनाने में मदद करता है। बाजार में मिलने वाले केमिकल युक्त ब्यूटी प्रॉडक्ट्स की बजाय, अगर आप रोजाना एक गिलास खीरे का पानी पीना शुरू कर दें, तो आपकी स्किन और बालों में नेचुरल ग्लो आता है। खीरे में भरपूर मात्रा में पानी, विटामिन-सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो न केवल त्वचा को अंदर से पोषण देते हैं, बल्कि चेहरे के दाग-धब्बे और झुर्रियों को भी कम करने में मदद मलिती है। यही नहीं, यह शरीर को अंदर से डिटॉक्स करता है जिससे मुंहासों की समस्या भी कम होती है। इस लेख में हम जानेंगे कि खीरे का पानी पीने के ब्यूटी बेनिफिट्स। इस वषिय पर बेहतर जानकारी के लिए हमने लखनऊ के वकिास नगर में स्थति न्यूट्रिवाइज क्लीनकि की न्यूट्रशिनस्टि नेहा सन्हिा से बात की।

1. खीरे का पानी शरीर को डिटॉक्स करता है-

खीरे का पानी शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने का एक नेचुरल तरीका है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स, लविर और किडनी को क्लीन करने में मदद करते हैं। इससे आपकी स्किन भी फ्रेश और साफ दिखाई देती है।

2. चेहरे पर नेचुरल ग्लो आता है- Natural Skin Glow

खीरे में मौजूद विटामिन-सी स्किन को अंदर से रिपेयर करता है और उसमें नेचुरल चमक लाता है। रोजाना इसका सेवन करने से स्किन की डलनेस धीरे-धीरे दूर हो जाती है।

3. त्वचा को हाइड्रेट रखता है- Keeps the Skin Hydrated

खीरे का पानी पीने से स्किन में नमी बनी रहती है, जिससे त्वचा में ड्राईनेस और खुरदरापन नहीं होता। खीरे का पानी पीने से शरीर डटॉक्स होता है और त्वचा हेल्दी रहती है।

4. पिंपल्स और एक्ने कम होंगे- It Reduces Pimples and Acne

खीरे का पानी शरीर की गर्मी को कम करता है और खून को साफ करता है। इससे एक्ने और पिंपल्स की समस्या धीरे-धीरे घटने लगती है। यह एक नेचुरल कूलिंग ड्रिंक है।

5. एंटी-एजिंग में मदद करता है- It Helps in Anti-Aging

खीरे के पानी में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स स्किन की एजिंग प्रोसेस को स्लो कर देते हैं। यह झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम करने में असरदार माना जाता है।

6. बालों को हेल्दी बनाता है- It Improves Hair Health

खीरे का पानी बालों की ग्रोथ के लिए जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स की जरूरत को पूरा करता है। यह स्कैल्प को हाइड्रेट करता है और बालों की ड्राइनेस को भी कम करता है।

7. स्किन टोन को इवन करता है- It Evens Out Skin Tone

खीरे का पानी स्किन की रंगत को निखारता है और पिग्मेंटेशन को भी धीरे-धीरे हल्का करता है। इससे चेहरा ज्यादा क्लियर दिखता है। खीरे का पानी एक आसान और प्राकृतिक तरीका है जिससे आप स्किन और बालों की देखभाल कर सकते हैं। इसका नियमित सेवन न केवल शरीर को डिटॉक्स करता है, बल्कि आपकी त्वचा और बालों में प्राकृतिक निखार भी लाता है।

1. खीरे का डिटॉक्स वॉटर सबसे पहले शरीर को हाइड्रेटेड रखने का काम करता है। गर्मी में शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे थकावट और कम एनर्जी महसूस होती है। खीरे में पानी होता है, जो शरीर को ताजगी देता है और हाइड्रेशन बनाए रखता है। इसके अलावा, नींबू और पुदीना की ताजगी भी शरीर को ठंडक पहुंचाती है।

2. खीरे का डिटॉक्स वॉटर वजन घटाने के लिए एक बेहतरीन उपाय है। खीरे में कम कैलोरी होती है और यह फाइबर से भरपूर होता है, जो लंबे समय तक पेट को भरा हुआ महसूस कराता है। इसके अलावा, यह शरीर के अंदर से विषाक्त पदार्थों यानी टॉक्सिन को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

3. खीरे के डिटॉक्स वॉटर का सेवन आपकी त्वचा को भी निखार सकता है। खीरे में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो त्वचा को हेल्दी और ग्लोइंग बनाए रखते हैं। यह जलन और सूजन को कम करने में भी मदद करता है, जिससे त्वचा पर प्राकृतिक ग्लो आता है। इसके अलावा, यह मुंहासे और पिंपल्स की समस्या को भी कम करता है।

4. खीरे का डिटॉक्स वॉटर पाचन तंत्र के लिए भी फायदेमंद होता है। यह पाचन को सुचारु रखता है और कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद करता है। नींबू और पुदीना का सेवन पेट की गैस और सूजन को कम करता है, जिससे डाइजेशन बेहतर होता है।

5. यह डिटॉक्स वॉटर शरीर से विषाक्त पदार्थों यानी टॉक्सिन को बाहर निकालने में मदद करता है। खीरे में नेचुरल डिटॉक्स गुण होते हैं जो लिवर और किडनी को साफ करने में मदद करते हैं। यह शरीर में जमा होने वाले विषाक्त पदार्थों को फ्लश करके शरीर को शुद्ध करता है, जिससे आपको महसूस होता है कि आप हल्के और एनर्जी से भरे हुए हैं।

उत्कृष्ट हृदय स्वास्थ्य के लिए हृदय-स्वस्थ खाद्य पदार्थ

विश्व स्तर पर सभी मौतों में से लगभग एक-तिहाई दिल के कारण होता है रोग । आहार हार्ट हेल्थ के लिए महत्वपूर्ण है। हृदय रोग के जोखिम को प्रभावित कर सकता है। कुछ भोजन रक्तचाप, ट्राइग्लिसराइड के स्तर, उच्च कोलेस्ट्रॉल और सूजन, सभी हृदय रोग जोखिम कारक को प्रभावित कर सकते हैं। सौभाग्य से, इनमें से कई हृदय-स्वस्थ खाद्य पदार्थ भी स्वादिष्ट और आसानी से उपलब्ध हैं। यह ब्लॉग पोस्ट आपको 25 हृदय-स्वस्थ खाद्य पदार्थों से परिचित कराएगा, उनके पोषण संबंधी लाभों को उजागर करेगा और वे दिल के स्वास्थ्य का समर्थन कैसे कर सकते हैं। चाहे आप हृदय रोग को रोकने के लिए देख रहे हों या एक स्वस्थ हृदय बनाए रखें, ये खाद्य पदार्थ आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। तो, चलो हृदय-स्वस्थ खाद्य पदार्थों की हमारी सूची में गोता लगाएँ जिन्हें आपको अपने आहार में शामिल करने पर विचार करना चाहिए।

उत्कृष्ट हृदय स्वास्थ्य के लिए 25 हृदय-स्वस्थ खाद्य पदार्थों की सूची

इस सूची की जाँच करें 25 हृदय-स्वस्थ खाद्य पदार्थों का उल्लेख नीचे किया गया है:

1. flaxseed

ग्राउंड फ्लैक्ससीड में ओमेगा -3 फैटी एसिड के साथ-साथ घुलनशील और अघुलनशील फाइबर भी शामिल हैं। इसमें लिग्नन्स की सबसे बड़ी सांद्रता में से एक है, जिसमें प्लांट एस्ट्रोजेन और गुण। ग्राउंड फ्लैक्ससीड आपके आहार में एकीकृत करने के लिए सरल है और इसे लगभग किसी भी भोजन में डाल दिया जा सकता है। इसे कम वसा वाले दही के ऊपर छिड़कें, इसे मफिन में ब्लेंड करें, या इसे स्मूदी में शामिल करें

2. बादाम

बादाम रक्त को कम करने के लिए सिद्ध किया गया है स्तर। बादाम भी दिल से स्वस्थ अखरोट के लिए एक अच्छा विकल्प है। प्लांट ओमेगा -3 फैटी एसिड, विटामिन ई, मैग्नीशियम, कैल्शियम, फाइबर, और हृदय-स्वस्थ मोनो और पॉलीअनसेचुरेटेड वसा सभी उनमें पाए जाते हैं। वे हृदय-स्वस्थ हैं, लेकिन वसा में भी भारी हैं, जिनमें से कुछ ट्रांस वसा है।

3. अखरोट

अखरोट नट के समान स्वास्थ्य लाभों में से कई प्रदान करते हैं। प्लांट ओमेगा -3 फैटी एसिड, विटामिन ई, कैल्शियम, फोलिक, फाइबर, हृदय-स्वस्थ ओमेगा -3 वसा, और फाइटोस्टेरोल उन सभी में पाए जाते हैं। हालांकि हृदय-स्वस्थ, वे कैलोरी और वसा में भारी होते हैं और मॉडरेशन में सेवन किया जाना चाहिए। सभी नट्स के साथ, अखरोट के हिस्से के आकार पर विचार किया जाना चाहिए।

4. ब्राउन राइस

ब्राउन राइस न केवल स्वादिष्ट स्वाद लेता है, बल्कि 25 हृदय-स्वस्थ खाद्य पदार्थों के तहत भी आता है जो हृदय-स्वस्थ आहार में योगदान करते हैं। ब्राउन राइस में एक कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जो धीरे -धीरे ग्लूकोज को रक्तप्रवाह में छोड़ देता है। यह रक्त शर्करा के स्तर को विनियमित करने में मदद कर सकता है और मधुमेह , हृदय रोग के लिए एक और

जोखिम कारक। इसमें विटामिन बी, फाइबर और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व भी शामिल हैं।

5. सोया दूध

सोया दूध में एक फ्लेवोनोइड शामिल है और बहुत अधिक पोषण प्रदान करता है। बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन, फोलेट, पोटेशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, और फाइटोएस्ट्रोजेन पोषक तत्वों के उदाहरण हैं। सोया दूध प्रोटीन, पशु दूध प्रोटीन के विपरीत, कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है और अतिरिक्त हृदय लाभ दे सकता है।

6. हरी पत्तेदार सब्जियां

पत्तेदार हरी सब्जियां, जैसे कि पालक, केल, और कोलार्ड ग्रीन्स, खनिजों, विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट की उच्च सांद्रता के लिए अच्छी तरह से जाने जाते हैं। वे विटामिन के में विशेष रूप से उच्च हैं, जो आपकी धमनियों की रक्षा करने और अच्छे रक्त के थक्के का समर्थन करने में मदद करता है। आठ अनुसंधानों के एक मेटा-विश्लेषण के अनुसार, पत्तेदार हरी सब्जी की खपत में वृद्धि 16% से संबंधित थी, हृदय रोग का जोखिम कम हो गया।

7. सामन

सैल्मन ओमेगा -3 फैटी एसिड में समृद्ध है, जो अतालता के जोखिम को कम कर सकता है, कम ट्राइग्लिसराइड के स्तर, धमनियों में धीमी पट्टिका बिल्डअप, और महत्वपूर्ण रूप से लोअर ब्लड प्रेशर । अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन से पता चलता है

8. दलिया

ओटमील ओमेगा -3 फैटी एसिड में एक शानदार सुबह की वस्तु है। यह उच्च फाइबर के साथ पैक किया जाता है, हर एक-कप भोजन में 4 ग्राम के साथ। इसमें पोटेशियम, मैग्नीशियम और आयरन की उच्च मात्रा भी होती है। ओटमील अत्यधिक पौष्टिक है और फाइबर, विटामिन और खनिजों से समृद्ध 25 हृदय-स्वस्थ खाद्य पदार्थों की सूची में सबसे ऊपर आता है, जिससे यह दिल से स्वस्थ आहार के लिए एक बढ़िया अतिरिक्त हो जाता है।

9. ब्लैक बीन्स

काली बीन्स, जो हल्के और नाजुक हैं, हृदय-स्वस्थ खनिजों में उच्च हैं। फोलेट, एंटीऑक्सिडेंट और मैग्नीशियम के साथ रक्तचाप को कम किया जा सकता है। कोलेस्ट्रॉल और रक्त शर्करा के स्तर के नियमन में उनके फाइबर एड्स।

10. रेडविन

यदि आप शराब पीते हैं, तो थोड़ी सी रेड वाइन एक दिल से स्वस्थ विकल्प हो सकती है। रेड वाइन एंटीऑक्सिडेंट रेसवेराट्रोल और कैटेचिन धमनी दीवारों की रक्षा कर सकते हैं। यह एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) भी बढ़ाएगा। बहुत अधिक शराब दिल के लिए खतरनाक है। महिलाओं के लिए प्रति दिन एक पेय और पुरुषों के लिए प्रति दिन दो पेय का सेवन करें।

11. संतरे

कोलेस्ट्रॉल और फाइबर पेक्टिन को कम करने में मीठे और रसदार सहायता के साथ संतरे। उनमें पोटेशियम भी होता है, जो रक्तचाप के विनियमन में सहायता करता है। एक अध्ययन के अनुसार, प्रति दिन दो कप ओजे ने रक्त वाहिका स्वास्थ्य में सुधार किया। इसके अतिरिक्त, इसने पुरुषों के रक्तचाप को कम कर दिया।

12. डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट में एंटीऑक्सिडेंट शामिल हैं। फ्लेवोनोइड्स, जो हृदय स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि विभिन्न अध्ययनों ने चॉकलेट को चॉकलेट को हृदय रोग के कम जोखिम से जोड़ा है। मॉडरेशन में चॉकलेट का उपयोग कोरोनरी हार्ट डिजीज , स्ट्रोक्स, और मधुमेह ।

13. लहसुन

हाल के शोध ने लहसुन के महत्वपूर्ण औषधीय लाभों को साबित किया है और पता चला है कि यह हृदय स्वास्थ्य को भी बढ़ा सकता है। एक परीक्षण में, 24 सप्ताह के लिए रोजाना 600-1,500 मिलीग्राम लहसुन का अर्क का सेवन करना रक्तचाप को कम करने के लिए एक विशिष्ट नुस्खे के रूप में फायदेमंद था। अन्य शोध ने संकेत दिया है कि लहसुन का अर्क प्लेटलेट फ़ंक्शन को कम कर सकता है।

14. टोफू

टोफू एक उच्च-प्रोटीन भोजन है। यह शाकाहारी है। यह फोलेट, नियासिन, पोटेशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे हृदय-स्वस्थ तत्वों में भी उच्च है। यह बनाने के लिए सरल है और व्यावहारिक रूप से किसी भी भोजन के साथ जा सकता है। जबकि कई अध्ययनों से पता चला है कि टोफू में हृदय-सुरक्षात्मक गुण हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि यह कैसे तैयार किया जाता है।

15. गाजर

गाजर आमतौर पर अपने समृद्ध कैरोटीनॉयड सामग्री के लिए सबसे अच्छी तरह से जाना जाता है। गाजर पोषक तत्व बीटा-कैरोटीन में उच्च हैं, लेकिन उच्च अल्फा और गामा कैरोटेन (कैरोटीनॉयड) भी होते हैं। बीटा-कैरोटीन के बढ़े हुए स्तर को स्ट्रोक और दिल का दौरा।

16. ब्रोकोली

ब्रोकोली में बीटा-कैरोटीन, विटामिन सी और ई, कैल्शियम, फोलेट, पोटेशियम और फाइबर शामिल हैं। ब्रोकोली सूप में शानदार स्वाद लेता है, वेजी डिप्स और सलाद के साथ मिश्रित होता है, या भूरे रंग के चावल के भोजन के साथ शामिल होता है। आहार में अधिक ब्रोकोली सहित हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एक निश्चित तरीका है।

17. लाल घंटी मिर्च

रेड बेल पेपर्स अम्लीय और कुरकुरा होते हैं और हृदय-स्वस्थ पोषक तत्वों में उच्च होते हैं जैसे कि बीटा-कैरोटीन और ल्यूटिन (carotenoids), b-complex विटामिन, फोलेट, पोटेशियम और फाइबर। रंग महत्वपूर्ण है जब यह बेल पेपर्स में हृदय-सुरक्षात्मक यौगिकों की बात आती है। उदाहरण के लिए, लाल मिर्च में बीटा-कैरोटीन का उच्च स्तर होता है। पीले रंग की घंटियों में लगभग कोई बीटा-कैरोटीन नहीं है, अन्यथा स्वस्थ होने के बावजूद।

18. ब्लूबेरी

जामुन दिल के साथ -साथ शरीर के बाकी हिस्सों के लिए फायदेमंद हैं। कैरोटीनॉयड, फ्लेवोनोइड्स, पॉलीफेनोल्स, विटामिन सी, फोलेट, पोटेशियम, कैल्शियम, और फाइबर जैसे पोषक तत्वों में ब्लूबेरी उच्च हैं।

19. शकरकंद

शकरकंद में एक उच्च पोषक तत्व होता है। शकरकंद में विटामिन ए और सी, विटामिन ई का एक अद्वितीय कम वसा वाला स्रोत शामिल है। इनमें पोटेशियम, फोलिक, कैल्शियम और फाइबर भी शामिल हैं, और भी अधिक फाइबर प्रदान करने वाली खाल शामिल हैं।

20. पपीता

पपीता में पाए जाने वाले कैरोटीनॉयड में बीटा-कैरोटीन, बीटा-क्रिप्टोक्सैन्थिन और ल्यूटिन शामिल हैं। इसमें विटामिन ए और सी, फोलेट, पोटेशियम और कैल्शियम शामिल हैं। पपीता पूरी तरह से दिल-स्वस्थ सामन का पूरक है। इसे एक स्मूथी, फलों का सलाद, पॉप्सिकल, सालसा, या यहां तक कि ग्रील्ड के रूप में परोसें।

21. जौ

चावल को इस अखरोट पूरे अनाज के साथ बदलें। जौ को सूप और स्टू में भी पकाया जा सकता है। जौ की फाइबर सामग्री कोलेस्ट्रॉल में कमी को रोक सकती है। यह रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में भी मदद कर सकता है।

22. दही

जब हम डेयरी खाद्य पदार्थों पर विचार करते हैं, तो हम उन्हें आपकी हड्डियों के लिए अच्छा मानते हैं। हालाँकि, ये भोजन उच्च रक्तचाप । दही में बहुत सारे कैल्शियम और पोटेशियम होते हैं। वसा को कम करते हुए कैल्शियम को बढ़ाने के लिए कम वसा वाले प्रकार चुनें।

वृद्धजनों के लिए आवश्यक हृदय स्वास्थ्य सुझाव

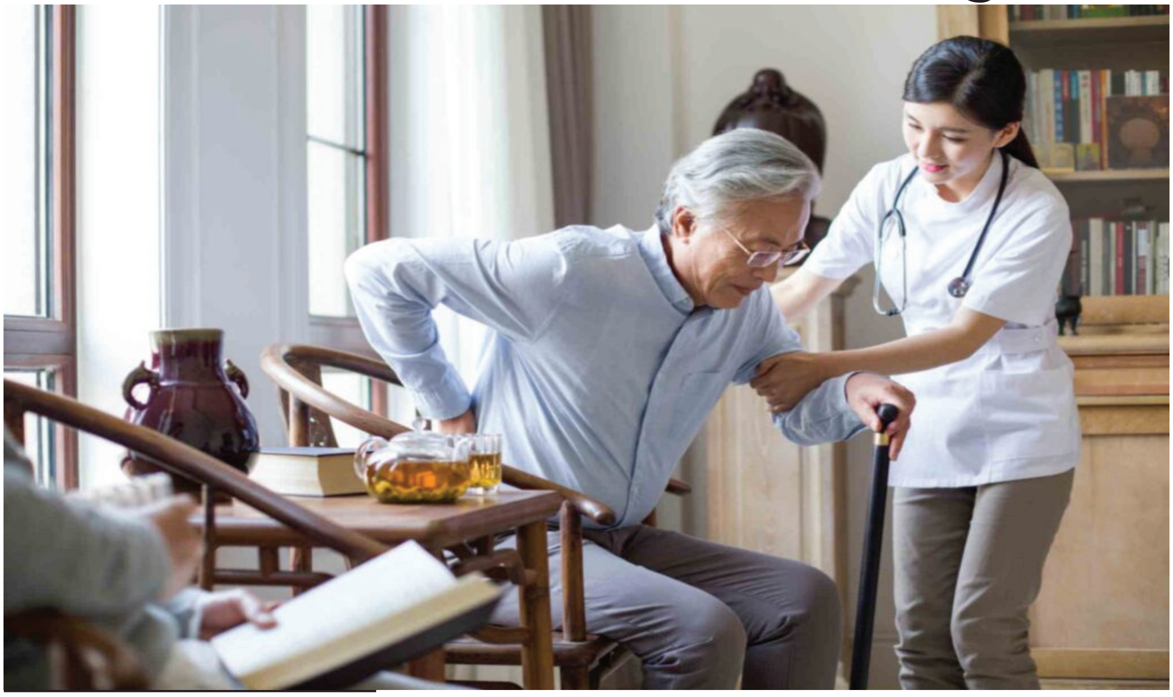

क्या आप अपने प्रियजनों के हृदय स्वास्थ्य के बारे में चिंतित हैं ? उनकी देखभाल करना चाहते हैं लेकिन यह नहीं जानते कि शुरुआत कहाँ से करें? खैर, कोई चिंता नहीं – हम आपकी मदद करेंगे। उम्र बढ़ने के साथ-साथ हमारे शरीर और हृदय में कई बदलाव होते हैं, खासकर जब हम पचास साल के हो जाते हैं। हृदय रोग दुनिया भर में जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा है, जो लगभग 12% आबादी को खत्म कर देता है।

यद्यपि उम्र बढ़ने से हृदय-संवहनी प्रणाली प्रभावित होती है, फिर भी वृद्ध लोगों के लिए जीवनशैली में बदलाव लाकर अपने हृदय के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में कभी देर नहीं होती।

बदलती जीवनशैली और खान-पान से आप अपने दिल को मजबूत और स्वस्थ रख सकते हैं। स्वास्थ्य के महत्व को समझने की कोशिश करें। स्वस्थ दिल से आप कैसे लंबे समय तक जी सकते हैं? यह ब्लॉग आपको अपने दिल को स्वस्थ रखने में मदद करेगा। यह बुजुर्गों के लिए है और स्वस्थ दिल बनाए रखने और सक्रिय रहने के बारे में सुझाव और मार्गदर्शन प्रदान करता है।

हृदय स्वास्थ्य को समझना

सबसे पहले, आपको उम्र बढ़ने के दौरान दिल के महत्व और महत्वपूर्णता को समझना होगा। यह सब एक स्वस्थ जीवन शैली जीने पर निर्भर करता है। हमारा कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम शरीर के चारों ओर ऑक्सीजन और पोषक तत्वों को फैलाता है। एक स्वस्थ दिल सामान्य रक्त परिसंचरण को बनाए रखता है, जिससे हमारे सभी महत्वपूर्ण कार्यों में मदद मिलती है।हालाँकि, जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, दिल से जुड़ी बीमारियाँ होने की संभावना बढ़ जाती है।

हृदय की विफलता, उच्च रक्तचाप और कोरोनरी धमनी रोग जैसी हृदय संबंधी स्थितियाँ आम हैं। ये समस्याएँ लोगों के जीवन की गुणवत्ता को प्रभावी रूप से प्रभावित कर सकती हैं। जीवनशैली से संबंधित जोखिम कारक भी बढ़ जाते हैं, जिसमें धूम्रपान, शराब पीना और खराब खान-पान शामिल है। हृदय स्वास्थ्य में सुधार के लिए, वरिष्ठ नागरिकों को हृदय के संकेतों और लक्षणों को नोटिस करना और समझना चाहिए। उम्र बढ़ने के साथ स्वस्थ हृदय के लिए संतुलित आहार, जाँच, नियमित व्यायाम और ध्यान सभी महत्वपूर्ण हैं।

आपको यह पसंद आ सकता है: झुर्रियों से कैसे छुटकारा पाएं: कारण, रोकथाम के उपाय और घरेलू उपचार

हृदय स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए सुझाव

आइए उम्र बढ़ने के साथ हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के कुछ सुझावों के बारे में बात करें:

1. नियमित व्यायाम करें

व्यायाम खुद को स्वस्थ और फिट रखने के लिए सबसे अच्छी चीजों में से एक है। लगातार व्यायाम आपके दिल और आपके पूरे शरीर के लिए अच्छा है। यह आपके दिल के स्वास्थ्य और रक्त परिसंचरण को बेहतर बनाने में आपकी मदद करता है। सुबह की सैर, तैराकी, योग और साइकिल चलाना आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है। अपने शरीर को अच्छी तरह से हिलाएं और अपने रक्तचाप और दिल को स्वस्थ रखें।

2. हृदय के लिए स्वस्थ आहार लें

स्वस्थ आहार आपको स्वस्थ हृदय की ओर ले जाता है। यह उचित आहार लेने और मौसमी फल और सब्जियाँ नियमित रूप से खाने का सही समय है जो आपके पेट के लिए सबसे अच्छा है। साबुत अनाज, दुबला मांस और स्वस्थ वसा ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जो आपके हृदय को पोषण प्रदान करते हैं । ये हृदय-स्वस्थ विकल्प आपके कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप को कम करने में आपकी मदद करेंगे।

3. धूम्रपान और शराब छोड़ें

हर कोई कहता है कि धूम्रपान करना सेहत के लिए ठीक नहीं है, तो क्यों न अब धूम्रपान छोड़ दिया जाए। अगर आपको नहीं पता तो हम आपको बता दें कि धूम्रपान करने से उम्र बढ़ती है और दिल की बीमारी बढ़ती है। धूम्रपान छोड़ना बुजुर्ग लोगों के लिए उनके स्वस्थ दिल की बेहतरी के लिए सबसे अच्छे विकल्पों में से एक है। अपने दिल को स्वस्थ रखने के लिए शराब का सेवन कम करें, महिलाओं के लिए एक दिन में एक और पुरुषों के लिए दो दिन में दो।

4. स्वस्थ वजन बनाए रखें

स्वस्थ हृदय के लिए स्वस्थ शरीर की आवश्यकता होती है। मोटापा हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है। वजन को बनाए रखने और संतुलित करने के लिए आपको मौसमी फलों और सब्जियों के साथ संतुलित आहार खाना चाहिए। उचित अनुपात में साबुत अनाज लें। यह आपको स्वस्थ हृदय रखने में मदद करेगा।

5. तनाव प्रबंधन

खराब स्वास्थ्य का सबसे आम कारण तनाव है। आज के समय में तनाव युवा लोगों और वरिष्ठ लोगों के स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ी समस्या है। तनाव को कम करने के लिए आपको योग, ध्यान, गहरी साँस लेना आदि करना चाहिए। ऐसी गतिविधियाँ करने की कोशिश करें जो आपको खुशी और आनंद लाने में मदद करें।

6. रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की निगरानी करें

बढ़ा हुआ रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल हृदय को प्रभावित कर सकता है। यह हृदय स्वास्थ्य को खराब कर सकता है। हृदय रोग विशेषज्ञों से नियमित जांच करवाने से आपको सही रास्ते पर बने रहने में मदद मिल सकती है।

1. आयु-संबंधी परिवर्तन

उम्र बढ़ने के साथ लोगों के शरीर में बदलाव आते हैं, जिसका असर उनकी चाल और सामान्य स्वास्थ्य पर पड़ता है। बुजुर्गों को अक्सर संज्ञानात्मक परिवर्तन झेलने पड़ते हैं, जैसे कि याददाश्त कमजोर होना और तर्क करने की क्षमता कम होना। इन परिवर्तनों के बारे में जागरूक होने से हम चोट से बचने के लिए सावधानी बरत सकते हैं और अपने रोज़मर्रा के जीवन को सुचारू रूप से चला सकते हैं।

2. अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से निपटना

उम्र बढ़ने वाले लोगों में मधुमेह , हृदय रोग, गठिया और उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों का अनुभव होना आम बात है । जब आप इन स्थितियों की उचित देखभाल शुरू कर सकते हैं, तो कठिनाइयों को रोकना और स्वतंत्रता बनाए रखना महत्वपूर्ण है। अच्छा! क्यों न नियमित जांच के लिए डॉक्टरों के पास जाएँ, दवाइयों के नियमों का पालन करें और अपनी जीवनशैली बदलें, जैसे कि स्वस्थ भोजन करना और रोज़ाना व्यायाम करना?

3. देखभाल करने वालों के लिए सुझाव

हृदय वह पहली चीज़ है जिसका आपको ध्यान रखना चाहिए, और हृदय देखभाल करने वाले वृद्ध लोगों की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब आप वृद्ध होने लगते हैं तो आपको विशिष्ट आवश्यकताओं से परिचित होना चाहिए। यहाँ कुछ सुझाव दिए गए हैं:

गिरने के जोखिम को कम करके अपने घर को सुरक्षित बनाएं।

अकेलेपन से निपटने के लिए सामाजिक संपर्क को बढ़ावा देना।स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाना। आपको निरंतर और प्रभावी देखभाल प्रदान करने के लिए उनके कल्याण को प्राथमिकता देनी होगी।

हृदय स्वास्थ्य में आहार की भूमिका

संतुलित आहार हृदय स्वास्थ्य की आधारशिला है। विशिष्ट खाद्य पदार्थों को शामिल करने से हृदय संबंधी स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए साबुत अनाज

साबुत अनाज फाइबर से भरपूर होते हैं, विटामिन और खनिजजो हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परिष्कृत अनाज के विपरीत, साबुत अनाज में चोकर, बीज और एंडोस्पर्म होते हैं, जो व्यापक पोषण संबंधी लाभ प्रदान करते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि साबुत अनाज खाने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम हो सकता है और हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए सब्जियाँ

दिल को स्वस्थ रखने वाले आहार के लिए सब्जियाँ अपरिहार्य हैं। विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, वे सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद करते हैं, जो दोनों ही दिल के स्वास्थ्य से जुड़े हैं। हृदय रोगपालक और केल जैसी पत्तेदार सब्जियाँ, साथ ही ब्रोकोली और ब्रसेल्स स्प्राउट्स जैसी क्रूसिफेरस सब्जियाँ विशेष रूप से फायदेमंद होती हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम फल

फल, खास तौर पर वे जिनमें फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं, दिल की सेहत के लिए बहुत अच्छे होते हैं। स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी और रास्पबेरी जैसे बेरीज में पॉलीफेनॉल भरपूर मात्रा में होते हैं, जो दिल की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने और दिल की बीमारी के जोखिम को कम करने में कारगर साबित हुए हैं। खट्टे फल, सेब और नाशपाती भी बेहतरीन विकल्प हैं।

वैज्ञानिकों को मिले पृथ्वी से दूर इस ग्रह पर जीवन के संकेत, कब तक मिलेंगे पुख़्ता सुबूत?

वैज्ञानिकों को इस धरती से दूर जीवन के सुबूत मिले हैं. फ़िलहाल ये इतने पुख़्ता नहीं हैं लेकिन एक तारे के चारों ओर चक्कर काट रहे इस ग्रह में जीवन हो सकता है. कैंब्रिज के वैज्ञानिकों की एक टीम K2-18B (इसे यही नाम दिया गया है) ग्रह के वातावरण का अध्ययन कर रही है. उसने यहां ऐसे अणुओं के संकेत खोजे हैं जो पृथ्वी पर पाए जाते हैं और जो सिर्फ़ साधारण सूक्ष्म जीवों से ही पैदा होते हैं. ये दूसरी बार है जब जीवन से जुड़े रसायन किसी ग्रह के वातावरण में मिले हैं. इस बार ये किसी ग्रह में जीवन को लेकर ज्यादा संभावना जगाने वाले अध्ययन है. ये संकेत नासा की जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के जरिये तलाशे गए हैं. लेकिन इस टीम और स्वतंत्र खगोलविदों ने इस बात पर जोर दिया है कि इन नतीजों की पुष्टि के लिए और अधिक डेटा की जरूरत होगी. प्रोफ़ेसर मधुसूदन ने उम्मीद जताई कि जल्द ही ऐसे सुबूत मिल जाएंगे जिनसे इस बारे में किसी अंतिम नतीजे पर पहुंचा जा सके. उन्होंने कहा,'' वहां जीवन के होने के ये अब तक के सबसे पुख़्ता सुबूत हैं. अगर मैं वास्तविक तौर पर कहूं तो हम एक या दो साल के भीतर जीवन के इस संकेत की पुख़्ता तौर पर पुष्टि कर सकते हैं.'' K2-18B पृथ्वी से आकार में ढाई गुना बड़ा है. और यहां से 700 ट्रिलियन मील दूर है. जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप इतना शक्तिशाली है कि वो एक छोटे लाल सूरज से आने वाली रोशनी के जरिये इस ग्रह की रासायनिक संरचना का विश्लेषण कर सकता है. ये ग्रह इसकी परिक्रमा करता है.

कैंब्रिज के वैज्ञानिकों ने अपनी इस स्टडी में पाया कि इस वातावरण के दो अणुओं में से एक में ऐसे केमिकल सिग्नेचर हैं, जो जीवन से जुड़े हैं. ये हैं डिमिथाइल सल्फाइड और डिमिथाइल डिसल्फाइड. पृथ्वी पर ये दोनों गैस मरीन फिटोप्लेंकटोन और बैक्टीरिया से पैदा होते हैं.

प्रोफ़ेसर मधुसूदन ने बताया कि पहली बार के पर्यवेक्षण से कितनी गैस का पता चला है. उन्होंने कहा कि इसे देख कर वो अचरज में थे.

उन्होंने कहा, ''हमें जिस मात्रा में ये गैस मिली है वो पृथ्वी पर मौजूद इस तरह की गैस से हजार गुना ज़्यादा है. इसलिए यहां जीवन के संकेत वास्तविक लगते हैं. इस ग्रह पर जीवन पनप सकता है.'' प्रोफ़ेसर मधुसूदन कहते हैं, ''अगर हम K2-18B में जीवन की पुष्टि कर पाते हैं तो मोटे तौर पर इस बात की भी पुष्टि हो सकती है कि आकाशगंगा में जीवन होना आम है.'' हालांकि प्रोफ़ेसर मधुसूदन की टीम खुले तौर पर कहती है कि इस समय तो इसमें कई 'किंतु-परंतु' जुड़े हैं. पहली बात तो ये है कि जो हालिया संकेत मिले हैं वो उस मानक तक नहीं पहुंच पाए हैं जहां उन्हें एक वैज्ञानिक खोज की मान्यता मिल सके. इसके लिए रिसर्चरों को 99.99999 फ़ीसदी सुनिश्चित होना होगा उनके नतीजे सही हैं और वो सिर्फ अनायास ही की गई स्टडी नहीं है. वैज्ञानिकों की भाषा में वैज्ञानिक खोजों के नतीजे 'फाइव सिग्मा' तक होते हैं. नए ग्रह से मिलने वाले संकेत नतीजों के मामले में थ्री सिग्मा तक जाते हैं. यानी सटीकता के मामले में 99.7 फ़ीसदी तक. एडिनबरा यूनिवर्सिटी की प्रोफ़ेसर और स्कॉटलैंड की एस्ट्रोनॉमर रॉयल कैथरिन हेमेन्स का कहना है कैंब्रिज की टीम ने भले ही फाइव सिग्मा रिजल्ट हासिल किया है

लेकिन अंतिम तौर पर ये नहीं कहा जा सकता कि उस ग्रह पर जीवन है. हेमेन्स इस रिसर्च टीम का हिस्सा नहीं थीं. उन्होंने बीबीसी न्यूज़ से कहा, ''भले ही इस ग्रह पर जीवन को लेकर इस तरह के पुख़्ता संकेत मिल रहे हैं लेकिन अभी भी ये सवाल बना हुआ है कि इस गैस की उत्पति कहां से हो रही है.'' उन्होंने कहा, 'धरती पर समुद्र में सूक्ष्मजीवों से ये गैस पैदा होती है. लेकिन पुख़्ता डेटा के बगैर हम निश्चित तौर पर ये नहीं कह सकते कि किसी एलियन ग्रह पर गैसों की ये उत्पति जैविक ही है. इस ब्रह्मांड में हजारों विचित्र चीजें होती हैं. हम ये नहीं मालूम है कि इस ग्रह पर कैसी जैविक गतिविधियां हो सकती हैं, जिनसे अणु पैदा कर सकते हैं.''कैंब्रिज की टीम इस विचार से सहमत है. वैज्ञानिक कई समूहों में बंटकर इस बात का अध्ययन कर रहे हैं कि क्या लैब में निर्जीव माध्यमों से डिमिथाइल सल्फाइड और डिमिथाइल डिसल्फाइड बनाई जा सकती है. दूसरे रिसर्च समूहों ने K2-18B से मिले डेटा के आधार पर कुछ विकल्प सुझाए हैं. लेकिन ये जैविक नहीं हैं. वैज्ञानिकों के बीच डिमिथाइल सल्फाइड और डिमिथाइल डिसल्फाइड की मौजूदगी और इस ग्रह की संरचना पर काफी बहस हो रही है. ये इसलिए कि कई रिसर्चरों का निष्कर्ष है कि इस ग्रह में एक समुद्र है. और यहां अमोनिया नहीं है. क्योंकि अमोनिया समुद्र या ऐसे ही जल क्षेत्र की ओर से अवशोषित कर

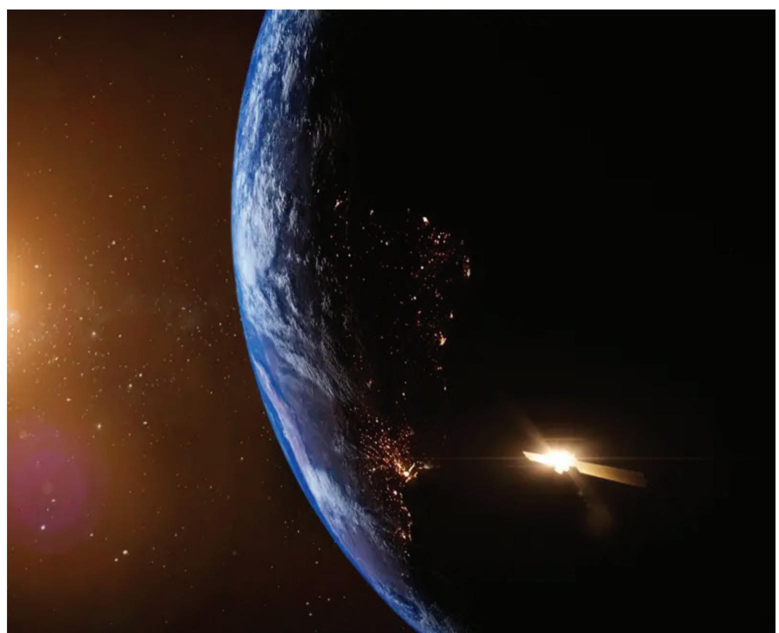

लिया जाता है. लेकिन कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के प्रोफ़ेसर ओलिवर शॉर्टल ने कहा कि इस स्थिति की व्याख्या पिघले हुए पत्थरों के समुद्र के तौर पर ही हो सकती है. उन्होंने कहा, ''हमें दूसरे तारों की परिक्रमा करने वाले ग्रहों के बारे में जो कुछ भी पता है वो उस रोशनी के छोटे हिस्से के जरिये आता है जो उनके वातावरण से टकराती है. लेकिन ये अविश्वसनीय हद तक ऐसे कमजोर संकेत हैं जिन पर हमें गौर करना है.''उन्होने कहा, ''K2-18B अभी भी उस वैज्ञानिक बहस का हिस्सा है कि इस ग्रह की संरचना कैसी है.''नतीजों के मामले में ये काफी ज्यादा उम्मीद जगाने वाला है. फ़िलहाल ये वैज्ञानिक समुदाय को आश्वस्त करने लायक नतीजे नहीं हैं. हालांकि ये 18 महीने पहले एक टीम की ओर से हासिल वन सिग्मा रिजल्ट से ज्यादा है जो सटीकता के मामले में 68 फ़ीसदी होता है. उस समय इस नतीजे को लेकर काफी संदेह था. नासा के एमस रिसर्च सेंटर के डॉ. निकोलर वोगेन कहते हैं के उनके पास इस डेटा की एक और व्याख्या है. उन्होंने जो रिसर्च प्रकाशित की है वो ये बताती हैं कि K2-18B एक मिनी गैस जाएंट है, जिसकी कोई सतह नहीं है.इन दोनों वैकल्पिक व्याख्याओं को कई वैज्ञानिक समूहों ने चुनौती भी दी है. उनका तर्क है कि ये जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से हासिल डेटा से ये व्याख्याएं मेल नहीं खातीं. प्रोफ़ेसर मधुसूदन मानते हैं अगर उन्हें विज्ञान के सबसे बड़े सवालों में से एक (पृथ्वी के अलावा कहीं और जीवन होने का सवाल) का जवाब देना है तो इसके लिए उन्हें विज्ञान के कई पहाड़ चढ़ने होंगे. लेकिन उनका मनना वो और उनकी टीम सही रास्ते पर है.

वो कहते हैं, ''आज से दशकों बाद हम समय के इस बिंदु को मुड़ कर देख सकते हैं कह सकते हैं कि ये वो समय था जब पृथ्वी से इतर जीवन की मौजूदगी वाला ग्रह हमारी पहुंच में था. ब्रह्मांड में हमारे सिवा भी कोई है कि नहीं, शायद हम इस सवाल का जवाब देने लायक हो जाएं.''

बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए इन 5 स्कीम्स में कर सकते हैं निवेश

: मार्केट में निवेश के लिए कई सारी योजनाएं मौजूद हैं. लेकिन ज्यादातर लोग सरकारी योजनाओं में निवेश करना पसंद करते हैं, क्योंकि वो निवेश के लिहाज से ज्यादा सुरक्षित मानी जाती हैं.

सभी पेरेंट्स चाहते हैं कि उनके बच्चों का भविष्य सुरक्षित रहे और आने वाले समय में बच्चों की पढ़ाई या फिर उनकी शादी के लिए उन्हें आर्थिक दबाव का सामना न करना पड़े. अगर आप भी अपने बच्चे के अच्छे भविष्य के लिए अभी से पैसे बचा रहे हैं, तो आज हम आपको कुछ ऐसी स्कीमों (Best Child Investment Plans)के बारे में बताएंगे, जिनमें निवेश करके आप उनकी पढ़ाई और शादी की चिंता से मुक्त हो सकते हैं.

मार्केट में निवेश के लिए कई सारी योजनाएं मौजूद हैं. लेकिन ज्यादातर लोग सरकारी योजनाओं में निवेश करना पसंद करते हैं, क्योंकि वो निवेश के लिहाज से ज्यादा सुरक्षित मानी जाती हैं. सरकार बच्चों के लिए तमाम योजनाएं (Government Schemes) चला रही है. ये योजनाएं आपके पैसों की सुरक्षा की गारंटी के साथ-साथ उस पर बढ़िया रिटर्न भी देती हैं.

1. सुकन्या समृद्धि योजना (SSY)

सुकन्या समृद्धि योजना (Sukanya Samriddhi Yojana) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 में शुरू किया था. यह केंद्र सरकार की काफी पॉपुलर स्कीम है. ये योजना खासतौर पर बेटियों के लिए है. इसकी मदद से बेटी की पढ़ाई से लेकर शादी तक के लिए पैसों का इंतजाम किया जा सकता है. इस योजना में माता-पिता या अभिभावक लड़की के नाम से महज 250 रुपये से अकाउंट खोल सकते हैं. आपको बता दें कि एक फाइनेंशियल ईयर में इस स्कीम में अधिकतम 1.5 लाख रुपये का निवेश किया जा सकता है. एक बात याद रखें कि इस योजना के तहत अकाउंट खुलवाने के लिए बेटी की उम्र 10 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए और एक बेटी के नाम पर सिर्फ एक अकाउंट ही खुलवाने की इजाजत है.

2. पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF)

आप अपने बच्चों के नाम पर भी PPF (Public Provident Fund) अकाउंट भी खोल सकते हैं. इस योजना में माता या पिता या फिर दोनों अभिभावक मिलकर अपने बच्चों के नाम पर इन्वेस्ट कर सकते हैं. यह लंबे समय के निवेश के लिए एक अच्छा विकल्प है.आप सिर्फ 500 रुपये सालाना से इसमें निवेश शुरू कर सकते हैं और एक साल में अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक इन्वेस्ट कर सकते हैं. इस इन्वेस्टमेंट स्कीम पर शानदार रिटर्न के साथ टैक्स बेनेफिट भी मिलता है.

3. बालिका समृद्धि योजना (Balika Samriddhi Yojana)

यह योजना 1993 में शुरू की गई थी. इस योजना के जरिए सरकार का मकसद गरीबी रेखा से नीचे (BPL) रहने वाले परिवारों की बेटियों के जन्म से लेकर उसकी शिक्षा तक के लिए आर्थिक सहायता देना है. इस योजना के तहत बेटी होने पर मां को डिलीवरी के बाद 500 रुपये की फाइनेंशियल मदद दी जाती है. बच्ची की पढ़ाई का खर्च भी सरकार उठाती है.

4. राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (NSC)

नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (National Savings Certificate - NSC) भी निवेश की एक अच्छी स्कीम है. इसका अकाउंट पोस्ट ऑफिस जाकर आसानी से खुलवाया जा सकता है. इस योजना की खासियत यह है कि इसमें न्यूनतम निवेश 1,000 रुपये से शुरू किया जा सकता है और इसमें निवेश की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं की गई है. अगर आपके बच्चे की उम्र 10 साल या उससे ज्यादा है तो आप उसके नाम से अकाउंट खोल सकते हैं. यह स्कीम में निवेश करने का फायदा यह है कि टैक्स बेनेफिट के साथ सुरक्षित रिटर्न भी मिलता है.

5. किसान विकास पत्र (KVP)

माता-पिता किसान विकास पत्र (Kisan Vikas Patra - KVP) योजना में अपने नाबालिग बच्चों के नाम पर भी इन्वेस्ट कर सकते हैं. KVP एक लॉन्ग टर्म सेविंग स्कीम (Long Term Saving Scheme) है. इसमें निवेश की गई रकम 115 महीनों में डबल हो जाती है. आपको बता दें कि इस स्कीम में न्यूनतम 1,000 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं और इसमें निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है.

निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान चुनते समय ध्यान देने योग्य बातें

निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान, भविष्य के लिए स्थायी संपत्ति बनाने में मदद करने वाला एक वित्तीय साधन हैं। अपने वित्तीय उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न मुद्रा-बाजार उत्पादों में अनुशासित और आवधिक तरीके से अपनी बचत का निवेश करने में देश के विभिन्न निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान्स हमें सक्षम बनाते हैं।

कुल मिलाकर, निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान हमारी बचत को बढ़ाने और व्यवस्थित, दीर्घकालिक निवेश के माध्यम से भविष्य के लिए धन बनाने के लिए आवश्यक लाभ प्रदान करती हैं। भारत में निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान बनाने की दिशा में पहला कदम अपनी रिस्क प्रोफ़ाइल और वित्तीय जरूरतों का मूल्यांकन करना है और फिर अपनी आवश्यकताओं से मेल खाने वाली निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान का चयन करना है। भारत में उपलब्ध निवेश के कुछ विकल्पों में शामिल हैं:

निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान चुनते समय ध्यान देने योग्य बातें

वित्तीय उद्देश्य

निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान चुनने से पहले आपके वित्तीय लक्ष्य के बारे में सोचना चाहिए कि वह दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों हैं। ये लक्ष्य शादी और शिक्षा से लेकर अंतर्राष्ट्रीय यात्रा और नए स्मार्टफोन तक कुछ भी हो सकते हैं और ऐसे वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करने से आपको सोच-समझकर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। उदाहरण के लिए, यदि आप अपने पसंदीदा आगामी विदेश यात्रा के लिए बचत करना चाहते हैं, तो आवर्ती जमा (आरडी) या डाकघर जमा (पोस्ट ऑफिस डिपॉजिट) आपके लिए सर्वोत्तम निवेश योजनाओं में से एक हो सकता है।

नियोजित आगामी खर्च

यदि आप भारत में निवेश योजना की तलाश कर रहे हैं, तो अपने नियोजित भविष्य के खर्चों, जैसे कि आपके बच्चे की शादी और शिक्षा या घर खरीदना, का अनुमान लगाना एक महत्वपूर्ण कदम होगा। ऐसा करने से आपको इस बात का बेहतर अंदाजा होगा कि भविष्य के किसी भी खर्च को कवर करने के लिए पर्याप्त रिटर्न पाने के लिए आपको अभी कितना निवेश करने की जरूरत है।

वर्तमान खर्च

सर्वोत्तम निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान खोजने के लिये अपने वर्तमान खर्चों का मूल्यांकन करना बहुत जरूरी है। उदाहरण स्वरुप यदि आपके पास किराए जैसा कोई बड़ा खर्च नहीं है, तो आप लंबे समय तक बचत करके अधिक निवेश कर सकते हैं। और यदि आपके पास कुछ वित्तीय दायित्व हैं जिससे आप अधिक बचत नहीं कर पाते हैं, तो उच्च रिटर्न वाले निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान में निवेश करना अधिक लाभदायक सिद्ध होगा।

वित्तीय निर्भरता

भारत में निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान खरीदते समय ज्यादातर लोग अपनी वित्तीय निर्भरता के बारे में सोचते नहीं हैं। जबकि, ऐसा करना महत्वपूर्ण रहता हैं जिससे आपके पास एक ऐसा निवेश (इन्वेस्टमेंट) या बचत पूल होना चाहिए जो आपके उपर निर्भर लोगों के वित्तीय उद्देश्यों के लिए भी पर्याप्त हो। उदाहरण के लिए, जिनके माता-पिता, भाई-बहन और बच्चे हैं उनकी तुलना में यदि आपके केवल दो बच्चे हैं जो आप पर निर्भर हैं, तो आपको अधिक निवेश (इन्वेस्टमेंट) करने की आवश्यकता नहीं होगी।

धन (संपत्ति) बनाना

निवेश योजनाएं आपको जीवन की अनिश्चितताओं की चिंता किए बिना धन (संपत्ति) बनाने में मदद कर सकती हैं। भारत में एक निवेशक के रूप में, आप अपनी जोखिम सहनशीलता, अपेक्षित रिटर्न और निवेश के लिए उपलब्ध राशि के आधार पर निवेश विकल्पों में से चुन सकते हैं।

स्थायी वित्तीय सुरक्षा

आपके पोर्टफोलियो में अलग-अलग इन्वेस्टमेंट प्लान होने से आपको अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न पाने में मदद मिलेगी। मैच्योरिटी पर आपको लाभ के साथ रिटर्न भी मिलेगा। इस तरह आप अपने और अपने परिवार के लिए लंबी अवधि की वित्तीय सुरक्षा हासिल कर सकते हैं।

डेथ रिस्क कवरेज (यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान)

यूलिप इन्वेस्टमेंट प्लान्स (जैसे एक्सिस मैक्स लाइफ ऑनलाइन सेविंग प्लान्स) डेथ रिस्क कवरेज ऑप्शन ऑफर करते हैं। इन निवेश योजनाओं में निवेश करके, आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपकी अनुपस्थिति में आपके प्रियजन आर्थिक रूप से सुरक्षित रहेंगे।

सेवानिवृत्ति बचत

भारत में आप अपनी बचत को निवेश के कुछ विकल्पों में निवेश कर सकते हैं, ताकि एक कोष तैयार किया जा सके जो सेवानिवृत्ति के लिए आय के स्रोत के रूप में काम करेगा।

लचीलापन (फ्लेक्ज़ीबिलीटी)

आज उपलब्ध विभिन्न निवेश योजनाओं के साथ, आप अपने लक्ष्यों और समयरेखा के आधार पर निवेश की राशि और अवधि चुनने के लचीलेपन का लाभ उठा सकते हैं।

टैक्स सेविंग बेनिफिट्स

यूलिप, ऑनलाइन सेविंग प्लान और इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) जैसी निवेश योजनाएं (इन्वेस्टमेंट-प्लान) मार्केट लिंक्ड रिटर्न के माध्यम से धन जमा करने के अवसर प्रदान करती हैं। साथ ही, ये निवेश योजनाएं (इन्वेस्टमेंट-प्लान) भारतीय कर अधिनियम, 1961 की धारा 80 C के अंतर्गत महत्वपूर्ण कर बचत4 लाभ प्रदान करती हैं। इन दो वर्गों के अंतर्गत, देय प्रीमियम और इंश्योरेंस पे आउट दोनों क्रमशः कर-कटौती योग्य और कर मुक्त हैं।.

निवेश कितने प्रकार के होते हैं ?

उच्च रिटर्न के साथ सर्वश्रेष्ठ निवेश योजनाओं में से चुनते समय, इन निवेश योजनाओं से जुड़े जोखिमों पर विचार करना महत्वपूर्ण है। निवेश योजनाओं के लिए, उनके जोखिम जो उम्मीद से कम प्रदर्शन कर रहे है या मूल्य के स्थायी नुकसान का अनुभव कर रहे है इसे परिसंपत्ति की संभावना या संभाव्यता के रूप में दर्शाया जा सकता है| इस प्रकार, संबंधित जोखिमों के आधार पर, विभिन्न निवेश योजनाओं को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है, जैसा कि नीचे दिखाया गया है:

कम जोखिम वाला निवेश

जैसा कि नाम से ही पता चलता है, जिनमें जोखिम कारक लगभग शून्य होता है वह कम जोखिम वाली निवेश योजनाएं होती हैं । अन्य शब्दों में कहा जाये, तो जिसमें जोखिम कम होती हैं वह निवेश योजनाएं स्थिर और भरोसेमंद, मूल्यवर्धित होती हैं एवं कम से कम नुकसान करती हैं। अधिक समझने के लिए शीर्ष निवेश विकल्पों की सूची नीचे दी गई है।

1. सुकन्या समृद्धि योजना

सुकन्या समृद्धि खाता लड़कियों के लिए भारत में सबसे अच्छी निवेश योजनाओं में से एक के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। यदि आपकी बेटी है, तो इस योजना का उद्देश्य लड़कीयों के लिए एक ऐसा कोष तयार करना हैं जो धन जुटाने की सुविधा प्रदान करता है। सुकन्या समृद्धि योजना का खाता आप कमर्शियल बैंक और पोस्ट ऑफिस दोनों में खुलवा सकते हैं। इसके अलावा, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80C के तहत, आप महत्वपूर्ण कर बचत4 भी प्राप्त कर सकते हैं।

2. पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) के लाभों को देखते हुए यहं भारत में सबसे अच्छे निवेश विकल्पों में से एक है। अगर आप एक वेतनभोगी व्यक्ति हैं तो पीपीएफ आपको कई लाभ दे सकता है। हालांकि पीपीएफ पर ब्याज आय कर योग्य नहीं है, आप आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80C के अंतर्गत कर कटौती (टैक्स डिडक्शन) का लाभ भी उठा सकते हैं।

3. डाकघर मासिक आय योजना (पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम प्लान)

सामान्य तौर जो जोखिम (रिस्क) से बचना चाहते हैं उनके लिये डाकघर मासिक आय योजना (पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम प्लान) बहुत ही उपयुक्त हैं क्योंकी यह कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न देती हैं| इस योजना को सबसे अच्छी निवेश योजनाओं में से एक के रूप में जाना जाता है| यहां, आपको समझना होगा कि हालांकि डाकघर मासिक आय योजना (पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम प्लान) से होने वाली आय पूरी तरह से टैक्सेबल है, पर यह मंथली इनकम प्लान पर टैक्स कटौती (टीडीएस) को आकर्षित नहीं करता।

4. वरिष्ठ नागरिकों के लिए सरकारी योजनाएं (एससीएसएस)

बचत के लिए वरिष्ठ नागरिक योजना - एससीएसएस, भारत सरकार की एक पहल है , जो इसे विभिन्न कारणों से भारत में निवेश के सर्वोत्तम विकल्पों में से एक के रूप में जाना जाता है। पहला, यह योजना वरिष्ठ नागरिकों को महत्वपूर्ण वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है। दूसरी बात, सरकार द्वारा हर तिमाही में इस योजना की ब्याज दर तय की जाती है।

दक्षिण भारतीय फिल्मों से इन अभिनेत्रियों ने बनाई बॉलीवुड में जगह, तापसी पन्नू से लेकर श्रुति हासन का नाम भी शामिल

बॉलीवुड में कदम रखना इतना आसान नहीं है। फिल्मों की चकाचौंध भरी दुनिया में आना जितना आसान दिखता है उतना होता नहीं है। आज के दौर में तो ये काम और भी ज्यादा मुश्किल है। वहीं ऐसी कई अभिनेत्रियां हैं जिन्होंने साउथ से बॉलीवुड की ओर रुख किया और नाम कमाया है। इस पैकेज में बताते हैं ऐसी ही कुछ अभिनेत्रियों के बारे में...

काजल अग्रवाल

काजल ने बॉलीवुड में बतौर मुख्य अभिनेत्री फिल्म 'सिंघम' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके अलावा वो 'स्पेशल 26' और 'दो लफ्जों की कहानी' में भी नजर आ चुकी हैं। काजल बेशक बॉलीवुड में अपना सिक्का न जमा पाईं हो लेकिन साउथ इंडस्ट्री में काजल का नाम टॉप एक्ट्रेसेस में लिया जाता है।

तापसी पन्नू

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने अपने करियर की शुरुआत साउथ इंडियन इंडस्ट्री से की थी। तापसी आज बॉलीवुड का भी जाना पहचाना नाम हैं। तापसी ने हिंदी फिल्मों सहित कन्नड़, तमिल, तेलुगु फिल्मों में काम करती हैं। तापसी मॉडलिंग में अपना करियर बनाने से पहले एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर थीं। उन्होंने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2010 में तेलुगु फिल्म झूमंडी नादम से की, दूसरी फिल्म तमिल डेब्यू थी। इसके अलावा बॉलीवुड में उन्होंने 'चश्मेबद्दूर' से डेब्यू किया था।

इलियाना डिक्रूज

इलियाना डिक्रूज भी साउथ की जानी मानी अभिनेत्री हैं। इलियाना हाल ही में 'पागलपंती' में नजर आई थीं। वह इससे पहले 2018 में अजय देवगन के साथ 'रेड' मूवी में नजर आई थीं। वह बॉलीवुड में अपना करियर शुरू करने से पहले दक्षिण सिनेमा में छह साल काम कर चुकी हैं।

श्रुति हासन

श्रुति हासन दक्षिण भारतीय फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री हैं। उन्होंने दक्षिण की कई फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाई हैं। अभिनय के साथ वे अच्छी सिंगर भी हैं। इसके अलावा उनकी एक पहचान और भी है। वो ये कि श्रुति मशहूर एक्टर कमल हासन की बेटी हैं। श्रुति हसन ने साल 2009 में प्रदर्शित फिल्म 'लक' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने कई हिंदी फिल्मों में काम किया। श्रुति साउथ की फिल्मों की लीडिंग एक्टर्स में से एक मानी जाती हैं।

तमन्ना भाटिया

साउथ इंडियन फिल्मों से एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली तमन्ना भाटिया ने बॉलीवुड में भी अपना कदम रखा। तमन्ना साउथ इंडियन इंडस्ट्री का जाना माना नाम हैं। बॉलीवुड में भी उन्होंने अच्छा खासा नाम कमाया है। हिम्मतवाला, एंटरटेनमेंट, हाउसफुल जैसी फिल्मों में काम कर तमन्ना ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

राशि खन्ना

राशी खन्ना ने कई तमिल और तेलुगु फिल्मों में अभिनय किया है, हालांकि उन्होंने जॉन अब्राहम अभिनीत फिल्म मद्रास कैफे से सहायक भूमिका में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। उनके मुताबिक वह आईएएस ऑफिसर बनना चाहती थीं लेकिन नियति ने उन्हें एक्ट्रेस बना दिया। उनका जन्म दिल्ली में हुआ था और उन्होंने लेडी श्रीराम कॉलेज से पढ़ाई पूरी की।

रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना का जन्म 1996 में कर्नाटक के कोडागु जिले में हुआ था। वह अपनी फिल्म डियर कॉमरेड के लिए जानी जाती हैं। वह 2014 टाइम्स फ्रेश फेस ऑफ इंडिया की विजेता थीं, जिसके बाद उन्होंने कन्नड़ सिनेमा में फिल्म किरिक पार्टी के साथ करियर की शुरुआत की।

सामंथा अक्किनेनी

सामंथा का जन्म एक तेलुगु पिता और मलयाली मां से हुआ था, मिश्रित क्षेत्रीय पृष्ठभूमि के बावजूद, उनका मानना है कि, "वह एक तमिलियन हैं।" उन्होंने हाल ही में वेब सीरीज "द फैमिली मैन 2" से अपने हिंदी टीवी शो की शुरुआत की, जहां सभी ने शो में उनके प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने नंदी, सिनेमा, और फिल्मफेयर अवाड्‌र्स साउथ सहित कई पुरस्कार जीते हैं।

नित्या मेनन

नित्या मेनन ने कन्नड़ सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत फिल्म 7 बजे से की थी। वह एक कानून की छात्रा थी, लेकिन बाद में एक अभिनेत्री बन गई। उनकी बॉलीवुड की पहली फिल्म मिशन मंगल थी जो 2019 में रिलीज हुई थी। उन्होंने दक्षिण सिनेमा में लगभग 50 फिल्मों में काम किया है।

रकुल प्रीत सिंह

रकुल प्रीत सिंह का जन्म अक्टूबर 1990 में हुआ था। उन्होंने जेसु और मैरी कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने कॉलेज में पढ़ाई के दौरान अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, दक्षिण सिनेमा में उनकी पहली फिल्म 2009 में गिल्ली थी। उन्होंने यारियां, दे दे प्यार दे जैसी हिंदी सिनेमा की फिल्मों में भी काम किया।

प्रणिता सुभाष

प्रणिता सुभाष कर्नाटक से हैं। दक्षिण सिनेमा में उनकी पहली फिल्म पोर्की है। उन्होंने मिस्टर 420, मास, डायनामाइट जैसी कई तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में अभिनय किया है। उन्होंने 30 मई 2021 को बिजनेसमैन नितिन राजू से शादी की। उन्होंने बॉलीवुड की दो फिल्में भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया और 2021 में हंगामा 2 में बैक-टू-बैक काम किया है।

अमला पॉल

अमला पॉल का जन्म केरल के एर्नाकुलम में एक ईसाई परिवार में हुआ है। वह ज्यादातर तमिल, तेलुगु और मलयालम में काम करती हैं। 2016 में उन्होंने फिल्मफेयर अवाड्‌र्स साउथ में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवार्ड जीता। उन्होंने साउथ सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत 2009 में फिल्म नीलाथमारा से की थी।

क्या आनेवाले दिनों में हैंड पेंटेड साड़ियां ट्रेंड करेंगी?

हाल के दिनों में कई अभिनेत्रियों को हैंड पेन्टेड साड़ी में स्पॉट किया गया और अब यह एक ट्रेंड बनता दिख रहा है. सबसे पहले हमने शिल्पा शेट्टी कुन्द्रा को हैंड पेंटेड साड़ी में देखा था, जिसमें वह बहुत ही शालीन नज़र आ रही थीं. इसके बाद से मौनी रॉय, करीना कपूर ख़ान, सामन्था अक्कानी और अब साक्षी सिंह धोनी पिस्ता कलर की हैंड पेंटेड साड़ी को फ़्लॉन्ट करते दिखीं. करीना कपूर ख़ान और समन्था अक्कानी की साड़ी कस्टमाइज़ थी, जिसपर उनके निक नेम लिखे हुए थे. पेस्टल कलर की इन हैंड पेंटेड बॉटैनिकल प्रिंट साड़ियों को देखने के बाद आपका भी मन इन्हें अपनी वॉर्डरोब में शामिल करने का करेगा. उर्वशी सेठी द्वारा डिज़ाइन की गई पिस्ता शेड की सिल्क ऑरगैन्ज़ा हैंड पेंटेड साड़ी में साक्षी सिंह धोनी. साक्षी ने यह साड़ी पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान पहनी थी, जिसके बाद से उनके इस लुक की काफ़ी चर्चा हो रही है. चाइना रोज़ ऑरगैन्ज़ा हैंड पेंटेड साड़ी में शिल्पा शेट्टी बहुत ही ख़ूबसूरत नज़र आ रही हैं. शिल्पा ने अपने इस शानदार लुक को रेड स्टोन स्टड नेकलेस और लो बन बनाकर पूरा किया है. प्योर इटैलियन ऑरगैन्ज़ा पाउडर ब्लू साड़ी पर रनिंग हैंड से 'बेबो' लिखा गया है, जो करीना कपूर ख़ान का निक नेम है. और इसी वजह से यह साड़ी कस्टमाइज़ बन जाती है. साड़ी पर बना फ़्लोरल प्रिंट भी हाथों का कमाल है, जो इसकी ख़ूबसूरती को दोगुना कर रहा है. करीना ने इस साड़ी को मैचिंग ऑफ़ शोल्डर बेस्टियर के साथ कैरी किया है. उनके ईयरिंग और मेकअप का चुनाव भी उम्दा है. रेड फ्लोरल हैंड पेंटेड वाइट ऑरगैन्ज़ा में मौनी रॉय काफ़ी आकर्षक नज़र आ रही हैं. मौनी ने इस साड़ी को वाइट कलर की ब्रा-लेट के साथ कैरी किया है. मौनी का मेकअप लुक व उनकी हेयर स्टाइल उन्हें विंटेज लुक देने का काम रही है.

साउथ की फ़ेमस अभिनेत्री सामन्था अक्कानी ने हाल ही में पिंक शेड की ऑरगैन्ज़ा हैंड पेंटेड साड़ी में नज़र आईं, जिसमें वह बहुत ही आकर्षक लग रही थीं. यह साड़ी स्पेशली सामन्था के लिए डिज़ाइन की गई थी, जिसपर रनिंग हैंड से 'जानू' लिखा गया था.

नैशनल हैंडलूम डे पर जानें भारत की इन 6 अनोखी साड़ियों के बारे में!

भारत दुनियाभर में विभिन्न प्रकार के हैंडलूम परिधानों के लिए मशहूर है. हर धागे की अपनी कहानी है और हर बुनाई सदियों पुरानी कारीगरी एवं परम्परा को बयां करती है. कांजीवरम से लेकर कोटा डोरिया तक और माहेश्वरी से लेकर संबलपुरी तक हैंडलूम की हर साड़ी भारत का गौरव है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी अपनी पहचान बनाए हुए है. जब बात आती है साड़ियों की तो हर महिला चाहती है कि उसके पास हर तरह की हैंडलूम साड़ियों का कलेक्शन हो, लेकिन इन साड़ियों को सालों-साल सहेज कर न रख पाने की वजह से कम ही इसे अपनी वॉर्डरोब का हिस्सा बना पाती हैं. इसलिए हम तनेरा साड़ी की डिज़ाइन हेड अनन्दिता सरदार की मदद से आपको बता रहे हैं सिल्क साड़ियों को सहेज कर रखने के कुछ आसान से टिप्स.

वेंकटगिरीः दक्षिणी परंपरा की झलक

आंध्र प्रदेश के वेंकटगिरी से ताल्लुक रखने वाली वेंकटगिरी साड़ियां फ़ाइन कॉटन से बनाई जाती हैं. इनमें ज़री का इस्तेमाल भी किया जा सकता है. आमतौर पर इनके पल्लु पर प्रकृति, पौराणिक कथाओं या छोटी-छोटी बूटियों के चित्र होते हैं. इनकी बुनाई में कुछ महीनों तक का समय लग सकता है. वेंकटगिरी साड़ियां को आप रोज़मर्रा के अलावा ख़ास मौक़ों पर भी पहन सकती हैं.

कैसे करें देखभालः इन साड़ियों की सही देखभाल के लिए इन्हें या तो ड्राय क्लीन कराएं या हल्के हाथ से ठंडे पानी में धोएं. धोते समय निचोड़ें नहीं, ऐसा करने की बुनाई ख़राब होने की संभावना रहती है. साड़ी को धूल, धूप या नमी से बचाने के लिए सफ़ेद कॉटन के बैग में रखें.

कांजीवरमः दक्षिण की शान

दक्षिण भारत की शाही कांजीवरम साड़ियां पूरे विश्व में मशहूर हैं. तमिलनाडु के कांचीपुरम कस्बे से ताल्लुक रखने वाली इन साड़ियों को शहतूत के रेशम और शुद्ध सोने की ज़री से बुना जाता है. साड़ी के बॉर्डर को बाक़ी हिस्से के साथ जोड़नेवाला कोरवाई इनकी ख़ासियत है. महिलाएं शादी-विवाह और ख़ास मौकों पर इन साड़ियों को पहनना ख़ूब पसंद करती हैं. ये साड़िया सदियों तक विरासत के तौर पर सहेजी जाती रही हैं. **कैसे करें देखभालः** कांजीवरम सिल्क को ड्राय क्लीन ही कराएं, ऐसा करने से इनकी चमक फ़ीकी नहीं पड़ेगी. इन्हें धूप और धूल से बचाने के लिए कॉटन के बैग में रखें. लम्बे समय तक साड़ी पहनने के बाद इसके कुछ हिस्सों में खिंचाव आ सकता है, इसलिए साड़ी को संभाल कर रखने से पहले इसे ठीक कर के ही रखें.

कोटाः राजस्थान की पहचान

बेहद हल्के कपड़े से बनी ये साड़ियां काफ़ी आरामदायक हैं और गर्म मौसम में पहनने के लिए परफ़ेक्ट हैं. ग्रिड जैसे चैकर्ड डिज़ाइन, बुने हुए बॉर्डर और कढ़ाई- कोटा साड़ियों की पहचान है. अगर आप पूरे दिन साड़ी पहनने वाली हैं तो ये बहुत ही बढ़िया विकल्प हैं. **कैसे करें देखभालः** कोटा साड़ियों की देखभाल करना बेहद आसान है. इन्हें ठंडे पानी में हल्के हाथ से धोएं. लंबे समय तक भिगों कर न रखें. सुखाने के लिए इन्हें साफ़ तौलिए पर फैला दें, ताकि इनकी शेप ख़राब न होंऔर कपड़े में सिलवटें न पड़ें. उल्टी तरफ से हल्के तापमान पर इस्त्री करें, ताकि फ़ैब्रिक को कोई नुकसान न पहुंचे.

माहेश्वरीः पुराने और नए का अनूठा संयोजन

माहेश्वर के बुनकरों ने अपनी रानी को सिल्क और कॉटन से बनी शालीनता और सादगी से भरी माहेश्वरी साड़ी उपहार में दी थी. डोबी बॉर्डर, शक्कर दाना, चमेली फूल से बनी ये साड़ियां हल्के और लक्ज़री बनावट में बुनी जाती हैं. दिन हो या रात, ये साड़ियां हर समय और हर मौक़े पर खूब जंचती हैं. कैसे करें देखभालः माहेश्वरी साड़ी की देखभाल के लिए इसे ठंडे पानी में हाथ से धोएं या ड्राय क्लीन कराएं. इन्हें कपड़े के बैग में रखें और सीधी धूप से बचा कर रखें. हल्के तापमान पर इस्त्री करें,

गर्मियों में सिंपल और शरीर को नुकसान ना हो ऐसे लहंगों का चलन बढ़ रहा है शादियों मै महिलाओं में। विशेष बातचीत मै बताया चंचल शर्मा ने।

धूप से त्वचा को बचाने के लिए दुपट्टा का उपयोग अवश्य करे। अर्चना बाजपेई

समर सीजन के लिए बेस्ट हैं ये Summer Dresses

महिलाओं को ट्रेंडी फैशन को फॉलो करना काफी पसंद होता हैं और जैसे की अब गर्मियों की शुरूआत हो चुकी है और समर फैशन में इस समय कई स्टाइलिश ड्रेसेस ट्रेंड में हैं, जिसके बारे में हमने आपको यहां बताया हैं। अगर आप भी अपने फैशन को स्टाइलिश और ट्रेंडी बनाना चाहती हैं, तो हम आपके लिए लायें हैं यहां बेहद खूबसूरत समर ड्रेसेस फॉर वुमन का लेटेस्ट कलेक्शन, जो ऑफिस जाने से लेकर दोस्त के साथ घुमने जाने के लिए भी सबसे बेस्ट हैं। यहां दी गई सभी Dresses For Summer आजकल बहुत ट्रेंडिंग में चल रहे हैं। इन स्टाइलिश ड्रेसेस फॉर वुमन को आप आसानी से अपने ऑफिस में पहनकर जा सकते है। यहां दी गई सभी समर ड्रेसेस पहनने के बाद महिलाओं को काफी अट्रेक्टिव लुक देती हैं। इस महिलाओं की ड्रेसेस की फैब्रिक क्वालिटी काफी सॉफ्ट है, जिसे पहनने के बाद आपकी स्कीन को कोई नुकसाम नहीं होता है और ना ही इन समर ड्रेसेस को पहनने से आपको पसीना आता हैं। अपने Women Fashion को क्लासी लुक देने के लिए यह ड्रेसेस फॉर वुमन सबसे बेस्ट ऑप्शन हैं। इन समर ड्रेसेस को आप क्लब पार्टी और फंक्शन में भी आसानी से पहनकर जा सकते हैं। तो चलिए नजर डालते हैं यहां दी गयी महिलाओं की समर Dresses Price की जानकारी पर। यहां दी गई सभी समर ड्रेसेस फॉर वुमन में आपको में आपको बहुत सारे कलर, डिजाइन ओर साइज ऑप्शन मिलते हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद के अनुसार चुन सकती हैं। इन स्टाइलिश ड्रेसेस को आप अपनी गर्लफ्रेंड और वाइफ को गिफ्ट कर सकते हैं। अमेजन पर यह Party Wear Dresses For Women कम कीमत में मिल रही है। ऑरेंज कलर में आने वाली यह खूबसूरत समर ड्रेस पहनने के बाद महिलाओं को काफी अट्रेक्टिव लुक देती हैं। इस महिलाओं की ड्रेस को आप अपने ऑफिस लुक को स्टाइलिश बनाने के लिए अभी अमेजन पर खरीद सकती हैं। इस Dress For Summer की फैब्रिक क्वालिटी काफी अच्छी हैं और इस वेस्टर्न ड्रेस फॉर वुमन को पहनने से आपको पसीना भी नहीं आता हैं। इस खूबसूरत ड्रेस को आप आसानी से पूरे दिन पहन सकती और कंफर्टेबल महसूस कर सकती हाँ। इस समर ड्रेस फॉर वुमन में आपको कई साइज ऑप्शन मिलते है। J

घर पर स्ट्रॉबेरी कुल्फी कैसे बनाये

सामग्रीः

स्ट्रॉबेरी – 1 कप, दूध – 1 कप,मिल्क पाउडर – 2 टेबलस्पून, चीनी – 4 टेबलस्पून इलायची पाउडर – 1/2 चम्मच

बनाने की विधिः

सबसे पहले स्ट्रॉबेरी को दो कर अच्छे से काट ले | फिर एक मिक्सी जार में स्ट्रॉबेरी, दूध, दूध पाउडर, चीनी और इलायची पाउडर जार में डालें, और उसका पेस्ट बना ले |
फिर उसे आइसक्रीम मोल्ड में डाल दे, अगर मोल्ड नहीं है तो उसे प्लान ग्लास या कप में डाल दे और उसे फॉयल पेपर से बंद कर दे और उसके बीच में एक लकड़ी डाल दे |
फिर उसे 5-6 घंटे के लिए फ्रीज़र में रख दे (रात में बना कर पूरी रात के लिए रख सकते है) | 5 घंटे बाद उसे फ्रीज़र से निकाले और एक मिनट के लिए बाह छोड़ दे और फिर कुल्फी को मोल्ड से निकाले |कुल्फी बन कर तैयार है उसे डायरेक्ट सर्व कर सकते है या फिर अगर आपको पसंद है तो उसे ड्राइ फ्रूट से सजा सकते है | मुझे खासकर प्लेन कुल्फी पसंद है तो मैं इसे खाती हु, आप भी घर पे टॉय करो और पुरे परिवार के साथ स्ट्रॉबेरी कुल्फी पार्टी करो | अगर इसके टेस्ट की बात करे तो ये बहुत ही क्रीमी है, और बहुत मीठा भी है, मुझे तोडा जल्दी जल्दी खाना पड़ेगा, उम्मम्म तो अगर आपको चीनी काम खाना है तो आप इसमें थोड़ा सा चीनी डाल सकते है या फिर नहीं भी डाल सकते है क्योंकि दूध पाउडर में चीनी होती है मुझे विश्वास है आपको ये मजेदार स्ट्रॉबेरी कुल्फी रेसिपी बहुत पसंद आयी होगी | और आप इसे घर पे आसानी से बना सकते है तो जरूर टॉय करे..

बटरस्कॉच आइसक्रीम कैसे बनाएं

सबसे पहले आधा लीटर कच्चा दूध लेते हैं उस उस में से 100 ग्राम करीब दूध लेकर उसमें जी एम एस,सी एम सी,मिल्क पाउडर और कॉर्न फ्लोर पाउडर मिला देते हैं और अच्छी तरीके से घोले ताकि इसमें लम्स ना पड़े उसके बाद जो बचा हुआ दूध है उसको गैस पर रखकर पकाते हैं और इस मिश्रण को धीरे-धीरे मिलाते हुए इस दूध को खोलने तक पका लेते हैं और इसी में इसी समय शक्कर भी डाल देते हैं

इसी समय इस दूध में शक्कर भी मिला देते हैं ताकि शक्कर भी अच्छी तरीके से घुल जाए

फिर इस आइसक्रीम के मिश्रण को 2 से 4 घंटे के लिए जमने के लिए रख देते हैं फिर जब अच्छी तरीके से जैम जाए तो इसको हमें दोबारा से मिक्सी में ग्रैंड करना पड़ेगा और इसी समय इसमको हम टेस्ट कर लेंगे शक्कर कम है तो शक्कर भी डाल सकते हैं

सामग्री

दो लोग
1/2 लीटर कच्चा दूध
150 ग्राम शक्कर
1/4 चम्मच सी एम सी पाउडर
2 चम्मच जी एम एस पाउडर
2 1/2 चम्मच कॉर्न फ्लार
6 चम्मच मिल्क पाउडर
आवश्यकतानुसार बूंदें बटरस्कॉच एसेंस
1 कटोरी फ्रेश मलाई

वेनिला आइसक्रीम रेसिपी बनाने की विधि

घर में वैनिला आइस क्रीम कैसे बनाए ?

कच्चे दूध को एक भगुने में डालकर गर्म करने के लिए रख दे, पूरे दूध में से 2-3 चम्मच दूध बचा कर रखे। अब इस 2-3 चम्मच दूध में कॉर्न फ्लोर मिलाकर गुठलिया ख़तम होने तक इसे घोल लीजिए। दूध के गरम होने के बाद जैसे हीं इसमे उबाल आने लगे इसमे कॉर्न फ्लोर का घोल डालकर अच्छे से मिक्स कर ले और चम्मच से लगातार चलाते हुए दूध को 5-6 मिनट गाढ़ा होने तक पका लीजिए। लेकिन एक बात का ख़याल रखे की आपको बर्तन के तले तक चमचे को ले जाकर जाकर चलना है, जिससे की दूध बर्तन के तले पर ना लगे। जैसे ही दूध गाढ़ा हो जाए, गैस को बंद करदे और दूध को ठंडा होने के लिए रख दीजिए। क्रीम को अच्छे से फेट ले, क्रीम के प्याले को दूसरे प्याले के उपर रखे जिसमे आइस क्यूब रखे हो। अब इलेक्ट्रिक बलेंडर की मदद से क्रीम को फेटे। फिर इसमे आधी छोटी चम्मच वेनिला एसेन्स डालकर 1 मिनिट के लिए फेटे।इसके बाद चीनी भी डाले और 1 मिनिट के लिए फिर से फेटे। अब आपको ठंडे किए हुए दूध को इसमे डालना है और अच्छे से मिक्स कर लेना है। अब 2 घंटे के लिए इसे फ्रीज़र में रख दे।जब 2 घंटे हो जाए तो मिश्रण को निकालकर इसे वापिस से फेटना है। आपको ज़्यादा कुछ नही इसे 3-4 मिनिट के लिए फेटना है। बाद में मिश्रण को कंटेनर में डालकर, 5-6 घंटे के लिए इसे फ्रीज़र में जमने के लिए रख दे। अब इस ठंडी आइस क्रीम को काँच के बाउल में डालकर सूखे मेवे डालकर सर्व करे। Chocolate Ice Cream Recipe: चॉकलेट आइसक्रीम रेसिपी बनाने की विधि एक बड़ा बाउल ले जिसमे आप अच्छे से मिश्रण को फेट सके। अब बस बाउल में कंडेन्स्ड किया हुआ मिल्क, सादा दूध और वेनिला एसेन्स मिला ले। क्रीम को भी थोडा सा फेटकर उसमे मिला दे और फ्रीज़र में जमने के लिए रख दे। जब मिश्रण फ्रीजर में जब जाए तब इस केक को चॉकलेट सिरप, जेम्स और वेफर्स रोल्स की मदद से सजाए। आपका चॉकलेट आइसक्रीम अब पूरी तरह से तैयार है । इसके साथ ही आप चाहे तो अपने पाट्र्नर को भी चॉकलेट आइसक्रीम खाने के लिए अपने घर पर इन्वाइट कर सकती है। और इसे खाकर उन्हे बहुत अच्छा लगेगा क्योकि यह आपने खुद तैयार किया होगा। चॉकलेट और आइस क्रीम के सभी दीवाने होते है। आप इसे जिसे भी ऑफर करेंगे कोई आपको ना नही कह पाएगा। Strawberry Ice Cream Recipe: स्ट्रॉबेरी आइसक्रीम रेसिपी बनाने की विधि बसे पहले स्ट्रॉबेरी के टुकड़ों को लगभग 2-3 टेबलस्पून दूध के साथ मिला कर के मिक्सी में पीसकर इनका पेस्ट बना लें। अब इसमें 2 टीस्पून चीनी और बचे हुए दूध को डालकर लगभग 2-3 मिनट तक इसे तेजी से फेंट लें। अब इस मिश्रण को किसी गिलास में बाहर निकालकर अलग रख लें । अब मिक्सर के जार में व्हिप्पिंग क्रीम को डालकर, पहले क्रीम को मीडियम स्पीड पर लगभग दो मिनट के लिए फेंटें और फिर फ़ास्ट स्पीड में लगभग 1 मिनट तक फेंटें। अब बची हुई 2 टीस्पून चीनी को इसमें डालकर फास्ट स्पीड पर इसे 1 मिनट तक के लिए फेंटें। अब इसमें पहले से बनाई गई स्ट्रॉबेरी के मिश्रण को डालें और मिलाएं । तेज स्पीड पर लगभग 2 मिनट तक इसे फेटें। ध्यान रखें इसे बहुत ज्यादा न फेंटें, नहीं तो इसमें से मक्खन निकल सकता है। अब एक एयर टाइट डब्बे में इस फेंटे हुए मिक्सचर को डाल दें और डब्बे का ढक्कन से बंद कर के उसे फ्रीजर में रख दें। इस मिक्सचर को थोड़ी देर के लिए जमने दें । लगभग दो घंटे तक के लिए इसे फ्रीज़र में रहने दें। दो घंटे बाद फ्रीजर से डब्बा निकालें और आइस क्रीम को मिक्सर जार में डालकर तेज स्पीड में 2 मिनट तक अच्छे से मिक्स होने तक इसे फेंटे ।एक बार फिर फेंटते हुए इस मिश्रण को एयर टाईट डब्बे में भर दें और डब्बे को ढक्कन से बंद करके, उसे फ्रीजर में रख दें। लगभग 6 – 8 घंटे के बाद आपका आइसक्रीम जमकर तैयार हो जाएगा । आइसक्रीम के जम जाने के बाद इसे स्कूप से निकालकर या चाक़ू से काटकर घरवालों को परोसें।

Recipe Notes

तो आज आपने इस उपर बताये गए लेख में जाना Ice Cream Banane Ki Vidhi. इस लेख में बताई गई तीनों ही आइस क्रीम रेसिपी बनाने में बेहद ही आसान होती है। तो अब आप किस बात का इन्तेजार कर रहे है, इन्हे जल्दी से आप भी ट्राय करे और अपने परिवार वालो को ठंडी ठंडी आइस्क्रीम खिलाए। आप इन्हे हेल्दी बनाने के लिए इनमे अच्छी मात्रा में काजू, बादाम, पिस्ता और किशमिश भी डाल सकती है।

हमेशां डिमांड में रहेंगी ये नौकरियां

खूब बरसेगा पैसा, बन जाएंगे करोड़पति

जॉब ट्रेंड बहुत तेजी से बदलता जा रहा है. बीते कुछ सालों में कई ट्रडिशनल जॉब्स खत्म हो गई हैं और उनकी जगह पर नई नौकरियों की बहार आ गई है. अगले साल भी यह ट्रेंड जारी रहेगा. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी समेत कई सेक्टर्स में एक्सपर्ट की डिमांड बढ़ेगी. साल 2025 में कई पुरानी नौकरियों की कोई वैल्यू नहीं रहेगी. इसीलिए उनमें समय इन्वेस्ट करने की भूल न करें. टेक्नीक में बदलाव के साथ जॉब सेक्टर भी बदल जाता है. अब मैन पावर वाली कई नौकरियों को एआइ और मशीनों ने टेकओवर कर लिया है. बीटेक की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स भी अब ट्रडिशनल स्ट्रीम्स के बजाय एआइ एंड एमएल, साइबर सिक्योरिटी जैसी ब्रांचेस को वरीयता दे रहे हैं. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई अब स्कूल लेवल से ही शुरू हो गई है. साल 2025 में नई नौकरी ढूंढने या पहली नौकरी करने का मन बना रहे हैं तो जानिए, किन सेक्टर्स में बरसेगा पैसा. आईटी नौकरियां, जिन्हें सूचना प्रौद्योगिकी नौकरियां भी कहा जाता है, कंप्यूटर और नेटवर्क से जुड़े कार्य होते हैं। इनमें सॉफ्टवेयर विकास, डेटा विश्लेषण, नेटवर्क प्रशासन, और तकनीकी सहायता जैसे कार्य शामिल हैं।

डेटा साइंटिस्ट

डेटा साइंटिस्ट की मांग बढ़ रही है क्योंकि बिजनेस डेटा के आधार पर लिए जाने वाले फैसलों की आवश्यकता को समझने लगे हैं.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग इंजीनियर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग इंजीनियर्स की डिमांड बढ़ रही है क्योंकि हर कंपनी और बिजनेस अपने संचालन में लेटेस्ट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना चाहता है.

साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट

साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट किसी कंपनी या बिजनेस को साइबर अटैक से डेटा को सिक्योर रखने में मदद करते हैं.

क्लाउड कंप्यूटिंग प्रोफेशनल

क्लाउड कंप्यूटिंग प्रोफेशनल्स कंपनी के डेटा और एप्लिकेशंस को क्लाउड में ट्रांसफर और स्टोर करने में असिस्ट करते हैं.

डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट

डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट की मदद से कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स और सर्विसेस को ऑनलाइन मोड में प्रमोट करती हैं.

हेल्थ सर्विस प्रोफेशनल

हेल्थ सर्विस सेक्टर एवरग्रीन है. यहां प्रोफेशनल्स की डिमांड हमेशा रहती है. हेल्थ सर्विस से जुड़ा डिप्लोमा, डिग्री या सर्टिफिकेट कोर्स करके इसमें करियर बना सकते हैं.

बिजनेस एनालिस्ट

बीते कुछ सालों में बिजनेस एनालिस्ट की डिमांड काफी बढ़ी है. इनकी मदद से कंपनियां अपने बिजनेस और फाइनेंस को बेहतर तरीके से एनालाइज करती हैं.

ह्यूमन रिसोर्स प्रोफेशनल

ह्यूमन रिसोर्स प्रोफेशनल्स की डिमांड में अगले साल भी कोई कमी नहीं आएगी. कंपनियों के काम को ठीक तरह से मैनेज करने के लिए इनकी जरूरत पड़ती है.

पर्यावरण विशेषज्ञ

इन दिनों लोग क्लाइमेट चेंज, ग्लोबल वॉमिंग और सस्टेनेबिलिटी जैसे मुद्दों को लेकर काफी सजग हो गए हैं. ऐसे में इन सेक्टर्स में भी एक्सपर्ट की डिमांड बढ़ रही है.

सोशल मीडिया मैनेजर

सोशल मीडिया पर इंफ्लुएंसर्स की भरमार है. इन्हें अपने अकाउंट्स और काम को मैनेज करने के लिए सोशल मीडिया मैनेजर की जरूरत पड़ती है. अगले साल भी इस क्षेत्र में नौकरियों की डिमांड रहेगी.

1सॉफ्टवेयर डेवलपर:

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और सॉफ्टवेयर के विकास में शामिल। डेटा वैज्ञानिकः डेटा विश्लेषण और मशीन लर्निंग में शामिल। आईटी प्रबंधकः आईटी टीम और संसाधनों का प्रबंधन करते हैं। कंप्यूटर सिस्टम विश्लेषकः कंप्यूटर सिस्टम की योजना और विश्लेषण करते हैं।

नेटवर्क आर्किटेक्ट:

नेटवर्क की योजना और डिजाइन करते हैं। **सूचना सुरक्षा विश्लेषकः** कंप्यूटर नेटवर्क और डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

वेब डेवलपर:

वेबसाइटों का विकास और रखरखाव करते हैं। हेल्प डेस्क एनालिस्टः तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं। आईटी क्षेत्र में काम करने के लाभः **उच्च वेतनः** आईटी क्षेत्र में कई हाई-पेइंग नौकरियां हैं। **विविधताः** आईटी क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की नौकरियां उपलब्ध हैं। **विकास के अवसरः**आईटी क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है, इसलिए इस क्षेत्र में काम करने वालों के पास विकास के कई अवसर होते हैं।

डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनें:

आईटी क्षेत्र में काम करके आप डिजिटल क्रांति का हिस्सा बन सकते हैं। आईटी क्षेत्र में करियर **बनाने के लिए कुछ सुझावः** संबंधित शिक्षा प्राप्त करें: बीटेक या कंप्यूटर साइंस से संबंधित अन्य डिग्री प्राप्त करें। कौशल विकसित करें:

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ क्या है?

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ अपनी कंपनी या संगठन के आकार और स्वरूप के आधार पर कई भूमिकाएँ निभा सकते हैं। जैसा कि नौकरी के शीर्षक से पता चलता है, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों से एक निश्चित स्तर का प्रशिक्षण और विशेषज्ञता की अपेक्षा की जाती है जो उन्हें नवीनतम डिजिटल सर्वोत्तम प्रथाओं पर सलाह और प्रशिक्षण देने की अनुमति देता है। कभी-कभी, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के पास किसी विशेष विक्रेता के उत्पाद (जैसे कि CISCO Systems, जो नेटवर्किंग और IT उत्पाद बनाती है) पर विस्तृत विशेषज्ञता हो सकती है, या उनके पास कंप्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम या मोबाइल एप्लिकेशन जैसे अन्य डोमेन में अनुभव हो सकता है।

इस भूमिका से संबंधित सामान्य पदः

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ,सूचना सुरक्षा विशेषज्ञ,सुरक्षा विशेषज्ञ,साइबर सुरक्षा विश्लेषक, गोपनीयता विशेषज्ञ

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ के बारे में सोचने का एक सरल तरीका यह है कि वह ऐसा व्यक्ति हो जो किसी कंपनी या संगठन की सुरक्षा पर नज़र रखता हो और साथ ही अन्य कर्मचारियों और टीम के सदस्यों को सर्वोत्तम प्रथाओं से अवगत रहने में मदद भी करता हो। यह भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि अक्सर डेटा उल्लंघन संगठन के अंदर से होता है, या तो जानबूझकर या गलती से।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ बनने के लिए चार प्रमुख कदम

1. शिक्षा : साइबर सुरक्षा में अन्य करियर की तरह, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ श्रेणी के अंतर्गत आने वाली अधिकांश नौकरियों के लिए किसी न किसी प्रकार की औपचारिक शिक्षा की आवश्यकता होती है। हालाँकि, चूँकि साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ की नौकरियाँ नौकरी के विवरण और जिम्मेदारियों के व्यापक दायरे में आ सकती हैं, इसलिए साइबर सुरक्षा शिक्षा के कई स्तरों को पूरा करने के बाद विशेषज्ञ की नौकरी पाना संभव है। साइबरसीक की रिपोर्ट के अनुसार 11 प्रतिशत साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के पास एसोसिएट की डिग्री, 44 प्रतिशत के पास बैचलर की डिग्री और 45 प्रतिशत के पास ग्रेजुएट की डिग्री है। दूसरे शब्दों में, साइबर सुरक्षा एसोसिएट की डिग्री , बैचलर की डिग्री या मास्टर की डिग्री पूरी करने वाले लोगों के लिए साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ की नौकरियाँ उपलब्ध हैं । इसके अतिरिक्त, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ कार्यबल के अधिकांश लोगों को संबंधित डिग्री (जैसे कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग, या गणित) पूरी करने और/या निकट से संबंधित कार्य अनुभव प्राप्त करने के बाद रोजगार मिला।

हमारा देश हमारा अभिमान

हर-हर महादेव

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की प्रति बुक करने के लिए सम्पर्क करें..

मनोज चतुर्वेदी : 98266 36922, 88392 59136